खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 11 जून, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-160

भारत सरकार की उपेक्षा और दोयम दर्जे के व्यवहार से क्षुब्ध है लद्दाख

लद्दाख को दूसरा कश्मीर बनने पर विवश कर रही मोदी सरकार

दीनबंधु कबीर
लेह, 10 जून।

भारत सरकार की उपेक्षा और दोयम दर्जे के व्यवहार से सम्पूर्ण लद्दाख क्षुब्ध है और भीषण आक्रोश में है। मोदी सरकार की यह उपेक्षा केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को दूसरा अस्थिर और अराजक कश्मीर बनने पर विवश कर रही है। लद्दाख के लोगों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार लद्दाखियों की समग्र सुरक्षा और संरक्षा पर कतई ध्यान नहीं दे रही है जबकि लद्दाख के गैर-जरूरी मुद्दों को लेकर पतंग उड़ा रही है।

लद्दाख के नेताओं के साथ कई दौर की बातचीत के बाद, केंद्र ने लद्दाख के लिए नई अधिवास और नौकरी आरक्षण नीति की घोषणा की। भूमि, संसाधनों और रोजगार के अवसरों पर नियंत्रण खोने वाले मूल निवासियों ने पिछले पांच वर्षों में लद्दाख में लगातार विरोध प्रदर्शन किया था। स्थानीय निवासियों के लिए अधिकांश सरकारी नौकरियों को आरक्षित करके और लद्दाख का निवासी कौन हो सकता है, इस पर विस्तृत प्रतिबंध लगाकर, नरेंद्र मोदी सरकार ने लद्दाखियों की मांगों को संबोधित करने की कोशिश जरूर की, लेकिन लद्दाख के लोगों का कहना है कि समाधान तक पहुंचने का यह केंद्र सरकार का पहला कदम था। इसके बाद केंद्र ने कदम रोक लिया।

लद्दाख के वरिष्ठ नेता और लेह एपेक्स बॉडी के अध्यक्ष चेरिंग दोरजे ने कहा, लद्दाख के लिए राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची का दर्जा से जुड़े हमारे दो मुख्य मुद्दे अभी भी लंबित हैं। लेह एपेक्स बॉडी उन दो निकायों में से एक है जिन्होंने लद्दाख के लोगों की ओर से केंद्र सरकार के साथ बातचीत की थी। अभी तक उन मुद्दों पर कोई चर्चा नहीं हुई है। दोरजे ने कहा, मुख्य मुद्दे अभी भी अनसुलझे हैं। लद्दाखी नेतृत्व ने छठी अनुसूची के रूप में एक संवैधानिक गारंटी मांगी थी, जो देश के आदिवासी क्षेत्रों के लिए भूमि पर सुरक्षा और नाममात्र की स्वायत्तता की गारंटी देती है। लद्दाख में 97 प्रतिशत से अधिक आबादी अनुसूचित जनजातियों की है।

चेरिंग दोरजे

लद्दाख के नेताओं ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि नए नियमों में लद्दाख में बाहरी लोगों के जमीन खरीदने पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। यह लद्दाख के लिए दुखद और अवांछित है। जब नई दिल्ली ने अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर से अलग कर लद्दाख को एक पृथक केंद्र शासित प्रदेश बनाने का फैसला किया, तो लेह में खुशी की लहर दौड़ गई थी। लेकिन लद्दाख के लोगों ने इस क्षेत्र में अचल संपत्ति के मालिक होने और सरकारी नौकरी पाने के

लद्दाखियों की समग्र सुरक्षा और संरक्षा पर ध्यान नहीं दे रहे मोदी

अपने विशेषाधिकार खो दिए। अगस्त 2021 में, करगिल और लेह दोनों क्षेत्रों ने लद्दाख के लिए केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा स्वीकार करने से इन्कार कर दिया और पूर्ण राज्य का दर्जा मांगा। 2022 तक, गैर-स्थानीय लोगों को लद्दाख में जमीन के मालिकाना हक और नौकरी पाने के लिए पात्र होने की बढ़ती चिंता ने लद्दाख के नेतृत्व की चार मांगों को जन्म दिया। ये मांगें थीं, लद्दाख को राज्य का दर्जा, संविधान की छठी अनुसूची के तहत संवैधानिक सुरक्षा उपाय, लेह और करगिल जिलों के लिए अलग-अलग लोकसभा सीटें, लद्दाख के लिए एक भर्ती प्रक्रिया और एक अलग लोक सेवा आयोग की शुरुआत।

केंद्र सरकार के 2 जून के फैसले में आंशिक रूप से उन मांगों को संबोधित किया गया है। नए नियमों के तहत, केवल वही व्यक्ति केंद्र शासित प्रदेश का निवासी होने के योग्य होगा जो 31 अक्टूबर 2019 को केंद्र शासित प्रदेश के रूप में इसके गठन के बाद से 15 साल की अवधि के लिए लद्दाख में निवास कर रहा हो। एक व्यक्ति जिसने 31 अक्टूबर 2019 से सात साल की अवधि के लिए अध्ययन किया है और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश में स्थित एक शैक्षणिक संस्थान में कक्षा 10 या कक्षा 12 की परीक्षा दी है, वह भी निवासी होने के योग्य है। हालांकि, अधिवास नियम केवल लद्दाख सिविल सेवा विकेंद्रीकरण और भर्ती में परिभाषित लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश के तहत पदों पर नियुक्ति के उद्देश्य के लिए वैध है।

केंद्र ने आरक्षण नीति में संशोधन के लिए एक अध्यादेश भी लाया। इसके अनुसार, लद्दाख में 85 प्रतिशत नौकरियां और व्यावसायिक शिक्षण संस्थानों में प्रवेश केंद्र शासित प्रदेश के निवासियों के लिए आरक्षित होंगे। इसमें अनुसूचित जनजातियों के लिए 80 प्रतिशत आरक्षण, नियंत्रण रेखा या वास्तविक नियंत्रण रेखा के साथ रहने वालों के लिए 4 प्रतिशत और अनुसूचित जातियों के लिए 1 प्रतिशत आरक्षण शामिल है। यह आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को मिलने वाले 10 प्रतिशत आरक्षण के अतिरिक्त है। इससे पहले, जम्मू और कश्मीर में आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत थी, जिसका लद्दाख एक हिस्सा था। लेह एपेक्स बॉडी के नेता दोरजे ने स्वीकार किया कि केंद्र सरकार ने रोजगार संबंधी असुरक्षाओं को दूर करने की कोशिश की है। लेकिन इसमें और कुछ नहीं है। केंद्र के साथ बातचीत में करगिल जिले का प्रतिनिधित्व करने वाले समूह करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस के प्रतिनिधि सज्जाद करगिली डोमिसाइल नीति से असंतुष्ट हैं।

▶10पर

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दुनिया से दो-टूक कहा

आतंकियों के साथ आतंकी ढांचों का खत्म होना जरूरी

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकियों के साथ-साथ आतंकी ढांचों को खत्म करना जरूरी है। पूरी दुनिया में पाकिस्तान को बेनकाब करना जरूरी हो गया है। यह बात पूरी दुनिया के सामने आ रही है कि पाकिस्तान को फंडिंग का मतलब है कि आतंकवाद को फंडिंग। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को पाकिस्तान को मिलने वाली विदेशी आर्थिक मदद को बंद करना होगा। आतंकवाद को खाद-पानी नहीं मिलना चाहिए। इसमें संयुक्त राष्ट्र की भूमिका अहम है, लेकिन उसके निर्णयों पर सवालिया निशान लग रहे हैं।

पाकिस्तान को आतंकवाद विरोधी समिति में उपाध्यक्ष बनाया गया है। यह बिल्ली से दूध की रखवाली करवाने वाली बात है। इससे बड़ी दुर्भाग्य की बात क्या हो सकती है। यह वही पाकिस्तान है, जिसकी जमीन का इस्तेमाल वैश्विक आतंकवाद के लिए होता रहा है। यहां हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे आतंकी खुले आम घूमते हैं और जहर उगलते हैं। उसे आप वाइस चेयरमैन बनाते हैं। आतंकी के जनाजे में पाकिस्तानी फौज के अफसर फातिहा पढ़ते नजर आते हैं, यह क्रूर मजाक से कम नहीं है। राजनाथ ने कहा, जब हम राष्ट्रीय सुरक्षा की बात करते हैं तो सैनिकों की सुरक्षा और सरकार की मजबूती दिखाई देती है। इसके साथ एक और शक्ति होती है, स्वस्थ और स्वतंत्र पत्रकारिता। पत्रकारिता सिर्फ सूचना देने वाली नहीं, बल्कि समाज को सशक्त बनाने वाली और चेतना देने वाली शक्ति होती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा पहलगाम में आतंकियों ने जिस तरह धर्म पूछकर लोगों को निशाना बनाया, उसने देश को झकझोर दिया। उन्होंने धर्म पूछकर मारा, लेकिन हमने उनका धर्म पूछकर नहीं, उनका कर्म देखकर मारा। यह देश की सामाजिक एकता पर हुआ हमला था। धर्म पूछकर मारने के पीछे उनका उद्देश्य था भारत की सांस्कृतिक एकता को नुकसान पहुंचाना। रक्षा मंत्री ने कहा, हमने उनके आतंकी ढांचे को तबाह कर दिया। लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों के मुख्यालयों पर पहली बार किसी ने हमला किया है, तो वह भारत है। यह आतंकियों के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है।अनुच्छेद 370 पर बोलते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि आप सभी ने देखा होगा कि जब तक जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 लागू था, तब तक सभी कहते थे कि कश्मीर भारत में तो है, लेकिन वह भारत से इंटिग्रेट नहीं है। अब 370 हटने के बाद वह भारत से पूरी तरह इंटिग्रेट हो गया है। जम्मू-कश्मीर में लाखों पर्यटक आए। जमीनी स्तर पर वहां सुशासन दिख रहा है। जम्मू-कश्मीर को भारत का मस्तक कहा जाता है, जब यह मस्तक चमकने लगा तो पड़ोसी को चमक बर्दाश्त नहीं हुई और उसने आतंकी वारदात को अंजाम दिया। आतंकियों को तो हमने जवाब दे दिया, लेकिन इस तरह की घटना भविष्य में न हो, ▶10पर

कमीशन लेकर विदेशों से हथियार खरीदने वाला पुराना भारत

आत्मनिर्भर होकर विश्व को हथियार बेच रहा नया भारत

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)।

कमीशन लेकर विदेशों से हथियार खरीदने वाला पुराना भारत अब नए भारत में तब्दील हो चुका है। आज नया भारत आत्मनिर्भर होकर विश्व को हथियार बेच रहा है। आजादी के बाद से देश के रक्षा क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार-नीति 11 साल में समाप्त कर दी गई। आज भारत 100 से ज्यादा देशों को हथियार निर्यात कर रहा है और विश्व के रक्षा निर्यातक देशों में 25वें स्थान पर पहुंच चुका है। 2025 में भारत ने ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल का दूसरी खेप फिलीपींस को भेजी।

देश की सैन्य आत्मनिर्भरता न केवल देश की आंतरिक सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जाती है बल्कि बाह्य सुरक्षा की नजरिए से भी यह अत्यंत महत्वपूर्ण है। किसी भी देश का खुद का हथियार बनाना सबसे महत्वपूर्ण होता है। भारत हथियारों के मामले में दुनिया के आत्मनिर्भर देशों में शामिल हो गया है। यह परिवर्तन 2014 के बाद होना शुरू हुआथ 2014 से पहले भारत का रक्षा निर्यात काफी बदहाली के दौर से गुजर रहा था और हम आयात पर निर्भर थे। लेकिन

रक्षा क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार-नीति 11 साल में खत्म

इस निर्भरता को आत्मनिर्भरता में बदलने का काम 2014 के बाद आई मोदी सरकार ने किया। स्कॉटहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) के मुताबिक, 2009 से 2013 तक भारत पूरे दुनिया के हथियारों का 13 प्रतिशत आयात किया करता था। इसका परिणाम यह हुआ कि दुनिया की सबसे शक्तिशाली सैन्य क्षमताओं वाला देश हथियारों की आपूर्ति के मामले में दूसरे देशों पर निर्भर होता चला गया। विदेशी सप्लायर भारत के घरेलू उत्पादन उद्योग को कमजोर करते चले गए। रक्षा निर्यात की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2004-2005 से 2013-14 तक रक्षा निर्यात की कुल राशि 4,312 करोड़ थी जो अब बढ़ कर 23,622 करोड़ हो गई है। रक्षा निर्यात की रिपोर्ट में साफ बताया गया है कि किस तरह कांग्रेस ने देश की सुरक्षा को हाशिये पर रख दिया था। रक्षा निर्यात की रिपोर्ट में उत्तरी सेवा के पूर्व कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एचएस पनाग ने इस रिपोर्ट में बताया है कि 2013-14 तक हमारा निर्यात मात्र 110 मिलियन डॉलर था। हमारे देश के रक्षा निर्यात का कोई अस्तित्व ही नहीं था। रिपोर्ट के अनुसार, पहले की सरकार में रक्षा मंत्रालय से एनओसी लेने के बाद व्यापार करने की व्यवस्था थी, उस वक्त भी सरकार ने रक्षा निर्यात पर गंभीरता से विचार नहीं किया। यही कारण है कि 2014 के बाद भी एनडीए सरकार के गंभीर प्रयासों के बावजूद रक्षा निर्यात इतना कम है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 34^0
न्यूनतम : 26^0

वंदे भारत ट्रेन की सवारी कर भावुक हुए फारूक अब्दुल्ला

जम्मू, 10 जून (ब्यूरो)।

वंदे भारत ट्रेन की सवारी कर जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला अतंयत भावुक हो गए। फारूक अब्दुल्ला ने मंगलवार को श्रीनगर के नौगाम रेलवे स्टेशन से कटड़ा तक वंदे भारत ट्रेन में यात्रा की। उनके साथ उनके दोनों पोते भी थे। उन्होंने कहा, हमें वंदे भारत ट्रेन से बहुत फायदा होगा। हमें खुशी है कि हम इस ट्रेन से कटरा जा रहे हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष ने कहा कि ट्रेन लिंक से कश्मीर के फल व्यापारियों को देश भर के बाजारों तक पहुंच मिलेगी। जब ट्रेन कटड़ा स्टेशन पर पहुंची, तो नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता और कार्यकर्ता फूलों के गुलदस्ते और नारे लगाकर उनका स्वागत करने के लिए एकत्र हुए। अब्दुल्ला ने कटड़ा स्टेशन पर उतरते ही कहा, माता ने बुलाया है। आया है बुलावा शेरांवाली का। इसी के साथ वहां मौजूद लोगों ने धार्मिक नारे लगाए। उन्होंने उम्मीद जताई कि 3 जुलाई से शुरू होने वाली हिमालय की पहाड़ियों में अमरनाथ यात्रा के लिए लोग बड़ी संख्या में ट्रेनों से आएंगे। फारूक अब्दुल्ला ने इस सीधे रेल संपर्क को कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों के बीच दिल के रास्ते को जोड़ने की दिशा में एक कदम बताया। श्रीनगर के नौगाम स्टेशन पर चढ़ते समय, जब ट्रेन पहाड़ों और सुरंगों से होते हुए रियासी जिले की शिवालिक पहाड़ियों में चेनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे ▶10पर

लक्षद्वीप के स्कूलों में हिंदी पढ़ने पर रोक लगी

तिरुअनंतपुरम, 10 जून (एजेंसियां)।

केरल हाईकोर्ट ने केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप के स्कूली पाठ्यक्रम में हिंदी पढ़ाए जाने के निर्णय पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने वहां के स्कूली पाठ्यक्रम में अरबी और महल भाषा पढ़ाए जाने को जारी रखने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट ने कहा है कि स्कूलों में पुराना पाठ्यक्रम ही पढ़ाया जाए और अरबी-महल भाषाएं बच्चों को सिखाई जाती रहें।

केरल हाईकोर्ट ने यह निर्णय अजस अकबर द्वारा दाखिल याचिका पर सुनाया। हाईकोर्ट ने कहा कि यह निर्णय लागू करने से पहले कोई सर्वे नहीं किया गया था, इसलिए इस पर रोक लगाई जाती है। हाईकोर्ट ने कहा कि किसी विशेष क्षेत्र में ऐसे निर्णयों के लिए पहले स्थानीय कारकों पर एक सर्वे होना चाहिए।

▶10पर

अब कश्मीरियों को चाहिए दिल्ली तक की सीधी ट्रेन

जम्मू, 10 जून (ब्यूरो)।

कटड़ा से श्रीनगर तक चलने वाली इतिहासिक वंदे भारत रेल ने कश्मीरियों को खुशी प्रदान की है पर वे इतने से खुश नहीं हैं। कश्मीरियों की मांग है कि जब तक नई दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन चालू नहीं होगी कश्मीर की तरक्की नहीं हो पाएगी। कश्मीरियों का मानना है कि ऐतिहासिक रेल लिंक अपने साथ अधिक विश्वसनीयता, सामर्थ्य और पहुंच का वादा लेकर आया है। पर कश्मीरी इसे नकाफी बताते हैं। वे कहते थे कि इस महत्वाकांक्षी पहल को कश्मीर और लद्दाख के लोगों के लिए वास्तव में सार्थक और न्यायसंगत बनाने के लिए, श्रीनगर और नई दिल्ली के बीच एक सीधी, लंबी दूरी की ट्रेन सेवा अगला जरूरी कदम होना चाहिए।

दिल्ली तक की सीधी रेल की मांग के साथ ही उनका कहना है कि अनावश्यक ठहराव या ट्रेन परिवर्तन के बोझ के बिना श्रीनगर-दिल्ली एक्सप्रेस एक गेम-चेंजर होगी। इससे लोगों की आवाजाही आसान होगी, पर्यटकों में आत्मविश्वास बढ़ेगा और आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा मिलेगा। दरअसल सीधी रेल की मांग सिर्फ यात्रियों की सुविधा के लिए नहीं है। श्रीनगर से एक मजबूत रेल माल ढुलाई प्रणाली को भी वे महत्वपूर्ण बताते थे। वे कहते थे कि क्षेत्र के बागवानी उत्पाद सेब, चेरी, अखरोट, सब्जियां और विश्व प्रसिद्ध हस्तशिल्प समय के प्रति संवेदनशील वस्तुएं हैं। ▶10पर

जासूसी उपन्यास द डे ऑफ द जैकाल के लेखक फ्रेडरिक फोर्सिथ का 86 वर्ष की आयु में निधन

लंदन, 10 जून (एजेंसियां)।

रहस्य और रोमांच की दुनिया में सत्तर और अस्सी के दशक के बीच में सबसे ज्यादा पढ़े गए जासूसी उपन्यास द डे ऑफ द जैकाल के लेखक फ्रेडरिक फोर्सिथ का सोमवार को 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया। ब्रिटिश लेखक फोर्सिथ बेहतरीन सैन्य पायलट भी थे। उन्होंने अपना कर्ज चुकाने के लिए लेखन को चुना। फ्रेडिरिक फोर्सिथ ने लगभग 25 से अधिकर उपन्यास लिखे। दुनिया भर में इन उपन्यासों की 70 मिलियन प्रतियां बिकीं।

रिपोर्ट के अनुसार, उनके प्रवक्ता जोनाथन लॉयड ने उनके निधन की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि जासूसी उपन्यास द डे ऑफ द जैकाल के अलावा फोर्सिथ के द ओडेसा फाइल और द डॉग्स ऑफ वॉर को भी पाठकों का भरपूर प्यार मिला। उनके प्रकाशक बिल स्कॉट-केर ने कहा, उन्हें दुनिया भर में पढ़ा गया। उनके समकालीन लेखक भी उनकी लेखन शैली का लोहा मानते थे। वह अपने पीछे अद्वितीय विरासत छोड़ गए हैं। वह अपने उपन्यासों में हमेशा जिंदा रहेंगे।

1938 में केंट में जन्मे फोर्सिथ 18 साल की उम्र में आरएएफ में शामिल हुए। इसके बाद बीबीसी और रॉयटर्स के लिए युद्ध संवाददाता बन गए। उन्होंने 2015 में खुलासा किया कि उन्होंने 20 से अधिक वर्षों तक ब्रिटिश खुफिया एजेंसी एमआई-6 के लिए भी काम किया। उनके उपन्यासों के कई काल्पनिक कथानक दुनिया भर में उनके वास्तविक जीवन के अनुभवों पर आधारित थे। उन्होंने 1971 में बेरोजगारी के समय अपना पहला उपन्याय द डे ऑफ द जैकल लिखा। इसकी सफलता पर उन्होंने कहा था- मैं कंगाल था। कर्ज में डूबा था। मेरे पास फ्लैट नहीं था। कार नहीं थी। कुछ भी नहीं था। और मैंने सोचा- मैं खुद को इस गड्ढे से कैसे निकालूं मुझे शायद सबसे अजीब समाधान मिला- एक उपन्यास लिखो। दो साल बाद 1973 में द डे ऑफ द जैकल पर फिल्म बनाई गई। इसमें जैकल की भूमिका एडवर्ड फॉक्स ने निभाई। पिछले साल एडी रेडमैन ने इस उपन्यास पर टीवी धारावाहिक बनाया। उनके प्रवक्ता लॉयड ने बयान में कहा कि वह कुछ समय से बीमार थे। उन्होंने सोमवार को हमेशा-हमेशा के लिए अपनी आंखें बंद कर लीं। लॉयड ने कहा, हम दुनिया के सबसे महान थ्रिलर लेखकों में से एक के निधन पर शोक व्यक्त करते हैं। वह सफल युद्ध संवाददाता रहे। उनका जर्मन, फ्रेंच और रूसी भाषा पर समान अधिकार था। वह बियाफ्रा में विदेशी संवाददाता बन गए। वह एक सीक्रेट सर्विस एजेंट भी रहे। उनके प्रकाशक स्कॉट-केर ने कहा कि फोर्सिथ के साथ काम करना मेरे पेशेवर जीवन के सबसे बड़े सुखों में से एक रहा है। उन्होंने कहा कि शानदार कथानक और विचारों के प्रवाह को छोड़कर, वह सबसे पेशेवर लेखक थे, जिसकी एक संपादक उम्मीद कर सकता है। फोर्सिथ की मित्र गायिका एलेन पैज ने एक्स पर लिखा, मुझे फोर्सिथ के निधन पर दुख है। स्थानों, महलों और भूगोल के बारे में उनका अकादमिक ज्ञान बेजोड़ था। उन्हें कई कारणों से बहुत याद किया जाएगा। अंग्रेजी संगीतकार एंड्रयू लॉयड वेबर ने कहा, उन्होंने वास्तव में रोमांस और रोमांच को समझा। धन्यवाद फ्रेडरिक, ऐसी कहानियां बनाने के लिए जो आपके सम्मान में पीढ़ियों तक जीवित रहेंगी। कंजर्वेटिव सांसद सर डेविड डेविस ने कहा कि उनके महान मित्र फोर्सिथ एक शानदार व्यक्ति और शानदार शब्दकार थे। उन्होंने स्काई न्यूज से कहा-वे पुराने मूल्यों में बहुत विश्वास करते थे। वे सम्मान, देशभक्ति, साहस,सीधेपन और सरलता में विश्वास करते थे। वह हमारे सशस्त्र बलों के एक बड़े रक्षक थे। उनकी पहली पत्नी कैरोल कनिंघम से दो बेटे हैं। उनकी दूसरी पत्नी सैंडी मोलोय का पिछले साल अक्टूबर में निधन हो गया था।

न्यूज़ ब्रीफ

अमेरिका में भारतीय छात्र के साथ बदसलूकी, जमीन पर लिटाया और बांधे हाथ-पैर

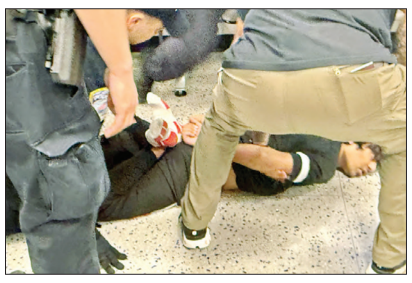

वॉशिंगटन। भारतीय छात्र को न्यू जर्सी के नेवार्क एयरपोर्ट पर सुरक्षाकर्मियों ने पेट के बल लिटा रखा है और उसके हाथ और पैर बांध दिए हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद से ही लोग भड़के हुए थे। भारतीय छात्र के साथ अपराधियों जैसे बर्ताव का यह वीडियो मौके पर मौजूद और भारतीय-अमेरिकी कारोबारी कुणाल जैन ने बनाया था। अब इस मामले में न्यूयॉर्क स्थित भारतीय दूतावास का बयान आया है। बता दें कि अमेरिका में बड़े पैमाने पर विदेशी छात्रों और कर्मचारियों के वीजा रद्द किए जा रहे हैं। यह फैसला प्रशासन बिना बताए अचानक ही ले रहा है। कई बार फिलिस्तीन का समर्थन भी इसकी वजह बनता है। इसके अलावा कानून-व्यवस्था के नाम पर भी लोगों को बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा है। दूतावास ने ट्वीट किया, हमने सोशल मीडिया पर ऐसी कई पोस्ट देखी हैं। इनमें दावा किया गया है कि एक भारतीय को नेवार्क लिबर्टी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर परेशानी झेलनी पड़ी। हम स्थानीय प्रशासन के संपर्क में हैं। भारतीयों के हितों की सुरक्षा के लिए कौंसुलेट तत्पर है। छात्र के वायरल वीडियो में दिखता है कि उसे दो अधिकारियों ने पकड़ रखा है और पेट के बल लिटा रखा है। वहीं दो अन्य अधिकारी उसके हाथों और पैरों को बांध देते हैं। इस दौरान भारतीय छात्र मदद की अपील करता सुनाई देता है। छात्र को अमेरिकी प्रशासन ने अवैध रूप से देश में आने के आरोप में पकड़ा था और उसे भारत वापस भेज दिया गया।कुणाल जैन ने एक्स पर लिखा, मैंने देखा कि एक युवा भारतीय छात्र को नेवार्क एयरपोर्ट से डिपोर्ट किया जा रहा है। बीती रात ऐसा हुआ।

बाइडेन पर तंज कसने वाले ट्रंप अब खुद भी लड़खड़ने लगे ,सोशल मीडिया पर लोग ले रहे मजे

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन की उम्र और गिरने की आदत पर तंज करने वाले डोनाल्ड ट्रंप खुद उसी स्थिति में फंस गए हैं। दरअसल बाइडन कई बार एयरफोर्स वन पर चढ़ने के दौरान लड़खड़ा चुके हैं। अब ट्रंप भी एयरफोर्स वन में चढ़ते वक्त लड़खड़ा गए और सोशल मीडिया पर फिर चर्चा का विषय बन गए। ये वाकया अमेरिकी राज्य मैरीलैंड के हेगर्सटाउन में हुआ, जब ट्रंप वॉशिंगटन डीसी के पास स्थित कैंप डेविड के लिए रवाना हो रहे थे। तभी एयरफोर्स वन की सीढ़ियां चढ़ते वक्त उनका संतुलन बिगड़ा और वे लड़खड़ा गए। ट्रंप के तुरंत बाद विमान में चढ़ते वक्त अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो भी ठोकर खा बैठे। इसके बाद लोगों ने पूरी घटना को बाइडन से जोड़ दिया। दिलचस्प बात ये है कि ट्रंप और उनके समर्थक अक्सर बाइडेन के इसतरह के पलों पर मजाक उड़ाते रहे हैं। लेकिन इस बार खुद ट्रंप सोशल मीडिया के निशाने पर आ गए।

ज्यादा बुद्धिमान होकर रोबो, आने वाले सालों में इंसानों को गुलाम बना देगा आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस

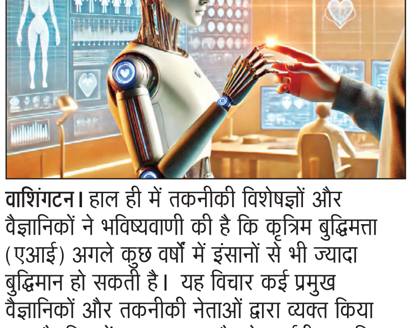

वाशिंगटन। हाल ही में तकनीकी विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों ने भविष्यवाणी की है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) अगले कुछ वर्षों में इंसानों से भी ज्यादा बुद्धिमान हो सकती है। यह विचार कई प्रमुख वैज्ञानिकों और तकनीकी नेताओं द्वारा व्यक्त किया गया है, जिसमें एलन मस्क और रे कुर्ज़वील शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक एक स्टडी में 8,590 वैज्ञानिकों, उद्यमियों और समुदायों के विचारों के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया है कि जल्दी ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चार कदम आगे निकलकर आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस (एजीआई) में बदल जाएगा। अगर आप नहीं समझे, तब सीधे तौर पर इंसान से ज्यादा स्मार्ट बनकर उन्हें गुलाम बना लेगा। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि अगले साल यानि 2026 में एजीआई का आगमन हो सकता है। हालांकि कुछ उद्यमियों का कहना है कि कि साल 2030 के दशक में एजीआई संभव हो सकता है। वहीं वैज्ञानिक कहते हैं कि अगले 15 सालों में ये हो सकता है।

अगली ईरान-अमेरिका परमाणु वार्ता रविवार को मस्कट में, नेतन्याहू ने ट्रंप से फोन पर 40 मिनट तक बात की

तेहरान/तेल अवीव/वाशिंगटन, 10 मई (एजेंसियां)।

ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच अगली अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता ओमान की राजधानी मस्कट में होगी। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघई ने यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए परामर्श के बाद तेहरान और वाशिंगटन के बीच अप्रत्यक्ष वार्ता का अगला दौर रविवार को मस्कट में निर्धारित किया जा रहा है। इस बीच इजराइल के प्रधानमंत्री ने अमेरिका के राष्ट्रपति से बातचीत की है।

ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, बाघई ने सोमवार को प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि यूरेनियम संवर्धन ईरान के परमाणु उद्योग के लिए रणनीतिक आवश्यकता है। यह स्वदेशी तकनीक ईरानी वैज्ञानिकों ने दशकों के सतत प्रयास के माध्यम से विकसित की है। अमेरिका के साथ होने वाली वार्ता या समझौते में यह विषय शामिल नहीं होगा।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ईरान के राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित रखने में बाधक कोई भी प्रस्ताव अस्वीकार्य होगा। ईरान जल्द ही ओमान के माध्यम से अपना प्रस्ताव सामने रखेगा। बाघई ने कहा कि अमेरिकी पक्ष इस अवसर को बर्बाद न करे। इस वार्ता को गंभीरता से ले। उल्लेखनीय है कि अमेरिका और ईरान ने 12 अप्रैल से परमाणु वार्ता के पांच दौर आयोजित किए हैं। अब तक दोनों देश किसी समझौते पर नहीं पहुंच पाए हैं। दोनों देश यूरेनियम संवर्धन के स्तर को लेकर असहमत हैं।

इस बीच ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी इरना ने कहा है कि सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने बयान जारी कर चेतावनी दी है कि अगर इजराइली शासन इस्लामिक गणराज्य के खिलाफ कोई आक्रामक कार्रवाई करता है तो ईरान उसके गुप्त परमाणु सुविधा केंद्रों पर हमला करेगा। काउंसिल ने कहा है कि इजराइली के यह केंद्र उसके सशस्त्र बलों की मेज पर हैं। ईरान की सेना इजराइल को हर तरह का जवाब देने के लिए तैयार है। सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल की इस चेतावनी के बाद इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कल संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बातचीत की।

खबर के अनुसार, नेतन्याहू और ट्रंप ने 40 मिनट तक फोन पर बातचीत की। बातचीत के बारे में संक्षिप्त विवरण देते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि दोनों नेताओं ने तेहरान के साथ वाशिंगटन की चल रही परमाणु वार्ता पर चर्चा की। राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रधानमंत्री को बताया कि अमेरिका ने ईरान के समक्ष एक उचित प्रस्ताव रखा है और आने वाले दिनों में उसका जवाब मिलने की उम्मीद है। बयान में इस बारे में कोई विवरण नहीं दिया गया कि नेतन्याहू ने बातचीत के दौरान ट्रंप से क्या कहा। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा कि बातचीत बहुत अच्छी रही। हम दोनों ने परमाणु वार्ता सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई। अमेरिका की गुरुवार को ईरान के साथ बैठक है।

लॉस एंजिल्स में बढ़ रहा है आक्रोश, ट्रंप की नहीं सुन रहे प्रदर्शनकारी

लॉस एंजिल्स। अमेरिकी सरकार के प्रवासियों पर एक्शन के बाद से शुरू हुई विरोध प्रदर्शन की आग अब और उग्र हो गई है। इस बीच ट्रंप के नेशनल गार्ड्स को उतारने के फैसले ने आग में घी डालने का काम किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को यहां और 700 मरीन की अस्थायी तैनाती का आदेश दिया है। ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि प्रदर्शनकारियों के साथ अब और भी सख्ती से निपटा जाएगा। ट्रंप ने सोमवार को कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूजॉम को गिरफ्तार करने के धमकी भी दी है। गवर्नर गेविन न्यूजॉम ने ट्रंप प्रशासन के इस फैसले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने और इसे लापरवाही भरा फैसला बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 2,000 जवान उन्हें खाना और पानी भी नहीं दिया गया। सिर्फ 300 जवान तैनात हैं, बाकी बिना किसी आदेश के बिल्डिंग में बैठे हैं। यह सुरक्षा के लिए नहीं किया जा रहा है। यह फैसला एक राष्ट्रपति के अहंकार से जुड़ा है। न्यूसम ने कहा कि ट्रंप की ऐसी हरकतें तनाव को कम करने के बजाय बढ़ावा दे रही हैं। लॉस एंजिल्स में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन लगातार चौथा दिन था। यहां प्रवासियों को कैद कर रखे जाने वाले एक डिटेंशन सेंटर के आगे सैंकड़ों लोग जमा हो गए। लोगों ने कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया। भीड़ ने शहर के प्रमुख हाइवे को भी जाम कर दिया। वहीं पुलिस ने डाउनटाउन में प्रदर्शनकारियों पर काबू पाने के आंसू गैस के गोले और रबर की गोलियां चलाईं। इन सब के बीच कैलिफोर्निया राज्य ने सोमवार को नेशनल गार्ड और मरीन की तैनाती के खिलाफ लिए ट्रंप प्रशासन पर मुकदमा दायर किया है। राज्य ने कहा है कि जवानों की तैनाती संघीय कानून और राज्य की संप्रभुता का उल्लंघन करती है।

आईएईए प्रमुख की चेतावनी- इजराइली हमला ईरान को परमाणु हथियार बनाने के लिए उकसा सकता है

वियना/तेहरान, 10 जून (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक राफेल मारियानो ग्रोसी ने कहा है कि यदि इजराइल ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला करता है, तो इससे ईरान परमाणु हथियार बनाने का फैसला कर सकता है या परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) से बाहर हो सकता है। यह बयान ग्रोसी ने सोमवार शाम एक स्थानीय मीडिया चैनल से विशेष बातचीत में दिया।

ग्रोसी ने कहा, यदि इजराइल ऐसा हमला करता है, तो यह ईरान को परमाणु हथियार निर्माण की दिशा में निर्णायक रूप से आगे बढ़ा सकता है या फिर उसे परमाणु अप्रसार संधि से बाहर कर सकता है। मैं यह इसलिए कह रहा हूं क्योंकि ईरानी अधिकारियों ने मुझे यह बात सीधे कही है। आईएईए प्रमुख ने यह भी स्वीकार किया कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को खत्म करना आसान नहीं होगा। उन्होंने कहा, यह कार्यक्रम बहुत विस्तृत और गहरा है। और जब मैं गहरा कहता हूं, तो मेरा मतलब यह है कि इन सुविधाओं को अत्यंत सुरक्षा प्राप्त है। उन पर असर डालने के लिए बहुत ही विनाशकारी बल की आवश्यकता होगी। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि ईरान के पास इस समय कई परमाणु बम बनाने के लिए पर्याप्त संवर्धित यूरेनियम मौजूद है। उन्होंने कहा कि इस स्थिति को देखते हुए ईरान के परमाणु कार्यक्रम की कड़ी निगरानी और पारदर्शिता आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि हम जानते हैं कि हम क्या कर रहे हैं। हम किसी भी चीज को छुपाने के पक्षधर नहीं हैं। हमारे लिए पारदर्शिता अत्यंत महत्वपूर्ण है, और हम सच्चाई तक पहुंचना चाहते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी आशा जताई कि ईरान और अमेरिका के बीच यूरेनियम संवर्धन को लेकर एक समझौता संभव है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि एक समझौते की संभावना अब भी जीवित है, और अमेरिका इस समय तेहरान के प्रत्युत्तर की प्रतीक्षा कर रहा है।

प्राकृतिक वातावरण में मिल सकता है शारीरिक दर्द से राहत: शोध

प्रकृति के बीच समय बिताने से पुराने पीठ दर्द में काफी हद तक राहत मिल सकती है। यह दावा किया है एक ताजा शोध में। ब्रिटेन के प्लायमाउथ विश्वविद्यालय द्वारा किए गए इस अध्ययन में बताया गया है कि जो लोग जंगल या किसी प्राकृतिक वातावरण में समय बिताते हैं, उन्हें न केवल अपने शारीरिक दर्द से राहत मिलती है बल्कि मानसिक तनाव और चिंता से भी छुटकारा मिलता है। इस अध्ययन के लिए शोधकर्ताओं ने 10 ऐसे लोगों का साक्षात्कार लिया जो कई वर्षों से पीठ दर्द से जूझ रहे थे। इनमें से कुछ मरीज ऐसे भी थे जिन्हें यह समस्या चार दशकों से थी। जब उनसे पूछा गया कि वे अपने दर्द को कम करने के लिए क्या उपाय करते हैं, तो कई प्रतिभागियों ने बताया कि प्रकृति में समय बिताना उन्हें बेहद सुकून देता है। वे पेड़-पौधों के बीच टहलते हैं, ताजी हवा का आनंद लेते हैं और बहते पानी की आवाज से मानसिक शांति महसूस करते हैं। इससे उन्हें घर के बंद माहौल से बाहर निकलने और अकेलेपन से बचने का मौका भी मिलता है। शोध में शामिल लोगों ने यह भी बताया कि बाहर टहलने से उन्हें व्यायाम करने में आसानी होती है और यह उन्हें किसी जिम या व्यायामशाला से ज्यादा पसंद आता है। शोधकर्ताओं का मानना है कि लंबे समय से चले आ रहे पुराने पीठ दर्द के इलाज में यह एक प्रभावी और सहज उपाय हो सकता है।

अमेरिकी संगीतकार स्ली स्टोन का 82 वर्ष की आयु में निधन

लॉस एंजिल्स,10 जून (एजेंसियां)।

अमेरिकी संगीतकार स्ली स्टोन (पूरा नाम साइवरस्ट स्टोन) का 82 वर्ष की आयु में कल निधन हो गया। स्ली एंड द फैमिली स्टोन फंक बैंड समूह नेता स्टोन काफी समय से सीओपीडी (क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज) और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। उन्होंने परिवार के सदस्यों के बीच अंतिम सांस ली।

खबर के अनुसार, उनके बैंड ने 1960 के दशक के अंत और 1970 के दशक की शुरुआत में धूम मचाई । स्ली स्टोन को 1969 में वुडस्टॉक संगीत समारोह में शानदार प्रदर्शन के लिए सबसे ज्यादा जाना जाता है। इस समारोह में उन्होंने अपने फंक और हिप्पी संस्कृति से प्रेरित संगीत का प्रदर्शन किया। स्ली स्टोन ने फंक, ग्रूव्स और सिंकोपेटेड लय से संचालित संगीत की अफ्रीकी-केंद्रित शैली को लोकप्रिय बनाने में मदद की। अमेरिकी संगीतकार स्ली स्टोन ने कई पीढ़ियों को डांसफ्लोर पर थिरकने को मजबूर कर दिया। 1943 में टेक्सास में एक पेंटेकोस्टल धार्मिक परिवार में सिल्वेस्टर स्टीवर्ट के रूप में जन्मे स्टोन सैन फ्रांसिस्को खाड़ी क्षेत्र में पले-बढ़े। उनका पहला संगीत तीन भाई-बहनों, स्टीवर्ट फोर के साथ एक गॉस्पेल चौकड़ी में आया। इसे 1952 में स्थानीय रूप से रिलीज किया गया। 1966 में उन्होंने अपने बैंड स्ली एंड द स्टोनर्स को अपने भाई फ्रेडी के ग्रुप फ्रेडी एंड द स्टोन सोल्स के साथ मिलाकर स्ली एंड द फैमिली स्टोन का गठन किया। अगले वर्ष उन्हें डांस टू द म्यूजिक के साथ सफलता मिली। तीन वर्ष बाद 1969 में उनका चौथा एलबम, स्टैंड आया। इसकी तीन मिलियन से अधिक प्रतियां बिकीं। उन्हें 1983 में कोकीन रखने और 1987 में कोकीन के नशे में गाड़ी चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया । इसके बाद उनका जीवन गुमनामी में बीता। उन्होंने 2010 के कोचेला उत्सव में एक नीरस उपस्थिति दर्ज कराई। उनका अंतिम एलबम आई एम बैक है। 2015 में उन्हें अपने पूर्व प्रबंधक और वकील के खिलाफ एक मुकदमे में 5 मिलियन का डालर रॉयल्टी के रूप में हासिल हुए। परिवार के बयान में कहा गया, स्ली एक स्मारकीय व्यक्ति, एक अभूतपूर्व नवप्रवर्तक और एक सच्चे अग्रणी थे जिन्होंने पॉप, फंक और रॉक संगीत के परिदृश्य को फिर से परिभाषित किया। गार्डियन के साथ 2023 के साक्षात्कार में उन्होंने कहा था,मुझे हमेशा खुशी होती थी अगर कोई मेरे काम को पसंद करता है।

नागरिकता के नियमों को आसान बनाने इटली में हो रहा जनमत संग्रह

पीएम मेलोनी कर रही विरोध, प्रस्ताव हुआ पास तो भारतीयों को होगा फायदा

रोम,10 जून (एजेंसियां)।

इटली में जनमत संग्रह शुरू हुआ है, जिसमें नागरिकता के नियमों को आसान बनाने और मज़दूरों के अधिकारों को मजबूत करने से जुड़े पांच प्रस्तावों पर जनता की राय ली जा रही है। बता दें इटली की मौजूद सरकार इन मुद्दों के खिलाफ है और लोगों से अपील कर रही है कि वह इस जनमत संग्रह में हिस्सा ना लें। आमतौर पर लोग विदेशों में जाकर बसना चाहते हैं। इसमें वहां के कानूनों का बड़ा रोल होता है। इटली में इस कानून को बदलने को लेकर जनमत संग्रह कराया जा रहा है। अगर ये पास होता है, तो इटली में बसने का लाखों भारतीयों का सपना पूरा हो जाएगा। इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी की सरकार इन दोनों मुद्दों के खिलाफ है और लोगों से जनमत संग्रह में भागीदारी नहीं करने की अपील कर रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वर्तमान में कोई भी गैर-यूरोपीय नागरिक, जो न तो इटली का रिश्तेदार है और न ही वहां शादी के ज़रिए जुड़ा है। अब तक उसे इटली की नागरिकता के लिए आवेदन करने से पहले देश में 10 साल रहना जरूरी होता है। इस जनमत संग्रह का प्रस्ताव इस अवधि को घटाकर पांच साल करना चाहता है, ताकि इटली, जर्मनी और फ्रांस जैसे देशों की तरह बन सके।

इस बदलाव से इटली में रहने वाले करीब 25 लाख बाहरी लोगों को फायदा मिल सकता है। साल 2023 में 2.13 लाख से ज्यादा लोगों को इटली की नागरिकता मिली, जो 2020 की तुलना में दोगुना है और पूरे यूरोपीय संघ में हुई नागरिकताओं का पांचवां हिस्सा है। इनमें से 90 फीसदी लोग यूरोपीय संघ के बाहर से थे, जो खासकर अल्बानिया, मोरक्को, अर्जेंटीना और ब्राज़ील जैसे देशों से आए थे।

इटली की पीएम मेलोनी की दक्षिणपंथी पार्टी ब्रदर्स ऑफ इटली अवैध आप्रवासन को रोकने को प्राथमिकता देती है। उन्होंने कहा कि मौजूदा नागरिकता कानून बेहद उदार और अच्छा है। इटली पहले से ही हर साल यूरोप में सबसे ज़्यादा लोगों को नागरिकता देता है, ऐसे में इसमें सुधार की कोई ज़रूरत नहीं है। मार्च 2025 में सरकार ने यह भी तय किया कि जो लोग अपने इतालवी वंश के आधार पर नागरिकता मांगते हैं, उनके लिए यह अधिकार अब सिर्फ दो पीढ़ियों तक सीमित रहेगा।

इस प्रस्ताव पर वोटिंग चल रही है, लेकिन इन प्रस्तावों के पास होने की संभावना कम है। इसकी वजह है जनमत संग्रह को वैध माने जाने के लिए 50 फीसदी से ज्यादा मतदान जरूरी है और अभी तक मतदान कम हुआ है। ये मुद्दा इटली की राजनीति और प्रवासी नीति, दोनों के लिए ही अहम है।

संघर्ष के मूल कारण यथावत बने हुए हैं, भारत ने दी पाकिस्तान को चेतावनी

ब्रुसेल्स, 10 जून (एजेंसियां)

भारत ने पाकिस्तान पर सैन्य कार्रवाई आपरेशन सिन्दूर के लगभग तीन सप्ताह बाद पुनः चेतावनी दी है कि संघर्ष के मूल कारण अब भी यथावत बने हुए हैं और आगे कभी भी आतंकवादी हमलों से उकसाए जाने पर भारत पाकिस्तान में कहीं भी और किसी भी हद तक हमला करने के लिए तत्पर है।

विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर ने ब्रुसेल्स की यात्रा के दौरान बेल्जियम के समाचारपत्र पोलिटिको के साथ एक साक्षात्कार में कहा, यह (पाकिस्तान) एक ऐसा देश है जो राज्य की नीति के साधन के रूप में आतंकवाद के उपयोग में पूरी तरह से लिप्त है। यही पूरा मुद्दा है।

यह पूछे जाने पर कि क्या पिछले महीने युद्ध शुरू होने की परिस्थितियाँ अभी भी हैं, उन्होंने कहा, यदि आप आतंकवाद के प्रति प्रतिबद्धता को तनाव का मूल कारण कहते हैं, तो बिल्कुल, यह है।

दस मई को सैन्य कार्रवाई रोकने के बाद से एक भारतीय अधिकारी द्वारा भारतीय पक्ष को हुए नुकसान के बारे में कुछ टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने कहा कि भारत के लड़ाकू विमानों और मिसाइलों ने पाकिस्तानी वायु सेना को इसके विपरीत कहीं अधिक व्यापक नुकसान पहुंचाया है, जिससे पाकिस्तान को शांति के लिए गुहार लगाने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा, जहां तक मेरा संबंध है,

राफेल कितना प्रभावी था या अन्य प्रणालियां कितनी प्रभावी थीं – स्पष्ट रूप से, मेरे लिए प्रसन्नता का सबूत पाकिस्तानी पक्ष में नष्ट और अक्षम हवाई क्षेत्र हैं।

विदेश मंत्री ने कहा, लड़ाई 10 तारीख को एक कारण से और केवल एक कारण से बंद हुई, जो यह था कि 10 तारीख की सुबह हमने इन आठ पाकिस्तानी, मुख्य आठ पाकिस्तानी हवाई क्षेत्रों पर प्रहार किया और उन्हें अक्षम कर दिया। और इसके लिए मेरी बात पर यकीन नहीं करें, ऐसी तमाम तस्वीरें हैं जो गूगल में उपलब्ध हैं। आप उन रनवे और उन हैंगरों को देख सकते हैं जिन्हें नष्ट किया गया है।

डॉ जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान 'हजारों' आतंकवादियों को 'खुले में' प्रशिक्षित कर रहा है और उन्हें अपने दक्षिणी पड़ोसी देश में भेज रहा है। उन्होंने कहा, हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसलिए उनके लिए हमारा संदेश यह है कि यदि आप अप्रैल में किए गए बर्बर कृत्यों को जारी रखते हैं, तो प्रतिशोध होने वाला है, और यह प्रतिशोध आतंकवादी संगठनों और आतंकवादी नेतृत्व के खिलाफ होगा। और हमें परवाह नहीं है कि वे कहाँ हैं। अगर वे पाकिस्तान में बहुत अंदर गहराई में हैं, तो हम पाकिस्तान में उस गहराई तक जाएंगे।

यूक्रेन और रूस के बीच मध्यस्थ के रूप में खुद को स्थापित करके अपना कद बढ़ाने की भारत की कोशिश के बारे में एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, हमने कभी भी अपने लिए कोई भूमिका नहीं मांगी या दावा नहीं किया। अगर हम किसी की मदद कर सकते हैं तो हम तैयार हैं, लेकिन हम खुद पर दबाव नहीं डाल रहे हैं।

डॉ जयशंकर ने कहा, भारत ने दोनों पक्षों के साथ एक खुली रेखा रखी है, और कभी-कभी संदेश एक दूसरे को पहुंचाए हैं। जब यूक्रेन के प्रधानमंत्री ज़ापोरिज़िया परमाणु ऊर्जा संयंत्र की सुरक्षा के बारे में मास्को को जानकारी देना चाहते थे, तब उनके बीच एक माध्यम के रूप में कार्य किया था।

भारत के रक्षा उद्योग के बारे में चर्चा करते हुए डॉ जयशंकर ने कहा , भारत अपने स्वयं के 'मेड इन इंडिया' रक्षा उद्योग को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है।

उनमें से कुछ का पाकिस्तान के साथ हाल के संघर्ष में परीक्षण हुआ है और ये 'बहुत सिद्ध' और 'बहुत सफल' रहे हैं। इसलिए जबकि भारतीय कंपनियां यूरोप के साथ अधिक काम करना चाहती हैं, मैं इसे केवल यूरोप से अधिक हथियार खरीदने के रूप में नहीं देखता।

दोनों पक्षों के बीच तेजी से, डिजाइन पर सहयोग हो रहा है। हम अब बहुत कम शुद्ध खरीदारी करते हैं।

भारत एवं यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते के बारे में डॉ जयशंकर ने कहा कि भारत और यूरोप साल के अंत तक एक मुक्त व्यापार समझौते को पूरा करने की राह पर हैं, लेकिन यूरोपीय संघ का कार्बन सीमा समायोजन तंत्र और मूल नियम मतभेद के प्रमुख बिंदु बने हुए हैं।

भारत में प्रजनन संबंधी समस्या गंभीर रूप ले रही है: यूएनएफपीए

नई दिल्ली 10 जून (एजेंसियां)।

भारत की जनसंख्या में 36 प्रतिशत यानी हर तीन में से एक वयस्क अनचाहे गर्भ से परेशान है तो वहीं दूसरी तरफ लगभग 30 प्रतिशत ऐसे लोग भी हैं जिनके लिये मातृत्व सपना ही बनकर रह जाता है।

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए)की 'विश्व जनसंख्या की स्थिति 2025' की आज यहां जारी एक रिपोर्ट में भारत के संदर्भ में यह कटु सत्य सामने आया है।

यूएनएफपीए की कार्यकारी निदेशक डॉ नतालिया कानेम ने वर्चुअल मीडिया संगोष्ठी में यह रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि ज्यादातर लोग अपनी पंसद के मुताबिक 'परिवारों' का गठन नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा, यह गर्भधारण में आने वाली परेशानियों से जुड़ा है, जिसका जवाब लोगों की जरूरतों को पूरा करने से जुड़ा है। इसमें परिवार के लिए भुगतान वाली छुट्टी, किफायती प्रजनन संबंधी देखभाल और सहायक साथी का होना शामिल है।

'वास्तविक प्रजनन संकट: बदलती वैश्विक परिस्थितियों में प्रजनन एजेंसी की खोज' शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में दृष्टिकोण में बदलाव पर जोर दिया गया है, जिसे जन्म दर में गिरावट के बारे में चिंताओं से लोगों का ध्यान हटाकर प्रजनन लक्ष्यों और उसे प्राप्त करने की उनकी क्षमता के बीच बढ़ रहे अंतर को कम करना होना चाहिए। इससे यह तर्क सामने आता है कि वास्तविक संकट अधिक जनसंख्या या कम जनसंख्या के बारे में नहीं है, बल्कि अधूरी प्रजनन आवश्यकताओं और इस बारे में निर्णय लेने की आजादी न होना है।

यह रिपोर्ट भारत सहित 14 देशों में किये गये यूएनएफपीए – यूजीओवी सर्वेक्षण पर आधारित है। इसमें यह बताया गया है कि प्रजनन संबंधी निर्णय लेना जैसे की सेक्स के बारे में स्वतंत्र और सूचित विकल्प, गर्भनिरोधक और संतानोत्पत्ति सबसे महत्वपूर्ण फैसले हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक देश के 31 राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों में प्रजनन दर प्रतिस्थापन स्तर (2.1) से नीचे गिर गयी है। हालांकि बिहार (3.0), मेघालय (2.9) और उत्तर प्रदेश (2.7) में यह अभी भी बढ़ी हुयी ही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तमिलनाडु, केरल और दिल्ली में खासकर शिक्षित मध्यम वर्ग की महिलायें या वैवाहिक जोड़े लागत और कार्य-जीवन संघर्ष के कारण बच्चे को जन्म देने में देरी करते हैं या फिर बच्चे पैदा करते ही नहीं हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक वित्तीय असुरक्षा ही वांछित परिवार के सदस्यों की संख्या में सबसे आम बाधा है। लगभग 40 प्रतिशत लोग वित्तीय सीमाओं का हवाला देते हैं, उसके बाद नौकरी की असुरक्षा (21 प्रतिशत), अपर्याप्त आवास (22 प्रतिशत), और बच्चों की देखभाल संबंधी सुविधाओं की कमी (18 प्रतिशत)। सामान्य खराब स्वास्थ्य (15 प्रतिशत), बांझपन (13 प्रतिशत) और सीमित मातृ स्वास्थ्य सेवा (14 प्रतिशत) जैसी स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां भी इस बाबत भूमिका निभाती हैं। इसके अलावा, भविष्य के बारे में जलवायु परिवर्तन और राजनीतिक अस्थिरता जैसी चिंतायें लोगों को बच्चे पैदा करने से हतोत्साहित कर रही हैं।

रिपोर्ट में एक बयान के हवाले से कहा गया है कि पाँच में से लगभग एक व्यक्ति ने यह भी कहा है कि उन्हें परिवार या अन्य लोगों से कम बच्चे पैदा करने का दबाव महसूस होता है।

इस बीच, यूएनएफपीए की भारत स्थित प्रतिनिधि एंड्रिया एम. वोजनार ने कहा, भारत में मातृ मृत्यु दर में कमी आई है जिसका अर्थ है कि आज लाखों और मातायें जीवित हैं। बच्चों की परवरिश कर रही हैं और समुदायों का निर्माण कर रही हैं। फिर भी, राज्यों, जातियों और आय समूहों में गहरी असमानताएँ बनी हुई हैं।

देश में कोरोना संक्रमण के सक्रिय मामलों की संख्या सात हजार के करीब

नई दिल्ली 10 जून (एजेंसियां)।

देशभर में कोराना संक्रमण के सक्रिय मामलों की संख्या मंगलवार सुबह तक 6815 पहुंच गयी और पिछले 24 घंटों के दौरान इसके संक्रमण से तीन और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 68 पहुंच गयी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार आज सुबह आठ बजे तक 324 नए संक्रमण के मामले सामने आए, जिससे कुल सक्रिय मामलों की संख्या 6,815 हो गई और इस बीमारी के संक्रमण से 7644 मरीज स्वस्थ हो गये हैं। पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण से तीन और मरीजों की जान जाने से मृतकों की संख्या 68 हो गयी है। इस अवधि में राष्ट्रीय राजधानी, केरल और झारखंड से एक-एक मरीज की मौत हुई है।

मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार सबसे ज्यादा मामले केरल में दर्ज किए गए हैं। देश में 30 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में कोरोना सक्रिय मामलों में वृद्धि हुई है। जिनमें से केरल, दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में भी मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

कोरोना संक्रमण के मामले में केरल सबसे अधिक प्रभावित राज्य है, जहां आज सुबह तक 96 सक्रिय मामले बढ़ने के साथ इसका आंकड़ा दो हजार पार कर 2053 तक पहुंच गया और दिल्ली में लगभग 37 मामलों के घटने से संक्रमितों की कुल संख्या 691 रह गई।

इसके अलावा गुजरात में 1109, पश्चिम बंगाल में 747, महाराष्ट्र में 613, कर्नाटक में 559, तमिलनाडु में 207, उत्तर प्रदेश में 225, राजस्थान में 124, हरियाणा में 108, आंध्र प्रदेश में 86, पुडुचेरी में नौ, सिक्किम में 36, मध्य प्रदेश में 52, छत्तीसगढ में 44, बिहार में 48, ओडिशा में 39, पंजाब में 30, जम्मू-कश्मीर में नौ, झारखंड में छह, असम में तीन, गोवा में पांच, तेलंगाना में 10, उत्तराखंड में छह, हिमाचल प्रदेश तीन, चंडीगढ़ में दो और त्रिपुरा में एक सक्रिय मामले हैं। मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश में कोरोना संक्रमण को कोई मामला सामने नहीं आया है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार देश में कोविड मामलों में मौजूदा उछाल ओमिक्रॉन के नए सब-वेरिएंट जैसे कि जेएन.1, एनबी.1.8.1, एलएफ.7 और एक्सएफसी के कारण है। इनमें संक्रमण की संभावना अधिक है, लेकिन इनमें लक्षण हल्के हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इन्हें वर्तमान में निगरानी में रखे गए वेरिएंट के रूप में वर्गीकृत किया है – अभी तक चिंता का विषय नहीं है, लेकिन सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

इस बीच, कोरान के लिए जिम्मेदार वायरस सार्स-सीओवी-2 खत्म नहीं हुआ है, लेकिन यह अब अप्रत्याशित आपातकाल की तरह व्यवहार नहीं करता है – बल्कि, यह फ्लू की तरह बीमारियों के आवर्ती चक्र का हिस्सा बन गया है। कोरोना के मामलों में वृद्धि के जवाब में, केंद्र सरकार ने अस्पतालों की तैयारी और ऑक्सीजन, आइसोलेशन बेड, वेंटिलेटर और आवश्यक दवाओं की उपलब्धता का मूल्यांकन करने के लिए विभिन्न राज्यों में मॉक ड्रिल शुरू की है।

सेना ने कैप्टन विजयंत थापर सहित 65 शूरवीरों के परिजनों को सम्मानित किया

नई दिल्ली 10 जून (एजेंसियां)।

सेना ने 26वें कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में करीब डेढ महीने तक चलने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत इस लड़ाई के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले योद्धाओं के परिजनों को सम्मानित करने की कड़ी में मंगलवार को कैप्टन विजयंत थापर (वीर चक्र) सहित 65 शूरवीरों के परिजनों को उनके घर जाकर सम्मानित किया।

सेना ने बताया है कि कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ के अवसर पर सेना सर्वोच्च बलिदान देने वाले योद्धाओं के घर-घर जाकर वीर सैनिकों के परिजनों तथा देशवासियों को भारत मां के इन वीर सपूतों के अदम्य साहस और उनके शौर्य की पराकाष्ठा के बारे में जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही सेना सभी वीर सेनानियों के घर जाकर सम्मानपूर्वक स्मृति चिन्ह भेंट करके उन्हें सम्मानित कर रही है।

सेना के अधिकारियों का एक दल कैप्टन थापर के नोएडा स्थित आवास पर पहुंचा और उनके माता पिता से मुलाकात कर उन्हें आभार पत्र तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। सेना के अधिकारी इसके अलावा यहां राजधानी दिल्ली में वीर चक्र से सम्मानित राइफलमैन अनसुया प्रसाद की पत्नी, जयपुर में हवलदार बस्ती राम की पत्नी , कुरूक्षेत्र में लांस नायक गुरमेल सिंह के माता पिता , राजस्थान के वैशाली नगर में नायक आनंद सिंह की पत्नी और देहरादून में सेना पदक से सम्मानित हवलदार हरिओम के परिजनों सहित 60 से अधिक योद्धाओं के परिजनों से मिले और उन्हें सम्मानित किया।

इस अवसर पर सेना की ओर से यह भावना भी व्यक्त की जा रही है कि वह अपने वीर साथियों को कभी नहीं भूलती और न कभी भूलेगी । सेना का कहना है, यह हमारा कर्तव्य और हमारी भावना है कि हम उनके परिजनों को बताएं कि हमारे वीर सेनानियों का बलिदान व्यर्थ नहीं गया है । हमारे वीर बलिदानियों का परिवार अकेला नहीं है, भारतीय सेना उसका परिवार है और पूरी भारतीय सेना हमेशा उनके साथ खड़ी है ।

सेना का यह कदम शूरवीरों को सम्मान देने के साथ-साथ यह भी बताता है कि देश अपने वीर बलिदानियों को कभी नहीं भूलता है । सेना के इस कदम से मां भारती के वीर बलिदानियों के परिवार भावुक हो उठे ।

सेना के अनुसार ये कार्यक्रम विजय दिवस यानी 26 जुलाई तक आयोजित किये जायेंगे और इनमें देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले नायकों की अदम्य भावना, बलिदान और साहस का सम्मान किया जाएगा।

देश में हर वर्ष 26 जुलाई को करगिल विजय दिवस मनाया जाता है जो राष्ट्र के दिल में गौरव और गंभीर यादों के साथ अंकित है। वर्ष 1999 में इसी दिन भारत ने पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़ कर सामरिक रूप से महत्वपूर्ण करगिल की चोटियों को उनके कब्जे से छुड़ा कर ऑपरेशन विजय को सफलतापूर्वक पूरा किया था।

पिछले 11 वर्षों में रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर विशेष जोर दिया गया: मोदी

नई दिल्ली 10 जून (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि देश में पिछले 11 वर्षों में रक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है और सरकार ने रक्षा उत्पादन में आधुनिकीकरण और आत्मनिर्भरता पर विशेष जोर दिया है।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के 11 वर्ष पूरे होने के मौके पर शीर्ष नेतृत्व की ओर से सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख किया जा रहा है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में देशवासियों के सामूहिक संकल्प और रक्षा क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भरता तथा प्रौद्योगिकी में उत्कृष्टता की ओर ले जाने के अटूट दृढ़ संकल्प पर गर्व व्यक्त किया।

श्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, पिछले 11 वर्षों में हमारे रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं, जिसमें आधुनिकीकरण और रक्षा उत्पादन के मामले में आत्मनिर्भर बनने पर स्पष्ट ध्यान दिया गया है। देशवासी भारत को और मजबूत बनाने के संकल्प के साथ जिस तरह से एकजुट हुए हैं यह देखकर खुशी होती है।

सेल को मिला प्रतिष्ठित एईओ टियर-2 दर्जा

वैश्विक व्यापार में मिलेगी बड़ी पहचान और सुविधा

नई दिल्ली 10 जून (एजेंसियां)।

देश के अग्रणी इस्पात उत्पादक भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) को अंतर्राष्ट्रीय सीमा शुल्क निदेशालय ने अधिकृत आर्थिक ऑपरेटर (एईओ) – टियर-2 का प्रतिष्ठित दर्जा प्रदान किया गया है।

कंपनी ने मंगलवार को बयान जारी कर बताया कि सेल को यह महत्वपूर्ण मान्यता 09 जून, 2025 को मिली। यह कंपनी की मजबूत आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मानदंडों के प्रति कड़ी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सेल के कार्यकारी निदेशक (लॉजिस्टिक्स और इंफ्रास्ट्रक्चर) ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा शुल्क निदेशालय, नई दिल्ली के प्रधान आयुक्त से यह महत्वपूर्ण प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के एईओ कार्यक्रम का उद्देश्य वैश्विक व्यापार को सुगम बनाना और एक सुरक्षित व्यापारिक वातावरण को बढ़ावा देना है।

यह उन कंपनियों को विशेष लाभ प्रदान करता है जो सीमा शुल्क कानूनों का पालन करने और अपनी आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित रखने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन करती हैं। दुनिया भर में स्वीकार्य यह प्रमाणन किसी भी संगठन के लिए अनुपालन, सत्यनिष्ठा और आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा के प्रति उसकी निष्ठा का प्रमाण है।

65 की उम्र में भी थिएटर में दहाड़ रहे है साउथ अभिनेता नंदामुरी बालकृष्ण

अक्सर सेलिब्रिटी स्क्रीन पर सपोर्टिंग रोल करने लगते हैं लेकिन वहीं एक साउथ में कई ऐसे अभिनेता हैं जो ढलती उम्र में एक्शन करते दिखते हैं। यहां हम एक ऐसे ही अभिनेता के बारे में बात कर रहे हैं जो 65 की उम्र में बैक-टू-बैक फिल्में कर रहे हैं। और आज उनका 65वां जन्मदिन है।

दरअसल, 60 क्रॉस करने के बाद अगर कोई भी हीरो एक्शन स्टंट कर सकता है, लेकिन उन्हें अहा लगता है तो वो बलैया है। स्क्रीन पर बलैया यानी नंदामुरी बालकृष्ण को देखकर ही छोटे बच्चे से लेकर बूढ़े तक सभी को वाइब आ जाती है। फिल्म कोई भी हो, बलैया का नारा कॉमन है। दरअसल, मौजूदा सीनियर हीरो के बीच बलैया का स्तर अलग है। जब उनकी फिल्म आती है तो माहौल सामान्य नहीं होता। खास तौर पर बच्चों को बलैया की फिल्में उतनी पसंद नहीं आतीं, जितनी हमेशा आती हैं।

ढलती उम्र में भी वे सीटियों और जयकारों से थिएटरों को हिला देते हैं। बलैया, जिसकी कभी कुछ करोड़ की मार्केट नहीं थी, अब पहले दिन 50 करोड़ रुपये कमाकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहा है। बलैया की असल लाइनअप को देखकर लगता है कि इसमें कोई हाइप नहीं है। आज बलैया का 65वां जन्मदिन है। इस मौके पर फिल्मी हस्तियों से लेकर राजनीतिक नेता तक अपनी शुभकामनाएं दे रहे हैं। जब बात सेलिब्रिटीज की आती है तो फैंस उनसे जुड़ी हर बात जानने में दिलचस्पी रखते हैं। उनके शौक क्या हैं? वे क्या खाते हैं? उन्होंने क्या पढ़ा है? ऐसी बातें जानने में उनकी दिलचस्पी है। बलैया के प्रशंसक जगजाहिर हैं। इसलिए उनके प्रशंसक यह जानने में रुचि रखते हैं कि बलैया ने क्या पढ़ा है। वैसे, बलैया ने उस समय अपनी डिग्री हासिल की थी। उन्होंने हैदराबाद के निजाम कॉलेज से बैचलर ऑफ कॉमर्स में अपनी डिग्री पूरी की।

अब भले ही यह कोई बड़ी बात न हो, लेकिन।।। उस समय, जब वे फिल्मों में व्यस्त कलाकार थे, उन्होंने अपने पिता की इच्छा के अनुसार अपनी डिग्री पूरी की। उन्हें वास्तव में डिग्री की जरूरत नहीं थी। लेकिन।।। उन्होंने अपने पिता की बात का सम्मान किया और इसे पूरा किया। बात अगर वर्कफ्रंट को लेकर करें तो फिलहाल, बलैया के हाथ में दो फिल्में हैं। वे बोयापति श्रीनु के निर्देशन में एक सीक्वल बना रहे हैं जिसका टाइटल अखंड 2 है। हाल ही में इस फिल्म का टीजर रिलीज हुआ है जिसने इसके रिलीज को लेकर एक्साइटमेंट बढ़ा दी है। फिल्म का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि कब सिनेमाघरों में दस्तक देगी। दूसरी ओर, बलैया गोपीचंद मालिनेनी के निर्देशन में अपनी 111वीं फ़िल्म बना रहे हैं, जिन्होंने वीरसिम्हा रेड्डी के साथ बलैया के प्रशंसकों को भरपूर भोजन दिया था।

आशिक अरबपति पर सना सुल्तान ने कहा

दर्शकों को पसंद आएगी मेरी कहानी

अभिनेत्री सना सुल्तान को एएलटीटी की नई वर्टिकल सीरीज कुटिंग्स के लिए चुना गया है। सना कुटिंग्स यूनिवर्स के एक एपिसोड 'आशिक अरबपति' में नजर आएंगी। सीरीज के बारे में अपने विचार को व्यक्त करते हुए उन्होंने बताया कि यह महिला के व्यक्तित्व के अलग-अलग पहलुओं पर आधारित है। दर्शकों को यह कहानी जरूर पसंद आएगी। सीरीज के बारे में सना ने बताया, कुटिंग्स एक वर्टिकल ड्रामा सीरीज है। यह एक खूबसूरत फॉर्मेट है, जिसमें रोमांच, रहस्य, भावनाएं, प्यार, नफरत सब कुछ छोटे-छोटे एपिसोड में समाहित हैं।

फॉर्मेट के बारे में अपनी पसंद को जाहिर करते हुए उन्होंने बताया, मुझे जो सबसे ज्यादा पसंद है, वह यह है कि इतने कम समय में बहुत कुछ अनुभव करने या सीखने को मिला। यह एक बहुत ही रोमांचक कॉन्सेप्ट है और मुझे विश्वास है कि लोग इसे पसंद करेंगे और इससे जुड़ाव महसूस करेंगे।

सना ने आगे बताया, मेरी कहानी में आप सब कुछ देख सकेंगे। यह एक ऐसी लड़की की कहानी है, जिसके दो पक्ष हैं। वह एक तरफ तो नरम है, वहीं दूसरी ओर सख्त भी है। मैं यह कह सकती हूं कि मेरी कहानी बहुत ही शानदार और दर्शकों को पसंद आने वाली है और एक महिला के व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को छूती है।

सना ने खुलासा किया कि जब उन्हें यह ऑफर हुआ तो उन्होंने बिना देरी किए झट से हां कह दिया था। उन्होंने बताया, खुद एक कंटेंट क्रिएटर होने के नाते मैं रील और शॉर्ट-फॉर्म वीडियो के क्रेज को समझती हूं। इसलिए, मुझे इसकी खूबियों के बारे में अच्छी तरह से पता था।सना ने कहा, लोग इसे देखेंगे तो पसंद करेंगे। क्योंकि, इसकी क्वालिटी और स्टोरी दोनों बेजोड़ हैं। यह घर पर शूट किया गया एक रील नहीं, यह एक अच्छी तरह से निर्मित शो है, जो एक छोटे, वर्टिकल फॉर्मेट में एक फिल्म देखने जैसा अनुभव देगा।

मालिक की धड़कन बनीं मानुषी छिल्लर

मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर अपनी अगली फिल्म मालिक में एक ऐसी भूमिका में नज़र आने वाली हैं, जो पहले कभी नहीं देखी गई है। 11 जुलाई को रिलीज़ होने वाली इस बहुप्रतीक्षित गैंगस्टर ड्रामा के निर्माताओं ने आखिरकार फिल्म में मानुषी छिल्लर का लुक जारी कर दिया है। एक साधारण लेकिन पारंपरिक भारतीय पोशाक में सजी मानुषी इस पोस्टर में बेहद सौम्य, खूबसूरत और शालीन नज़र आ रही हैं, और उनके साथ लीड एक्टर राजकुमार राव भी दिखाई दे रहे हैं। मानुषी ने अपने ग्लैमरस व्यक्तित्व से हट कर एक साधारण और पारंपरिक लुक अपनाया है, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। फिल्म का निर्देशन पुलकित ने किया है और इसे कुमार तौरानी और जय शेवकरमणि ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म में मानुषी को एक ऐसे किरदार में दिखाया गया है, जिसे उन्होंने अभी तक बड़े पर्दे पर नहीं निभाया है।

इस फर्स्ट लुक के ज़रिए मानुषी न सिर्फ चौंकाती हैं, ब्लकि हमें प्रभावित भी करती है! वह मालिक के साथ अपनी पिछली ऑन-स्क्रीन प्रस्तुतियों और भूमिकाओं से एक सूक्ष्म बदलाव करती हैं, इस प्रकार इंडस्ट्री में वो खुद को एक बहुमुखी कलाकार के रूप में गंभीरता से लिए जाने की उनकी महत्वाकांक्षा का संकेत देती हैं। 'मालिक की धड़कन' के रूप में पेश किए गए पोस्टर में मानुषी और राजकुमार की जोड़ी बेहद आकर्षक लग रही हैं। राजकुमार राव ने मानुषी के किरदार का परिचय देते हुए लिखा, जिनके बिना चलती नहीं मालिक की धड़कन, उनसे होगी आज मुलाक़ात जहां पोस्टर में दोनों लीड किरदारों के बीच प्यार और केमिस्ट्री की झलक मिलती है, वहीं चूंकि मालिक एक गहन गैंगस्टर ड्रामा है, इसलिए अटकलें लगाई जा रही हैं कि मानुषी की किरदार केवल एक पारंपरिक प्रेमिका तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उसमें कई परतें होंगी।

फिल्म में बंगाल के दिग्गज अभिनेता प्रोसेनजीत चटर्जी, अंशुमान पुष्कर और स्वरानंद किरकिरे जैसे दमदार कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। सूत्रों के अनुसार, मानुषी का किरदार फिल्म की कहानी में बेहद अहम है और मेकर्स इसकी डिटेल्स रिलीज़ से पहले उजागर नहीं करना चाहते। पोस्ट के नीचे कई नेटिज़न्स ने मानुषी की सादगी की प्रशंसा करने से लेकर उनके आराम क्षेत्र को चुनौती देने वाली भूमिकाएं करने के लिए उनकी प्रशंसा करना शामिल है। मालिक की रिलीज़ के बाद, मानुषी अगली बार तेहरान में दिखाई देंगी, जहाँ वह जॉन अब्राहम के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी।

पारुल गुलाटी ने दोनाली के लिए ली बंदूक चलाने की ट्रेनिंग, कहा

स्क्रीन पर दिखना चाहती हूं दमदार

अभिनेत्री पारुल गुलाटी ने अपने किरदार को असली और दमदार दिखाने के लिए बंदूक चलाने की कड़ी ट्रेनिंग ली। उन्होंने खास तौर पर 'देसी कट्टा' और 'डबल बैरल रायफल' जैसी बंदूकें चलाना सीखा, ताकि उनका किरदार स्क्रीन पर दमदार और प्रभावशाली लगे।

पारुल गुलाटी वेब सीरीज 'दोनाली' में एक डकैत का किरदार निभा रही हैं। अपनी तैयारी के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, डकैत का रोल करना मेरे लिए बहुत मुश्किल लेकिन मजेदार अनुभव रहा। मैं चाहती थी कि जब मैं बंदूक पकड़ूं और चलाऊं, तो वह स्क्रीन पर असली लगे और लोगों को मेरा किरदार सच्चा लगे।

उन्होंने आगे कहा, इस किरदार को निभाने के लिए सिर्फ एक्शन ही जरूरी नहीं होता, बल्कि उसमें सही रवैया, चाल-ढाल और असलीपन दिखाना भी जरूरी होता था। देसी कट्टा और डबल बैरल रायफल चलाना सीखने से मुझे अपने किरदार को एक नया नजरिया मिला और मैं इसे पूरी तरह से बेहतरीन करना चाहती थी।₹पारुल सीरीज 'दोनाली' में नजर आएंगी। इस फिल्म में वह अभिनेता दिव्येंदु और बरुण सोबती के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी।

सीरीज का निर्देशन ई निवास ने किया है। इसमें चंकी पांडे, यशपाल शर्मा और अन्य कलाकार भी अहम किरदार में हैं। इसकी कहानी 1960 के दशक में चंबल के बीहड़ इलाके की सच्ची घटनाओं पर आधारित है। इसकी शूटिंग मध्य प्रदेश में की गई है। पारुल गुलाटी एक उद्यमी और मॉडल भी हैं। उन्होंने कई टीवी शो और पंजाबी फिल्मों में काम किया है।

सपरिवार उज्जैन पहुंचीं अभिनेत्री कुनिका सदानंद, किए महाकाल के दर्शन

अभिनेत्री कुनिका सदानंद मंगलवार को मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित बाबा महाकाल के दरबार पहुंचीं, जहां उन्होंने महाकालेश्वर के दर्शन किए। अभिनेत्री के साथ उनका परिवार भी नजर आया। महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से अभिषेक शर्मा ने अभिनेत्री कुनिका का स्वागत किया। मंदिर पहुंची कुनिका नंदी हॉल में शिव साधना करती और नंदी पर जल अर्पित करती दिखीं। चांदी द्वार से माथा टेककर उन्होंने परिवार संग भगवान का आशीर्वाद लिया।

कुनिका ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 1988 में आई फिल्म 'कब्रिस्तान' से की थी। उन्होंने 'बेटा', 'गुमराह' और 'खिलाड़ी' जैसी कई फिल्मों में नकारात्मक भूमिकाएं निभाई। कुनिका ने 100 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। फिल्मों के अलावा, वह टीवी शो 'स्वाभिमान', 'काना फूसी', 'प्यार का दर्द है मीठा-मीठा प्यारा-प्यारा', 'अकबर बीरबल', 'दिल्ली वाली ठाकुर गर्ल्स' में भी काम कर चुकी हैं। कम लोग ही जानते हैं कि वह अभिनेत्री के साथ ही बेहतरीन गायिका भी हैं। कुनिका सदानंद से पहले 'केजीएफ' फेम साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार यश भी महाकाल के दर्शन को उज्जैन पहुंचे थे। महाकालेश्वर मंदिर में होने वाली भस्म आरती लोकप्रिय है और इसमें शामिल होने के लिए दुनियाभर से श्रद्धालु उज्जैन आते हैं।

दीपिका पादुकोण देशभर में खोलेंगी पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन के 75 नए सेंटर

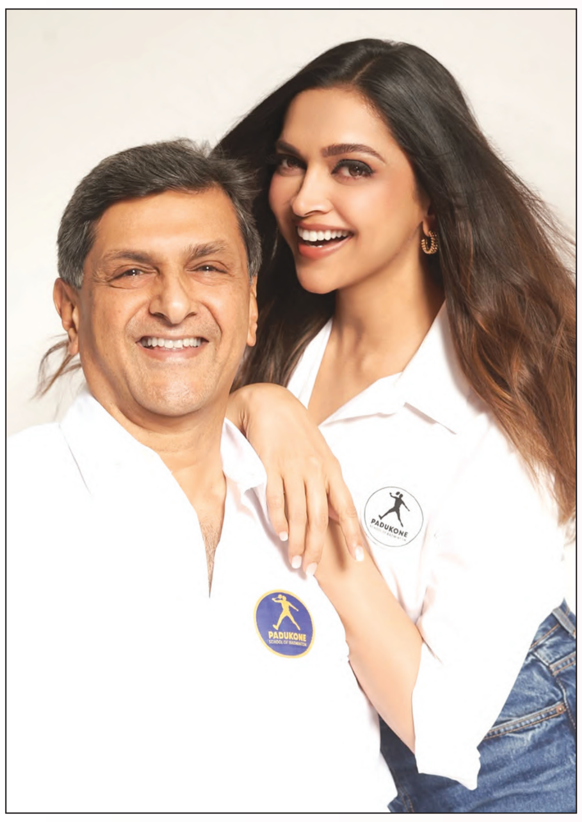

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण जितनी बेहतरीन एक्ट्रेस हैं, उतनी ही अच्छी बैडमिंटन प्लेयर रह चुकी हैं। बता दें कि वह नेशनल लेवल पर बैडमिंटन खेल चुकी हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि वह बचपन से ही बैडमिंटन खेलते हुए बड़ी हुई हैं। इस खेल ने उनकी ज़िंदगी को नया आकार दिया है। ऐसे में वह चाहती हैं कि और लोग भी इस खेल से जुड़ें, इसके लिए उन्होंने पूरे देश में 'पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन' के 75 नए सेंटर खोलने का लक्ष्य रखा है। दीपिका पादुकोण ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह अपने पापा प्रकाश पादुकोण के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। उनके पापा बैडमिंटन के जाने-माने खिलाड़ी रह चुके हैं।

इस तस्वीर को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा, मैंने बचपन में बैडमिंटन खेला है, और मैंने खुद महसूस किया है कि यह खेल इंसान की जिंदगी को कई तरीकों से बदल सकता है, शारीरिक, मानसिक और भावनाओं से भी। दीपिका ने बताया कि 'पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन' (पीएसबी) के 75 नए सेंटर देशभर में खोले जा रहे हैं। पीएसबी के जरिए हम चाहते हैं कि बैडमिंटन की खुशी और अनुशासन हर क्षेत्र के लोगों तक पहुंचे। हमारा मकसद है कि एक ऐसी पीढ़ी तैयार हो, जो सेहतमंद हो, ध्यान से काम करे और खेलों से प्रेरित हो। प्रेस नोट में लिखा, पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन (पीएसबी), जिसकी शुरुआत दीपिका पादुकोण ने की है और इसे उनके पिता व पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 बैडमिंटन खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण मार्गदर्शन दे रहे हैं, ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पीएसबी अपने पहले ही साल में भारत के 18 शहरों में 75 से ज्यादा कोचिंग सेंटर्स शुरू करने जा रहा है। इन शहरों में बेंगलुरु, दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, चेन्नई, जयपुर, पुणे, नासिक, मैसूर, पानीपत, देहरादून, उदयपुर, कोयंबटूर, सांगली और सूरत जैसे शहर शामिल हैं।

प्रेस नोट में आगे कहा गया, 'बैडमिंटन फॉर ऑल' के मिशन के साथ, पीएसबी का लक्ष्य है कि साल के अंत तक 100 सेंटर्स और अगले तीन सालों में 250 सेंटर्स तक पहुंचा जाए।

नोट में आगे कहा गया, अकादमी का मकसद है कि अच्छी और किफायती बैडमिंटन कोचिंग हर किसी को मिल सके, चाहे वह किसी भी उम्र का हो।प्रकाश पादुकोण के मार्गदर्शन में बनाई गई कोचिंग पद्धति के जरिए, यह संस्था देश भर के स्कूल के बच्चों और कामकाजी लोगों को बैडमिंटन से जोड़ना चाहती है। साथ ही, यह उन लोगों को भी मदद देना चाहती है जो बैडमिंटन कोच बनना चाहते हैं, ताकि उन्हें अच्छी ट्रेनिंग और एक स्थिर करियर मिल सके।

नोट में आगे लिखा गया, 'पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन' स्कूलों, संस्थाओं और पहले से मौजूद स्पोर्ट्स वेन्यू के साथ मिलकर छोटे-छोटे ट्रेनिंग सेंटर शुरू करता है। इन सेंटर्स से चुने गए अच्छे खिलाड़ी बेंगलुरु में मौजूद इसके तीन बड़े हाई-परफॉर्मेंस सेंटर्स में एडवांस ट्रेनिंग के लिए भेजे जाते हैं।

100 से ज्यादा कोचों को एक खास ट्रेनिंग और सर्टिफिकेशन प्रोग्राम के तहत तैयार किया गया है। साथ ही, पीएसबी के पास सबसे आधुनिक सुविधाएं हैं। इससे उनकी कोचिंग में एक जैसा तरीका और अच्छी क्वालिटी बनी रहती है, और वह आने वाले समय के चैंपियन खिलाड़ियों को पहचानकर उनकी मदद कर सकते हैं।

देव गुरु बृहस्पति आज मिथुन राशि में होंगे अस्त

वैदिक ज्योतिष के अनुसार, गुरु बृहस्पति को देवताओं का गुरु माना जाता है और यह ग्रह भाग्य, समृद्धि, ज्ञान और सम्मान का कारक होता है। गुरु ग्रह लगभग 1 साल में एक राशि से दूसरी राशि में गोचर करते हैं, लेकिन इस वर्ष गुरु की गति सामान्य से दोगुनी होगी, जिससे वह एक वर्ष में दो बार राशि परिवर्तन करेंगे। इस समय गुरु बृहस्पति मिथुन राशि में विराजमान हैं और अक्तूबर तक इसी राशि में रहेंगे। 11 जून को गुरु देव पश्चिम दिशा में अस्त होंगे। इसके बाद 7 जुलाई को पूर्व दिशा में उदय होंगे। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि 11 जून को गुरु देव पश्चिम दिशा में अस्त होंगे। इसके बाद 7 जुलाई को पूर्व दिशा में उदय होंगे। 6 जुलाई से चातुर्मास आरंभ हो जाएगा। जुलाई से चार महीना तक चातुर्मास रहेगा। इसमें मांगलिक कार्य वर्जित रहेंगे। 2 नवंबर को देवउठनी एकादशी के बाद 21 नवंबर से विवाह आरंभ होंगे। विवाह में गुरु ग्रह को उदय होना आवश्यक माना जाता है। हमारे षोडश संस्कारों में विवाह का बहुत महत्त्व है। विवाह का दिन व लग्न निश्चित करते समय वर एवं वधु की जन्म पत्रिका अनुसार सूर्य, चंद्र व गुरु की गोचर स्थिति का ध्यान रखना अति आवश्यक होता है। जिसे त्रिबल शुद्धि कहा जाता है। विवाह के समय सूर्य वर की जन्म राशि से चतुर्थ, अष्टम या द्वादश गोचरवश स्थिति में नहीं होना चाहिए। गुरु कन्या की जन्मराशि से चतुर्थ, अष्टम या द्वादश एवं चंद्र वर-वधु दोनों की जन्मराशि से चतुर्थ, अष्टम या द्वादश स्थित में नहीं होना चाहिए। यदि सूर्य, गुरु व चंद्र गोचरवश इन भावों में स्थित होते हैं, तब वे अपूज्य कहलाते हैं। शास्त्रानुसार ऐसी ग्रह स्थिति में विवाह करना निषेध बताया गया है।

ग्रहों के राजा सूर्य माने गए हैं। वहीं, मंत्री गुरु ग्रह हैं। गुरु ग्रह के साक्षी होने पर ही विवाह व मांगलिक कार्य होते हैं। 11 जून को ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा है। इस दिन शाम 6:54 बजे गुरु ग्रह पश्चिम दिशा में अस्त होंगे, लेकिन उससे पहले ही यानी 8 जून से ही शहनाईयां बजनी बंद हो जाएगी। गुरु ग्रह के अस्त होने के साथ सभी मांगलिक कार्यों पर विराम लग जाएगा। आषाढ़ शुक्ल पक्ष की एकादशी 6 जुलाई को देवशयनी एकादशी मनायी जाएगी। इस दिन भगवान विष्णु शयन मुद्रा में चले जाएंगे। सूर्य दक्षिणायन हो जाएंगे। इसके साथ चातुर्मास भी शुरू हो जाएगा। 2 नवंबर को देवउठनी एकादशी पर भगवान श्रीहरि विष्णु जागृत होंगे। इसके बाद मांगलिक कार्य शुरू हो जाएंगे। गुरु के अस्त होने और सूर्य के दक्षिणायन होने से मांगलिक कार्यों पर रोक लगेगी। साथ ही वधु प्रवेश, सगाई, मुंडन, गृह प्रवेश, मंदिर की प्राणप्रतिष्ठा, यज्ञोपवीत, जनेऊ आदि आयोजनों पर विराम लग जाएगा। इसके बाद 21 नवंबर से शुरू होकर मांगलिक कार्य 15 दिसंबर तक चलते रहेंगे।

वैदिक ज्योतिष में बृहस्पति ग्रह को गुरु कहा जाता है। यह धनु और मीन राशि के स्वामी होते हैं और कर्क इसकी उच्च राशि है जबकि मकर इनकी नीच राशि मानी जाती है। गुरु ज्ञान, शिक्षक, संतान, बड़े भाई, शिक्षा, धार्मिक कार्य, पवित्र स्थल, धन, दान, पुण्य और वृद्धि आदि के कारक माने जाते हैं। ज्योतिष में बृहस्पति ग्रह 27 नक्षत्रों में पुनर्वसु, विशाखा, और पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के स्वामी होते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जिस व्यक्ति पर बृहस्पति ग्रह की कृपा बरसती है उस व्यक्ति के अंदर सात्विक गुणों का विकास होता है। इसके प्रभाव से व्यक्ति सत्य के मार्ग पर चलता है।

कब अस्त होंगे गुरु

आज 11 जून को गुरु देव पश्चिम दिशा में अस्त होंगे। इसके बाद 7 जुलाई को पूर्व दिशा में उदय होंगे। 6 जुलाई से चातुर्मास आरंभ हो जाएगा। जुलाई से चार महीना तक चातुर्मास रहेगा। इसमें मांगलिक कार्य वर्जित रहेंगे। गुरु के अस्त होने के कारण धार्मिक और मांगलिक कार्य करना इस दौरान वर्जित होगा। गुरु के अस्त होने से लोगों में भौतिकता का विकास होगा, धन और दैहिक सुख के प्रति लोगों में आकर्षण बढ़ेगा। धार्मिक क्रिया कलापों से भी मन कुछ हटा रहेगा। परिवार की सेहत का भी ध्यान रखना होगा।

नहीं होंगे मांगलिक कार्यक्रम

11 जून को गुरु देव पश्चिम दिशा में अस्त होंगे। इसके बाद 7 जुलाई को पूर्व दिशा में उदय होंगे। 6 जुलाई से चातुर्मास आरंभ हो जाएगा। जुलाई से चार महीना तक चातुर्मास रहेगा। इसमें मांगलिक कार्य वर्जित रहेंगे। 2 नवंबर को देवउठनी एकादशी के बाद 21 नवंबर से विवाह आरंभ होंगे। ज्योतिष में गुरु ग्रह को संपन्नता, विवाह, वैभव, विवेक, धार्मिक कार्य आदि का कारक माना जाता है इसलिए इनका अस्त होना शुभ नहीं माना जाता। इसलिए गुरु ग्रह जब अस्त होते हैं तब शुभ-मांगलिक कार्यों को करने की भी मनाही होती है, इस दौरान शादी, मुंडन, नामकरण जैसे संस्कार नहीं किये जाते।

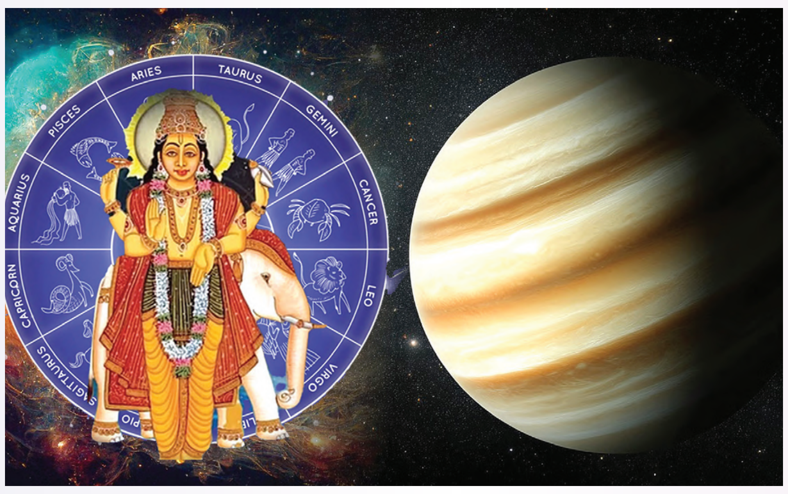

सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव

गुरु के अस्त होने का सबसे प्रतिकूल प्रभाव कर्क, धनु और मीन राशियों पर पड़ सकता है, इसलिए इन राशियों के लोगों को गुरु अस्त के दौरान गुरु ग्रह से संबंधित उपाय करने चाहिए। बाजार पर भी गुरु के अस्त होने का प्रभाव दिखेगा। सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। इन दिनों शेयर में बहुत ही ज्यादा संभलकर निवेश करने की जरूरत है।

कर्क, धनु और मीन राशि वालों की बढ़ सकतीं हैं मुश्किलें

गुरु अस्त होने से कर्क, मीन और धनु राशि वालों की मुश्किलें बढ़ सकतीं हैं। इस राशि वालों को कोई नया निवेश नहीं करना चाहिए। साथ ही अभी कोई नया व्यापार भी शुरू नहीं करना चाहिए। वरना नुकसान हो सकता है। इस अवधि में नुकसान, शत्रुओं से हानि का सामना करना पड़ सकता है। वहीं किसी विवाद भी हो सकता है। लिहाजा इस समय बेहद संभलकर चलें। किसी बुजुर्ग से आपकी कहासुनी हो सकती हैं। इसलिए शब्दों की मर्यादा बनाकर चलें, तो बेहतर होगा।

बढ़ सकती है आय

गुरु का अस्त होना यूं तो वैदिक ज्योतिष में शुभ नहीं माना जाता लेकिन गुरु के अस्त होने के कारण कुछ राशियों को इस दौरान सुखद फल भी प्राप्त हो सकते हैं। गुरु अस्त के दौरान गुरु की शत्रु राशियों वृषभ, तुला के साथ ही बुध ग्रह के स्वामित्व वाली मिथुन और कन्या राशि के जातकों को भी सुखद फल प्राप्त हो सकते हैं। इन राशियों के जातक इस दौरान करियर में आगे बढ़ सकते हैं और पैसा कमाने के नए स्रोत भी इस समय इन राशि के लोगों को मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन में भी अच्छे परिवर्तन देखने को मिल सकते हैं।

आर्थिक हालात हो सकते हैं खराब

वैश्विक स्तर पर गुरु के अस्त होने का प्रभाव देखने को मिलेगा, गुरु अस्त के दौरान अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इस दौरान शेयर मार्केट में अनिश्चितता की स्थिति रहेगी विदेशी व्यापार में कमी आ सकती है जिससे कई देशों के आर्थिक हालात खराब हो सकते हैं। स्वतंत्र भारत की कुंडली में गुरु एकादश भाव यानी लाभ भाव के स्वामी हैं इसलिए अपने देश के लिए भी गुरु का अस्त होना अच्छा नहीं है इस समय कुछ विदेशी सौदों से नुकसान हो सकता है इसलिए देश की सरकार को कोई भी निर्णय बहुत सोच समझकर लेना होगा।

करें उपाय

गुरु के प्रतिकूल प्रभावों से बचने के लिए गुरु से संबंधित उपाय करने चाहिए। जैसे पीले वस्त्र आपको पहनने चाहिए या पीली वस्तुओं का दान करना चाहिए। गुरुजनों का सम्मान करना चाहिए हो सके तो इस दौरान प्रतिदिन आप योग ध्यान करें। इसके साथ ही केले के वृक्ष की पूजा करने से भी आपको लाभ मिल सकते हैं। बड़े फैसले अनुभवी लोगों से विचार करके लें।

गुरु अस्त होने का सभी 12 राशियों पर प्रभाव।

मेष राशि

आपको मिले जुले परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। गुरु के अस्त होने से धर्म कर्म के कार्यों में आपका मन लगेगा। माता-पिता के साथ तीर्थ यात्रा पर जाने की योजना बनेगी।

वृषभ राशि

आपके घरेलू खर्च बढ़ सकते हैं इसलिए बेवजह के खर्चों पर नियंत्रण रखें । अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखना होगा। अगर कहीं से धन आ रहा है को उसमें थोड़ा विलंब हो सकता है।

मिथुन राशि

सामाजिक कार्यों को करने से आपका सम्मान बढ़ेगा और सामाजिक दायरा भी बढ़ेगा, जो भविष्य में आपके लिए फायदेमंद साबित होगा। सफलता अवश्य मिलेगी।

कर्क राशि

अगर आप इस समय किसी यात्रा पर जाने की योजना बना रहे हैं तो फिलहाल के लिए उसे टाल दें। थोड़ा संभलकर कार्य करने की आवश्यकता है।

सिंह राशि

अचानक आने वाली समस्याओं में कमी आएगी और व्यापार में अच्छी उन्नति होगी। बच्चों का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। रिश्तों में मजबूती आएगी।

कन्या राशि

जीवनसाथी के साथ आपके रिश्ते अच्छे रहेंगे और कोई खुशखबरी भी प्राप्त हो सकती है। अगर आपका किसी से वाद-विवाद चल रहा है तो वह खत्म हो जाएगा। अच्छा लाभ होगा ।

तुला राशि

धार्मिक कार्यों में आपका मन लगेगा और आध्यात्मिक गतिविधियों में आपकी रुचि बढ़ेगी। अति आत्मविश्वासी होने से बचना होगा और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा।

वृश्चिक राशि

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है लेकिन गुरुजनों का सहयोग भी मिलता रहेगा। परिवार के किसी सदस्य के साथ आपके संबंध उतार-चढ़ाव वाले रहेंगे।

धनु राशि

सरकारी नौकरी करने वाले जातक अपने काम पर ध्यान दें अन्यथा किसी मुसीबत में फंस सकते हैं। माता या पिता के साथ किसी बात टकराव हो सकता है।

मकर राशि

जीवनसाथी के साथ किसी गलतफहमी की वजह से विवाद हो सकता है। मकर राशि वालों को इस अवधि में थोड़ा संभलकर कार्य करने की आवश्यकता है।

कुंभ राशि

बड़ा नुकसान हो सकता है। इस अवधि में परिवार के किसी सदस्य के कार्य की वजह से भागदौड़ करनी पड़ सकती है। आपके लिए इस दौरान बेहतर होगा कि अपने शब्दों का चयन सोच समझकर करें अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं

मीन राशि

कार्यक्षेत्र में आप अच्छे से काम करेंगे और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संबंध बेहतर होंगे। हालांकि इस दौरान आप कहीं भी निवेश करने से बचें और परिवार के सदस्यों का ध्यान रखें।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

आषाढ़ अमावस्या पर राशि अनुसार करें इन चीजों का दान, हो जाएंगे धनवान!

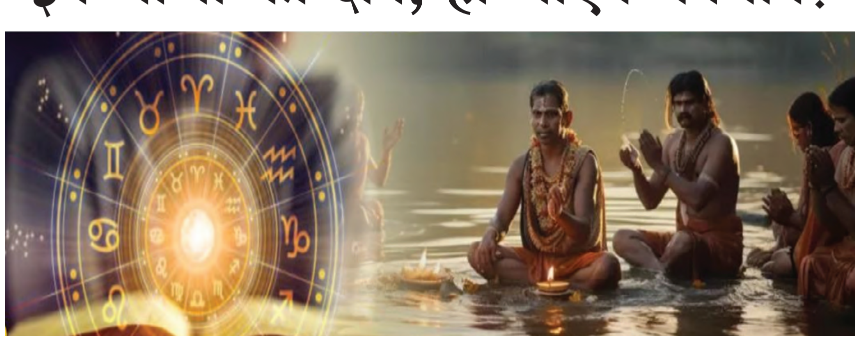

सनातन धर्म में आषाढ़ अमावस्या का दिन बहुत खास माना जाता है। इस दिन कई तरह के धार्मिक काम किए जाते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल आषाढ़ अमावस्या 25 जून को मनाई जाएगी।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस तिथि पर दान-पुण्य और गंगा स्नान करने से जीवन में खुशहाली आती है। इसके साथ ही घर की दरिद्रता का नाश होता है। वहीं, इस दिन कुछ दान अवश्य करना चाहिए, जो इस तिथि का मुख्य अनुष्ठान भी माना जाता है।

आषाढ़ अमावस्या पर करें ये दान

मेष राशि: मेष राशि के लोगों को आषाढ़ अमावस्या पर लाल वस्त्रों का दान करना चाहिए।

वृषभ राशि: वृषभ राशि के जातक को इस दिन पर सफेद रंग की चीजों का दान करना चाहिए।

मिथुन राशि: मिथुन राशि के लोगों को इस तिथि पर हरे रंग के वस्त्र का दान करना चाहिए।

कर्क राशि: कर्क राशि के जातकों को आषाढ़ अमावस्या पर दही का दान करना चाहिए।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों को इस तिथि पर लाल चंदन का दान करना चाहिए।

कन्या राशि: कन्या राशि के लोगों को इस मौके पर साबुत उड़द का दान करना चाहिए।

तुला राशि: तुला राशि के लोगों को आषाढ़ अमावस्या पर चावल का दान करना चाहिए।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि के जातकों को इस अवसर पर गुड़ का दान करना चाहिए।

धनु राशि: धनु राशि के लोगों को इस दिन पर हल्दी का दान करना चाहिए।

मकर राशि: मकर राशि के लोगों को आषाढ़ अमावस्या पर सरसों के तेल का दान करना चाहिए।

कुंभ राशि: कुंभ राशि के जातकों को इस तिथि पर काली उड़द का दान करना चाहिए।

मीन राशि: मीन राशि वालों को इस मौके पर आम का दान करना चाहिए।

घर में लगाएं ये पौधे, पत्नी-पत्नी के बीच महकने लगेगा रिश्ता

पति-पत्नी का रिश्ता बड़ा अजीब होता है। कभी प्यार कभी तकरार। नोंक-झोंक के बाद थोड़ी देर के लिए अलग भी हो जाएं, तो एक दूसरे के बिना रहा भी नहीं जाता है। क्या हो अगर आपके रिश्ते में नोंक-झोंक के लिए कोई जगह ही न बचे। अगर कुछ वास्तु से संबंधित उपाय कर लें, तो आपके रिश्तों की गर्माहट हमेशा के लिए बनी रह सकती है। इसके लिए आपको अपने घर और बगिया को थोड़ा महकाना पड़ेगा। मगर, चिंता मत कीजिए इसमें आपके ज्यादा पैसे भी खर्च नहीं होंगे और मेहनत भी नहीं लगेगी। हम आज आपको ऐसे ही कुछ पौधे बताने जा रहे हैं, जिनको घर में लगाने के बाद उनकी महक आपके रिश्ते को भी महकाती रहेगी। ये पौधे और इनमें लगने वाले फूल आगे घर का माहौल भी खुशनुमा बनाएंगे और सौभाग्य भी देने में मददगार साबित होंगे।

सदाबहार का पौधा –सदाबहार में गुलाबी और सफेद रंगों के फूल आते हैं, जो प्यार को बढ़ाने वाले और पॉजिटिविटी लाने वाले माने जाते हैं। सदाबहार का पौधा घर के पूर्व दिशा में लगाने से पति-पत्नी के बीच प्यार और विश्वास बढ़ता है।

जैसा इसका नाम है, वैसे ही यह पौधा हमेशा हरा भरा रहता है। इसकी पॉजिटिव वाइब्स भी आपके प्यार को सदाबहार बनाए रखती है। नववविवाहितों के लिए सफेद फूल विशेष रूप से शुभ माने गए हैं। ये मन को शांति और स्थिरता देते हैं।

चंपा का पौधा –सफेद चंपा को पवित्रता, शांति और आध्यात्मिक ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। इसकी सफेद पंखुड़ियां शांति का प्रतिनिधित्व करती हैं। वहीं, सुनहरा केंद्र आंतरिक ज्ञान को दर्शाता है। पा के पौधे को घर में लगाने से पति-पत्नी के बीच प्रेम और विश्वास बढ़ता है।

चमेली का पौधा –चमेली के पौधे को पति-पत्नी के बीच प्यार और समर्पण बढ़ाने के लिए शुभ माना जाता है। इसे घर में दक्षिण दिशा में लगाने से माहौल सकारात्मकता और प्यार से भरा रहता है। चमेली के फूल की खुशबू सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह घर में बनाए रखती है। चमेली का पौधा तनाव कम करने में भी मददगार साबित होता है।

चांदनी का पौधा –चांदनी के पौधे की खुशबू और सुंदरता से घर का माहौल पॉजिटिव होता है। इस पौधे को घर में लगाने से पति-पत्नी के बीच प्रेम और विश्वास बढ़ता है। नव विवाहित जोड़ों को चांदनी के पौधे को दक्षिण दिशा में लगाना चाहिए। इससे उनके बीच प्यार बना रहता है।

सावन का पहला सोमवार व्रत 14 जुलाई को रखा जाएगा

भगवान शिव के भक्तों के लिए सावन का महीना बहुत महत्व रखता है। इस पूरे माह में भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है और सोमवार के दिन व्रत रखने का विधान है। शिव भक्त इस पवित्र माह का पूरे साल इंतजार करते हैं। कहा जाता है कि इस दौरान भोलेनाथ पृथ्वी पर आते हैं और अपने भक्तों के सभी कष्टों को दूर करते हैं।

हिंदू पंचांग के आधार पर इस साल सावन माह 11 जुलाई, 2025 से शुरू होगा। वहीं, इसका समापन अगले महीने यानी 09 अगस्त, 2025 को होगा। इस बार सावन में कुल 4 सोमवार व्रत पड़ेंगे। वहीं, सावन का पहला व्रत 14 जुलाई, सोमवार के दिन रखा जाएगा।

सावन सोमवार व्रत लिस्ट

सावन पहला सोमवार 14 जुलाई 2025

सावन दूसरा सोमवार 21 जुलाई 2025

सावन तीसरा सोमवार 28 जुलाई 2025

सावन चौथा सोमवार 4 अगस्त 2025

सावन सोमवार व्रत की पूजा विधि

सावन के पहले सोमवार पर जल्दी उठें और स्नान करें।

साफ कपड़े पहनें।हाथ में जल, पुष्प और अक्षत लेकर व्रत का संकल्प लें।

पूजा की थाली तैयार करें और एक वेदी भगवान शिव, माता पार्वती व गणेश जी की प्रतिमा स्थापित करें। उनका विधिपूर्वक अभिषेक करें।

बिल्व पत्र, धतूरा, भांग, शमी पत्र, सफेद चंदन, अक्षत, धूप, दीप, फल, फूल, मिठाई, पंचामृत आदि चीजें चढ़ाएं।

शिवलिंग पर भी गंगाजल और दूध चढ़ाएं।

'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का 108 बार जप करें।

सावन सोमवार व्रत की कथा सुनें या पढ़ें।

धूप और दीप जलाकर भगवान शिव की आरती करें।

व्रत के दौरान तामसिक चीजों से दूर रहें और सिर्फ फलाहार के रूप में फल, दूध, दही, साबूदाना, कुट्टू का आटा, सेंधा नमक आदि का सेवन कर सकते हैं।

व्रत के समापन के बाद ब्राह्मणों और गरीबों को दान-दक्षिणा दें।

जगन्नाथ यात्रा के दौरान घर लाएं ये चीजें, मिलेगा अपार धन और यश

हिंदू धर्म में जगन्नाथ रथ यात्रा का बहुत महत्व है। यह हर साल आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ निकाली जाती है। इस साल यह धर्म यात्रा 27 जून, शुक्रवार को शुरू होगी, जिसमें लाखों श्रद्धालु शामिल होंगे। ऐसा कहा जाता है कि इसमें शामिल होने से पापों से मुक्ति मिलती है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। वहीं, इस यात्रा से कुछ ऐसी चीजें हैं, जिन्हें जरूर लाना चाहिए।

रथ यात्रा के दौरान घर लाएं ये चीजें

निर्माल्य – पुरी में भगवान जगन्नाथ का विशेष प्रसाद, जिसे निर्माल्य कहा जाता है। ये एक तरह के सूखे चावल होते हैं। यह महाप्रसाद जगन्नाथ मंदिर के कोइली बैकुंठ के अंदर तैयार किया जाता है। ऐसी मान्यता है कि इसे घर लाने और ग्रहण करने से सभी पाप कट जाते हैं, और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

रथ की लकड़ी का छोटा टुकड़ा – जगन्नाथ रथ यात्रा के रथ नीम की लकड़ी से बनाए जाते हैं। यात्रा पूरी होने के बाद इन रथों की लकड़ियों के कुछ अंश भक्तों को दिए जाते हैं। कहते हैं कि रथ की लकड़ी का एक छोटा टुकड़ा घर में लाने से जीवन में सकारात्मकता आती है। इसके साथ ही घर में सुख-शांति बनी रहती है।

भगवान जगन्नाथ की तस्वीर – अगर आप रथ यात्रा में शामिल नहीं हो पाएं है, तो भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की एक छोटी प्रतिमा या तस्वीर घर लेकर आएं और नियमित रूप से उनकी पूजा करें। इससे भगवान की कृपा मिलेगी। साथ ही सभी दुख दूर होंगे।

महाप्रसाद – पुरी मंदिर का महाप्रसाद, जिसे अन्न ब्रह्म के रूप में जाना जाता है। इस महाप्रसाद को घर लाने से भक्तों के सभी कष्ट दूर होते हैं।

तुलसी की माला – भगवान जगन्नाथ भगवान विष्णु के ही रूप हैं और तुलसी उन्हें बहुत ज्यादा प्रिय है। ऐसे में रथ यात्रा के दौरान पुरी से तुलसी की माला जरूर लाएं। इससे घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

शुभ लाभ

संपादकीय

गरीबी में कमी

विश्व बैंक की हालिया रिपोर्ट भारत में अत्यधिक गरीबी में आई उल्लेखनीय कमी को दर्शाती है। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022-23 में यह दर 5.3 प्रतिशत रह गई है, जो वर्ष 2011-12 में 27.1 फीसदी थी। रिपोर्ट के निष्कर्षों के अनुसार भारत ने लगभग एक दशक से कुछ कम समय में 27 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला है, जो पैमाने और गति के मामले में उल्लेखनीय उपलब्धि कही जा सकती है। निश्चित रूप से इस उपलब्धि में विभिन्न कल्याण कार्यक्रमों मसलन आर्थिक विकास और ग्रामीण रोजगार योजनाओं की बड़ी भूमिका रही है। निस्संदेह, इसने सबसे गरीब तबके के लोगों की आय बढ़ाने में मदद की है। निश्चित रूप से सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सुधार, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, बिजली, शौचालयों और आवास तक इस तबके की पहुंच बढ़ाने जैसी पहल ने ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने में योगदान दिया है। लेकिन जहां हम गरीबी उन्मूलन में मिली सफलता पर आत्ममुग्ध हैं तो वहीं समाज में बढ़ती आर्थिक असमानता हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। पिछले साल जारी की गई विश्व असमानता रिपोर्ट 2022 से पता चलता है कि भारत में शीर्ष एक प्रतिशत लोगों की संपत्ति में बड़ा उछाल आया है। वे लोग देश की चालीस फीसदी संपत्ति नियंत्रित करते हैं। इसमें दो राय नहीं कि वैश्वीकरण और उदारीकरण की नीतियों से देश में आर्थिक असमानता को बढ़ावा मिला है। वहीं तकनीकी प्रेरित सेवाओं में उछाल के चलते, वर्ष 2000 के बाद विकास मॉडल ने एक छोटे वर्ग को असंगत रूप से लाभान्वित किया है। निश्चित रूप से नई आर्थिक नीतियों की विसंगतियों से उपजे असमान परिदृश्य में लाखों लोग गरीबी की रेखा से ऊपर तो उठ गए, लेकिन वे बीमारी, नौकरी छूटने या जलवायु परिवर्तन से उपजी आपदाओं जैसे संकटों के प्रति संवेदनशील बने हुए हैं। आर्थिक असुरक्षा और सामाजिक रूप से हाशिये पर रहने वाली आबादी के बड़े हिस्से के लिये यह खतरा बना हुआ है। एक मजबूत सुरक्षा कवच का अभाव इस संकट की संवेदनशीलता को बढ़ा देता है। भारत के विकास की गाथा तभी लिखी जा सकती है, जब हम इस असमानता की खाई को पाटकर गरीबी को कम करने की दिशा में आगे बढ़ें। निर्विवाद रूप से सामाजिक न्याय के लिये गरीबी कम करने के साथ, कमजोर तबकों के लिये सम्मान, समानता और नीतियों में लचीलापन जरूरी है। वास्तव में गरीबी मुक्त भारत का लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है जब सरकार की कल्याणकारी नीतियां न केवल उन्हें गरीबी के दलदल से बाहर निकालें, बल्कि उन्हें स्वावलंबी भी बनाएं। आर्थिक कल्याणकारी नीतियों का मकसद मुफ्त की रेवड़ियां बांटना न होकर उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करना होना चाहिए। निर्धन आबादी के लिये जनकल्याण की योजनाएं जरूर चलायी जानी चाहिए, लेकिन एक वक्त के बाद सरकारी सहायता पर उनकी निर्भरता को कम करना भी उतना ही जरूरी है। वहीं दूसरी ओर, शिक्षा के प्रसार से इस वर्ग की उत्पादकता बढ़ाने की भी कोशिश की जानी चाहिए। तभी गरीबी का कुचक्र स्थायी रूप से कम किया जा सकता है।

> पिछले साल जारी की गई विश्व असमानता रिपोर्ट 2022 से पता चलता है कि भारत में शीर्ष एक प्रतिशत लोगों की संपत्ति में बड़ा उछाल आया है। वे लोग देश की चालीस फीसदी संपत्ति नियंत्रित करते हैं। इसमें दो राय नहीं कि वैश्वीकरण और उदारीकरण की नीतियों से देश में आर्थिक असमानता को बढ़ावा मिला है। वहीं तकनीकी प्रेरित सेवाओं में उछाल के चलते, वर्ष 2000 के बाद विकास मॉडल ने एक छोटे वर्ग को असंगत रूप से लाभान्वित किया है। निश्चित रूप से नई आर्थिक नीतियों की विसंगतियों से उपजे असमान परिदृश्य में लाखों लोग गरीबी की रेखा से ऊपर तो उठ गए, लेकिन वे बीमारी, नौकरी छूटने या जलवायु परिवर्तन से उपजी आपदाओं जैसे संकटों के प्रति संवेदनशील बने हुए हैं। आर्थिक असुरक्षा और सामाजिक रूप से हाशिये पर रहने वाली आबादी के बड़े हिस्से के लिये यह खतरा बना हुआ है। एक मजबूत सुरक्षा कवच का अभाव इस संकट की संवेदनशीलता को बढ़ा देता है।

टैरिफ को लागू करने की तारीखों में परिवर्तन किया जा रहा है तो कभी टैरिफ को कम किया जा रहा

भारतीय अर्थव्यवस्था को भारतीय रिजर्व बैंक के दो महत्वपूर्ण तोहफे

प्रह्लाद सबनानी

> भारत में नागरिक शांतिपूर्ण तरीके से भारतीय अर्थव्यवस्था को गति देने के प्रति कटिबद्ध हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारों के उपक्रम एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियां देश के आर्थिक विकास को गति देने में अपने प्रयास लगातार तेज करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसी क्रम में, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दिनांक 6 जून 2025 को द्विमासिक मुद्रा नीति की घोषणा करते हुए, देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के उद्देश्य से, दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। एक, रेपो दर में 50 आधार बिंदुओं की कमी करते हुए इसे 6 प्रतिशत की दर से नीचे लाकर 5 .5 प्रतिशत कर दिया गया है।

वैश्विक स्तर पर विश्व के कई देशों में आर्थिक गतिविधियों पर संकट के बादल मंडराते हुए दिखाई दे रहे हैं। अमेरिका में तो श्री डॉनल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद से नित नई घोषणाएं की जा रही है। कभी टैरिफ को बढ़ाया जा रहा है तो कभी टैरिफ को लागू करने की तारीखों में परिवर्तन किया जा रहा है तो कभी टैरिफ को कम किया जा रहा है। कुल मिलाकर अमेरिकी अर्थव्यवस्था में अफरा तफरी का माहौल बन गया है। अभी हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति श्री ट्रम्प एवं अमेरिका के एक महत्वपूर्ण एवं शक्तिशाली मंत्री श्री एलान मस्क के बीच युद्ध छिड़ गया है एवं अब वे एक दूसरे पर गम्भीर आरोप लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। अमेरिकी अर्थव्यवस्था का इन सब बातों से बहुत नुक्सान होता हुआ दिखाई दे रहा है। बेरोजगारी भत्ता लेने वाले नागरिकों की संख्या में वृद्धि हो रही है, अमेरिकी कम्पनियों द्वारा कर्मचारियों की छंटनी पर विचार किया जा रहा है एवं आर्थिक विकास दर कम हो रही है। दूसरी ओर, रूस यूक्रेन के बीच युद्ध खत्म होने के आसार अभी भी दिखाई नहीं दे रहे हैं। एक तरह से इजराईल, हम्मास के बीच युद्ध अभी भी जारी ही है। चीन एवं अमेरिका के बीच में आई खटास भी कम होने का नाम नहीं ले रही है। वैश्विक स्तर पर इन समस्त घटनाओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था नित नई ऊचाईयों को छूने की ओर अग्रसर है। भारत में नागरिक शांतिपूर्ण तरीके से भारतीय अर्थव्यवस्था को गति देने के प्रति कटिबद्ध हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारों के उपक्रम एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियां देश के आर्थिक विकास को गति देने में अपने प्रयास लगातार तेज करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसी क्रम में, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दिनांक 6 जून 2025 को द्विमासिक मुद्रा नीति की घोषणा करते हुए, देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के उद्देश्य से, दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। एक, रेपो दर में 50 आधार बिंदुओं की कमी करते हुए इसे 6 प्रतिशत की दर से नीचे लाकर 5.5 प्रतिशत कर दिया गया है। केलेंडर वर्ष 2025 में रेपो दर में यह लगातार तीसरी कटौती की गई है एवं कुल मिलाकर रेपो दर में 100 आधार बिंदुओं की कमी की जा चुकी है। फरवरी 2025 एवं अप्रेल 2025 घोषित की गई मुद्रा नीति के माध्यम से रेपो दर में दोनों बार 25 आधार बिंदुओं की कमी की गई थी। रेपो दर उस दर को कहते हैं, जिस दर पर भारतीय रिजर्व बैंक विभिन्न बैंकों को आवश्यकता पड़ने पर ऋण उपलब्ध कराता है एवं विभिन्न बैंक रेपो दर को आधार दर बनाते हुए इस दर पर कुछ आधार बिंदु (जमाराशि की लागत एवं लाभ की राशि का समायोजन करते हुए) जोड़ते हुए, ब्याज की दर पर, अपने ग्राहकों को ऋणराशि उपलब्ध कराते हैं। दूसरे, भारतीय रिजर्व बैंक ने नकद आरक्षित अनुपात में

सीधे ही 100 आधार बिंदुओं की कमी करते हुए इसे 4 प्रतिशत की दर से घटाकर 3 प्रतिशत की दर पर ला दिया है। इससे, भारत में बैंकों के पास 2.5 लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि ऋण प्रदान करने के उद्देश्य से उपलब्ध हो जाएगी एवं सिस्टम में तरलता बढ़ जाएगी। नकद आरक्षित अनुपात उस अनुपात को कहते हैं, जिस पर विभिन्न बैंकों को अपने मांग एवं जमा देयताओं की राशि पर इस अनुपात की दर से नकदी राशि भारतीय रिजर्व बैंक के पास जमा करानी होती है। अतः यह राशि इन बैंकों की पहुंच से बाहर हो जाती है एवं ऋण के रूप में इसे बैंक के ग्राहकों को उपलब्ध नहीं कराया जा सकता है। यदि नकद आरक्षित अनुपात को कम कर दिया जाता है तो बैंकों के पास यह राशि ऋण के रूप में प्रदान करने के लिए उपलब्ध हो जाती है। इससे स्पष्टतः बैंकों की लाभप्रदता में सुधार होता है। भारतीय रिजर्व बैंक के उक्त महत्वपूर्ण दोनों निर्णयों से वैश्विक स्तर पर विपरीत परिस्थितियों के बीच भारत में उत्पादों की आंतरिक मांग उत्पन्न करने में सहायता मिलेगी क्योंकि बैंक अपने ग्राहकों को प्रदान की जाने वाली ऋणराशि पर ब्याज दरों को कम करेंगे। इससे, विशेष रूप से व्यक्तिगत ऋण, गृह ऋण, वाहन ऋण, आदि सस्ते होंगे और अब प्रति माह ग्राहकों द्वारा इन ऋणों पर अदा की जाने वाली मासिक किश्त की राशि में कमी आएगी और इन नागरिकों के पास खर्च करने के लिए अतिरिक्त राशि उपलब्ध होने लगेगी, जिसे वे अन्य पदार्थों को खरीदने में खर्च कर सकेंगे। साथ ही, ऋण पर ब्याज राशि कम होने से विभिन्न उत्पादक कम्पनियों की लाभप्रदता में वृद्धि होगी क्योंकि उन्हें अब बैंकों से लिए गए ऋण पर कम ब्याज देना होगा। लाभप्रदता में होने वाली इस अतिरिक्त वृद्धि के चलते यह कम्पनियां अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने के बारे में गम्भीरता से विचार करेंगी क्योंकि उत्पादों की होने वाली मांग में वृद्धि की पूर्ति जो करनी है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जून 2025 माह में घोषित मौद्रिक नीति को अर्थशास्त्रियों एवं बैंकिंग जगत के विशेषज्ञों द्वारा हाल ही के वर्षों में घोषित की गई सबसे बेहतरीन मौद्रिक नीति माना जा रहा है। इस मौद्रिक नीति को भारत के शेयर बाजार ने भी दिनांक 6 जून 2025 को त्वरित सकारात्मक उत्तर दिया और निफ्टी एवं सेन्सेक्स में एक प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। ब्याज दरों से जुड़े क्षेत्रों विशेष रूप से बैंकिंग, रीयल एस्टेट एवं ऑटो क्षेत्र की कम्पनियों के शेयरों में जोरदार उछाल देखने को मिला है। दरअसल अधिकतर अर्थशास्त्री रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की उम्मीद कर रहे थे परंतु भारतीय रिजर्व बैंक ने 50 आधार बिंदुओं की कमी की घोषणा करते हुए अपनी आक्रात्मक नीति का परिचय दिया है। अतः रेपो दर में उम्मीद से अधिक कटौती होने पर निवेशकों का भारतीय कम्पनियों, विशेष रूप से वे कम्पनियां जो घरेलू मांग एवं ऋण पर निर्भर रहती हैं, पर भरोसा बढ़ा है। भारतीय कम्पनियों की लाभप्रदता एवं उत्पादों की बिक्री में लगातार हो रहे तेज सुधार के चलते इन भारतीय कम्पनियों की साख अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी बढ़ेगी। आगे आने वाले समय में यह कम्पनियां बहुराष्ट्रीय कम्पनियों का स्वरूप भी ले सकती हैं। और फिर, ब्याज दरों में लगातार की जा रही कमी के चलते इन कम्पनियों द्वारा उत्पादित वस्तुओं की उत्पादन लागत भी कम होगी जिससे इन कम्पनियों के उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बन सकेंगे। हां, भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने स्टैन्स को अकोमोडेटिव से न्यूट्रल जरूर कर दिया है जिसके चलते भारतीय रिजर्व बैंक रेपो दर में आगे आने वाले समय में आवश्यकता पड़ने पर बढ़ौतरी कर सकता है। जबकि अकोमोडेटिव स्टैन्स में रेपो दर में केवल कमी करने की सम्भावना निहित रहती है। परंतु, आगे आने वाले समय में यदि मंहगाई की दर पर नियंत्रण बना रहता है जिसकी सम्भावना भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भी की गई है और औसत मंहगाई दर के अनुमान को 4 प्रतिशत से घटाकर 3.70 प्रतिशत कर दिया गया है। अतः बहुत सम्भव है कि भारतीय रिजर्व बैंक को न्यूट्रल स्टैन्स के बावजूद रेपो दर में कमी ही करनी पड़ सकती है। कुल मिलाकर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मंहगाई की दर में आई कमी एवं विकास दर में आई सुस्ती को देखते हुए रेपो दर एवं नकद आरक्षित अनुपात में आक्रात्मक रूप से की गई कटौती को एक सक्रिय निर्णय कहा जा सकता है। इससे अर्थव्यवस्था में खपत एवं निवेश को बढ़ावा मिलेगा, उत्पादों की मांग में वृद्धि होगी, उद्योग जगत अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने के उद्देश्य से अपने पूंजीगत खर्चों को बढ़ाने पर विचार करेगा। चूंकि भारत में मुद्रा स्फीति की दर अब नियंत्रण में है अतः भारतीय रिजर्व बैंक ने देश में विकास दर को बढ़ाने को प्राथमिकता दी है। हालांकि अपने स्टैन्स को न्यूट्रल रखकर मुद्रा स्फीति एवं वैश्विक स्तर पर विभिन्न जोखिमों पर भी नजर बनाए रखने का आभास दिया है।

आप का नजरिया

भारत के स्वराज्य की हुंकार हिन्दू साम्राज्य दिवस

छत्रपति शिवाजी महाराज भारत की स्वतंत्रता के महान नायक हैं, जिन्होंने 'स्वराज्य' के लिए संगठित होना, लड़ना और जीतना सिखाया। मुगलों के लंबे शासन और अत्याचारों के कारण भारत का मूल समाज आत्मदैन्य की स्थिति में चला गया था। विशाल भारत के किसी न किसी भू-भाग पर मुगलों के शोषणकारी शासन से मुक्ति के लिए संघर्ष तो चल रहा था लेकिन उन संघर्षों से बहुत उम्मीद नहीं थी। भारत के वीर सपूत अपने प्राणों की बाजी तो लगा रहे थे लेकिन समाज को जागृत और संगठित करने का काम नहीं कर पा रहे थे। जबकि छत्रपति शिवाजी महाराज ने समाज के भीतर विश्वास जगाया कि हम मुगलों के शासन को जड़ से उखाड़कर फेंक सकते हैं, यदि सब एकजुट हो जाएं। यही कारण है कि छत्रपति शिवाजी महाराज के देवलोकगमन के बाद भी 'हिन्दवी स्वराज्य' का विचार पल्लवित, पुष्पित और विस्तारित होता रहा। 'हिन्दू साम्राज्य दिवस' या 'श्रीशिव राज्याभिषेक दिवस' भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण घटना है। इस घटना ने दुनिया को बताया कि भारत के भाग्य विधाता मुगल नहीं हैं। भारत का हिन्दू समाज ही भारत का भाग्य विधाता है। भारत में हिन्दुओं का राज्य है। उनके शासन का नाम है- 'हिन्दवी स्वराज्य'। विक्रम संवत 1731, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी को स्वराज्य के प्रणेता एवं महान हिन्दू राजा श्रीशिव छत्रपति के राज्याभिषेक और हिन्दू पद पादशाही की स्थापना से भारतीय इतिहास को नयी दिशा मिली। दासता के घोर अंधकार में स्वराज्य की एक चमकदार रोशनी था- हिन्दवी स्वराज्य। हिन्दू साम्राज्य दिवस को हम भारत के स्वराज्य की हुंकार भी कह सकते हैं, जब हिन्दुओं ने आत्मविश्वास से सीना ठोंककर मुगलों को ललकारा और कहा कि भारत में एक बार फिर स्वराज्य की स्थापना हो गई है, जिसमें सबका कल्याण है। अनेक इतिहासकार एवं विद्वान कहते हैं कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने हिन्दवी स्वराज्य की स्थापना न की होती, तो भारत का इतिहास कुछ और होता। यह अतिशयोक्तिपूर्ण विचार नहीं है। अपितु भारत के पड़ोसी देशों एवं दूर-दराज के उन देशों की स्थिति को देखकर सहज कल्पना की जा सकती हैं, जहाँ मूल समाज की अपेक्षा बाहरी आक्रांताओं का शासन स्थायी हो गया। ऐसे देशों में वहाँ के मूल समाज की संस्कृति लगभग समाप्त हो गई है। हम कल्पना ही कर सकते हैं कि जिस प्रकार के अत्याचार मुगल शासक भारत में कर रहे थे, उसके बाद हिन्दू समाज किस स्थिति को प्राप्त होता। प्रसिद्ध मराठा इतिहासकार जीएस सरदेसाई ने लिखा है कि "मुस्लिम शासन के अधीन पूर्ण अंधकार छाया हुआ था। न कोई पूछताछ होती थी, न न्याय मिलता था। अधिकारी जो चाहें, वही करते थे। स्त्रियों के सम्मान का हनन, हत्याएं, हिंदुओं का जबरन धर्म परिवर्तन, उनके मंदिरों का विध्वंस, गायों का वध- ऐसे घिनौने अत्याचार उस शासन में आम बात थे। निजामशाही ने तो खुलेआम जीजाबाई के पिता, उनके भाइयों और पुत्रों की हत्या कर दी थी। फलटन के बजाजी निंबालकर को जबरन मुसलमान बनाया गया। ऐसे अनगिनत उदाहरण दिए जा सकते हैं। हिंदू सम्मानजनक जीवन नहीं जी सकते थे। यही बातें थीं, जिन्होंने शिवाजी के भीतर धर्मसम्मत क्रोध जगा दिया। विद्रोह की प्रबल भावना ने उनके मन को पूरी तरह घेर लिया। उन्होंने तुरंत कार्य आरंभ कर दिया। उन्होंने मन ही मन सोचा, जिसके हाथ में शस्त्र की शक्ति है, उसे कोई भय नहीं होता, कोई कठिनाई नहीं आती"। औरंगजेब का शासन तो हिन्दुओं के लिए किसी नर्क से कम नहीं था। मुगलों के अनीतिपूर्ण शासन के बरक्स छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा स्थापित स्वराज्य में लोकहित सर्वोपरि था। उन्होंने शासन को 'स्व' के आधार पर विकसित किया, इसलिए वह सबका अपना स्वराज्य था।

देश दुनिया से

राष्ट्रवाद की आड़ में ट्रंप का परिवारवाद

देश में दलगत नेताओं के परिजनों, संबंधीजनों तथा स्वजनों को राजनैतिक दबाव के चलते लाभ देने के अनेक उदाहरण आज भी पैदा हो रहे हैं। अचानक पूंजीपति बनने वाले की संख्या में तेजी से बढोत्तरी हो रही है। सरकारी औपचारिकताओं को हाशिये पर रखकर सुविधायें पहुंचाने के अनेक मामले स्वाधीनता के बाद से ही सामने आते रहे हैं। यूं तो घोटालों की लम्बी पेरिस्त है परन्तु बानगी के तौर पर सन1948 का जीप खरीद घोटाला जिसमें वीके मेनन, सन1951 का साइकिल आयात घोटाला जिसमें एसए वेंकटरमण, सन1956 का बीएचयू फण्ड घोटाला, सन1958 का हरिदास मूंदडा मामला जिसमें टीटी वृष्णामचारी, सन1960 का तेजा लोन स्वैम, सन1963 का प्रताप सिह वैरों स्वैम, सन1965 का पटनायक 'कलिग टूब्स' मामला जिसमें बीजू पटनायक, सन1975 का मारुति घोटाला जिसमें इंदिरा गांधी, सन1976 का वुओ आयल डील, सन1981 का अंतुले ट्रस्ट मामला जिसमें एआर अंतुले, सन1987 का एचडीडब्ल्यू दलाली मामला, सन1987 का बोफोर्स घोटाला जिसमें राजीव गांधी, सन1989 का सेंट किट्स मामला जिसमें वीपी सिह, सन1990 का चारा घोटाला जिसमें लालू प्रसाद यादव, सन1991 का हवाला घोटाला जिसमें एसके जैन, सन1992 का हर्षद मेहता काण्ड, सन1992 का इंडियन बैंक मामला, सन1992 का बाम्बे स्टाक एक्सचेन्ज घोटाला जिसमें हर्षद मेहता, सन1992 का सिक्यूरिटी स्वैम, आईपीएल घोटाला जिसमें ललित मोदी, सत्यम घोटाला, स्टाम्प घोटाला, सन1993 का झारखण्ड मुक्ति मोर्चा मामला जिसमें शिबू सोरेन, सन1994 का चीनी घोटाला जिसमें कल्पनाथ राय, सन1995 का जूता घोटाला जिसमें सोहिन दया, तहलका काण्ड जिसमें जार्ज फर्नाडीज, लक्खू भाई पाठक मामला जिसमें नरसिहराव, सन1999 का हसन अली टैक्स मामला, कामनवेल्थ गेम्स घोटाला जिसमें मनमोहन सिह, विजय माल्या प्रकरण, पीएनबी घोटाला जिसमें नीरव मोदी तथा मेहुल चौकसी, रोटोमैक घोटाला, सन2000 का मैच फिक्सग मामला, बराक मिसाइल सौदा मामला, यूटीआई घोटाला, तेल के बदले अनाज मामला जिसमें नटवर सिह, ताज वैरीडोर मामला जिसमें मायावती, कोडा मनीलांडरिग मामला जिसमें मधु कोडा, ताबूत घोटाला, सन2002 का टेलीकाम स्वैम जिसमें सुखराम शर्मा, यूरिया घोटाला जिसमें सीएस रामवृष्णन, सन2007 का 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला जिसमें ए. राजा, सन2010 का आदर्श हाउसिग घोटाला जिसमें अशोक चव्हाण, सन2012 का वीवीआईपी हेलिकाप्टर घोटाला जिसमें एसपी त्यागी, सन2012 का नेशनल हेराल्ड मामला जिसमें सोनिया गांधी सन2013 का डीएलएफ भूमि हडप मामला जिसमें राबर्ड वाड्रा, सन2013 का केरल सौर पैनल घोटाला जिसमें सीएम चांडी, सन2015 का वोट के लिए नोट मामला जिसमें एल्विस स्टीपेंसन, सन2020 का केरल गोल्ड तस्करी मामला जिसमें पिनाराईं विजयन, सन2022 का शराब घोटाला जिसमें अरविन्द केजरीवाल पर भी गम्भीर आरोप लगाये गये थे। सत्ताधिकार के सामने मुंह खोलने वालों की हमेशा ही दुर्गति होती रही है। निजी स्वार्थो की परूति के लिए पद के दुरुपयोग का पैशन सा चल निकला है। अब तो भारत के घोटालों को आदर्श मानकर विदेशों में भी यह रीतियां तेजी से विकसित हो रहीं है। आपरेशन सिदूर के दौरान अमेरिका का पाकिस्तान के साथ सहयोगात्मक रवैया यूं ही नहीं रहा है। ज्ञातव्य है कि कश्मीर के पहलगाम में विगत 22 अप्रेल को इस्लामिक आतंकवादियों ने 26 लोगों की हत्या कर दी थी। भारतीय नागरिकों का आव्रोश और सरकार का कडा रुख देखते हुए पाकिस्तान ने 27 अप्रेल को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड वुश्नर और पुत्र एरिक ट्रंप, डोनाल्ड जूनियर की व्रिप्टो को सर्मपित कम्पनी वल्ड लिबटा फाइनेंशियल से एक अनुबंध कर लिया। यह अनुबंध सन2024 में गठित अमेरिकी कम्पनी वल्ड लिबटा फाइनेंशियल तथा सन2025 में गठित पाकिस्तान व्रिप्टो काउंसिल के मध्य हुआ जिसमें काउंसिल की ओर से चांग पेंग झाओ को सलाहकार नियुत्त किया गया। इस पूरे परिदृश्य में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपने पुत्र सलमान शहबाज की कम्पनी एसएसईं टेक्नोलाजीज को व्रिप्टो माइनिग नेटवर्व तैयार करने हेतु जोड दिया। उल्लेखनीय है कि पहलगाम हमले के ठीक पहले पाकिस्तान व्रिप्टो काउंसिल की स्थापना की गईं थी। यानी यह सब वुछ पूर्व निर्धारित षडयंत्र के तहत चल रहा था जिसमें राष्ट्रवाद की आड में ट्रंप का परिवारवाद पूरी तरह से शामिल था। वास्तविकता तो यह है कि अमेरिकी आवाम के जागरूक होने के कारण व्रिप्टो को वहां पर अपेक्षित विस्तार पाने में कठिनाईं हो रही है जिसका विकल्प पाकिस्तान को बनाया जा रहा है ताकि यहां से ट्रंप परिवार की कम्पनी दुनिया भर में पांव पसार सके। ऐसा ही परिवारवाद तरुकिये के राष्ट्रपति रजब तैयब अदरेआन के वृत्यों भी से स्पष्ट होता है। उनकी पुत्री सुमैये अदरेआन का निकाह सेल्युक वायरात्त से हुआ था जो कि बायकर कम्पनी का मुखिया है। यह कम्पनी बायकर यीहा घ्घ्व सहित अनेक खतरनाक ड्रोन बनाती है जिसका युद्ध के मैदान में उपयोग होता है। तरुकिये के राष्ट्रपति अदरेआन के दामाद ने पाकिस्तान को न केवल युद्ध में उपयोग होने वाले खतरनाक ड्रोन्स की आपरूति की बल्कि ड्रोन्स आपरेटर्स भी उपलब्ध कराये ताकि भारत को पराजित किया जा सके।

कुछ अलग

संविधान, कानून और जनता

वर्ष 2018 में रोहित डे की किताब 'ए पीपुल'स कांस्टीच्यूशन : द एवरीडे लाइफ़ आफ़ ला इन द इंडियन रिपब्लिक' का प्रकाशन हुआ। किताब की शुरुआत 1950 के अंतिम महीने में जलालाबाद के सब्जी विक्रेता मुहम्मद यासिन से होती है जो नगरपालिका की ओर से सब्जी बेचने का केवल एक लाइसेंस जारी करने की खबर से परेशान थे। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगायी कि उनका धंधा जारी रखने की अनुमति दी जाए। अधिकार संपन्न नागरिक के बतौर देश की सर्वोच्च अदालत जाने वालों में वह पहला भारतीय था। 15 अगस्त, 1947 की आधी रात को भारत आजाद हुआ। तीन साल बाद प्रांतीय सदनों द्वारा नामित संविधान सभा ने नया संविधान अपनाया जिसमें भारत को संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया गया। उस दौर के स्वाधीन हुए देशों में भारत का संविधान सबसे अधिक समय तक कायम रहा और सार्वजनिक जीवन को अब भी निर्देशित करता है। संविधान के बारे में आधिकारिक धारणा के विपरीत बहुतेरे लोग उसे मृगछलना समझते हैं। आलोचकों ने यह भी कहा कि इसमें संशोधन की प्रक्रिया आसान होने से इस दस्तावेज में बहुत स्थिरता नहीं है। संसद में दो-तिहाई के बहुमत से इसे संशोधित किया जा सकता था। कहा गया कि अगर शासन के हितों के मुताबिक इसे आसानी से बदल दिया जा सकता है तो फिर यह शासन की कार्यवाही पर रोक कैसे लगाएगा। आलोचना या प्रशस्ति की जगह इस किताब में माना गया है कि भारतीय गणतंत्र में दैनन्दिन जीवन को संविधान ने बहुत गहराई से बदल दिया है। लोकतांत्रिक प्रणाली में अदालतों की लोकप्रियता की एक वजह राहत संबंधी ये प्रावधान तो थे ही, मुकदमों के जल्दी निपटारे ने भी उनके प्रति भरोसा पैदा किया। 1950 में सुप्रीम कोर्ट ने 600 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई की। 1962 तक इन सुनवाइयों की संख्या 3833 हो चुकी थी। इसी अवधि में अमेरिका में सुनवाई की संख्या 960 मात्र रही थी। अमेरिका की आजादी के पचास साल बाद तक वहां की सुप्रीम कोर्ट ने कुल 40 ही मुकदमे सुने थे। भारत में दायर मुकदमों में विविधता भी अधिक रही है। इनसे पता चलता है कि रोजमर्रा के जीवन में राज्य किस हद तक दखल देता था और किस हद के बाद नागरिक इस दखलंदाजी के प्रतिवादस्वरूप अदालत की शरण में चले जाते थे। इन मुकदमों में वाद विवाद की मार्फत लोकतंत्र की धारणात्मक शब्दावली ने प्रत्यक्ष रूप ग्रहण किया। राज्य और नागरिक के इस मुखामुखम से संवैधानिक अंतःक्रिया का जन्म हुआ। यह संवैधानिक अदालत और उसकी बहसें नागरिकता का अभिलेखागार बन गयीं।

दृष्टि कोण

भारत की स्त्री-केंद्रित सभ्यता की झलक

हरियाणा स्थित राखीगढ़ी हड़प्पा सभ्यता का सबसे बड़ा स्थल है, जहाँ से मिले 4600 साल पुराने महिला कंकाल, शंख की चूड़ियाँ और ताम्र नृत्यांगना की प्रतिमा सभ्यता में स्त्री की केंद्रीय भूमिका को रेखांकित करते हैं। डीएनए विश्लेषण ने 'आर्य आक्रमण सिद्धांत' पर सवाल उठाए हैं और भारत की सांस्कृतिक निरंतरता को सिद्ध किया है। राखीगढ़ी अब केवल एक पुरातात्विक खोज नहीं, बल्कि भारत के अतीत की आत्मा से संवाद का जीवंत माध्यम है। हरियाणा के हिसार जिले का एक सामान्य-सा गांव राखीगढ़ी, अब वैश्विक पुरातात्विक विमर्शों का केंद्र बन चुका है। 1997-99 के दौरान हुए उत्खननों ने इसे हड़प्पा सभ्यता के सबसे बड़े स्थलों में गिना जाना शुरू किया, और 2012 में विश्व विरासत कोष की 'खतरे में पड़ी धरोहरों' की सूची में इसकी उपस्थिति ने वैश्विक ध्यान खींचा। परन्तु इसके बाद जो मिला – एक महिला का 4600 वर्ष पुराना कंकाल, उसके बाएं हाथ की शंख की चूड़ियाँ, और ताम्र की बनी एक नृत्यांगना प्रतिमा – उन सभी ने इतिहास और पुरातत्व के स्थापित आख्यानों को चुनौती देना शुरू कर दिया। राखीगढ़ी से मिला स्त्री कंकाल सिर्फ एक पुरातात्विक खोज नहीं है, यह उन असंख्य 'मौन स्त्रियों' की प्रतीकात्मक उपस्थिति है जिन्हें सभ्यता की कहानी से सदा बाहर रखा गया। यह कंकाल लगभग 4600 वर्ष पुराना है, और अद्भुत रूप से संरक्षित अवस्था में मिला। उसकी बाईं कलाई पर शंख की चूड़ियाँ मिलीं – यह उस समय के सामाजिक-सांस्कृतिक प्रतीकों की ओर संकेत करती हैं। डीएनए विश्लेषण से यह पता चला कि इस महिला के आनुवंशिक संबंध प्राचीन ईरानियों और दक्षिण-पूर्व एशियाई शिकारी-संग्राहकों से तो हैं, लेकिन स्टेपी चरवाहों से कोई संबंध नहीं मिला – जिनसे अक्सर भारत में आर्यों

के आगमन को जोड़ा जाता है। यह निष्कर्ष 'आर्य आक्रमण सिद्धांत' को एक बड़ा झटका देता है और यह संकेत देता है कि भारतीय उपमहाद्वीप में सांस्कृतिक विकास अपनी निरंतरता में हुआ। मोहेंजोदाड़ो की विश्वप्रसिद्ध कांस्य नर्तकी की तरह, राखीगढ़ी से भी एक ताम्र प्रतिमा मिली है जिसे "डांसिंग गर्ल" कहा जा रहा है। यह मूर्ति न केवल सौंदर्यबोध और कलात्मकता का प्रमाण है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि उस काल में नारी की उपस्थिति सांस्कृतिक और सार्वजनिक जीवन में कितनी सशक्त रही होगी। यह मान्यता को चुनौती देती है कि प्राचीन सभ्यताओं में स्त्रियां केवल घरेलू क्षेत्र में सीमित थीं। कंकाल मिलने के स्थल पर अग्निवेदिकाओं के अवशेष भी मिले हैं, जो यह संकेत करते हैं कि शवदाह की परंपरा उस समय भी प्रचलित थी। अग्नि, जिसे वैदिक परंपरा में शुद्धिकरण और संस्कार का प्रतीक माना गया है, उसका हड़प्पा काल में इतना महत्वपूर्ण स्थान होना यह दर्शाता है कि वैदिक और हड़प्पा परंपराएं एक-दूसरे से पूर्णतः असंबंधित नहीं थीं। कुछ विद्वान मानते हैं कि महाभारत युद्ध लगभग 5000-5500 वर्ष पूर्व हुआ था। यदि यह मान लिया जाए, तो राखीगढ़ी की स्थापना इस युद्ध से पहले की मानी जा सकती है। एक किंवदंती यह भी है कि महाभारत युद्ध में वीरगति को प्राप्त सैनिकों की विधवाएं यहीं शरण लेने आई थीं, और यही से इस स्थान का नाम 'राखीगढ़ी' पड़ा – 'राख' यानी मृत्यु की राख, और 'गढ़ी' यानी शरण। ऐसी मिथकीय व्याख्याएं ऐतिहासिक सत्य नहीं हैं, परंतु वे यह दर्शाती हैं कि स्थानीय जनमानस में राखीगढ़ी की सांस्कृतिक स्मृति कितनी गहरी है। राखीगढ़ी से मिले महिला कंकाल का जीनोमिक विश्लेषण केवल पुरातत्व नहीं, बल्कि भारतीय इतिहास-लेखन में एक बड़ा मोड़ है। स्टेपी डीएनए की अनुपस्थिति सीधे उस विचारधारा को चुनौती देती है जिसने लंबे समय तक 'आर्य आक्रमण' को भारत में सभ्यता के आगमन का कारण बताया। इस अध्ययन ने इतिहास, नृविज्ञान और भाषाविज्ञान के विशेषज्ञों को एक बार फिर यह सोचने पर विवश किया है कि क्या आर्य बाहर से आए थे या यहीं के थे। ? क्या वैदिक संस्कृति और हड़प्पा संस्कृति में कोई 'टकराव' नहीं बल्कि एक सांस्कृतिक प्रवाह था? राखीगढ़ी की खोजों के परिणाम अब एनसीईआरटी जैसे शैक्षिक निकायों के पाठ्यक्रम में भी दिखाई दे रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अगर आपकी योजना बाहर घूमने–फिरने की है तो आपका वक़्त हँसी–ख़ुशी और सुकून भरा रहेगा। आज धन आपके हाथ में नहीं टिकेगा, आपको धन संचय करने में आज बहुत दिक़्क़तों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे लोगों से दूर रहें जिनकी बुरी आदतें आपके ऊपर असर डाल सकती हैं। अपनी दीवानगी को क़ाबू में रखें, नहीं तो यह आपके प्रेम–संबंध को मुश्किल में डाल सकती है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

रचनात्मक शौक़ आज आपको सुकून का एहसास कराएंगे। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख़्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। शाम के वक़्त अचानक मिली कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार की ख़ुशी और उत्साह की वजह साबित होगी। आज आप इश्क़ की चाशनी ज़िन्दगी में घुलती हुई महसूस करेंगे। किसी नयी परियोजना पर काम करने से पहले अच्छी तरह सोच–विचार लें। समय का अच्छा इस्तेमाल करने के लिए आज आप पार्क में घूमने का प्लान बना सकते हैं ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आप अपने घर के सदस्यों को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं और आपका काफी धन खर्च हो सकता है। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। बीते दिनों की मीठी यादें आपको व्यस्त रखेंगी। कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने ग़लत कामों का फल मिलेगा। अगर कहीं बाहर जाने की योजना है तो वह आख़िरी वक़्त पर टल सकती है। आप महसूस कर सकते हैं कि जीवनसाथी का प्यार सारे दुःख–दर्द भुला देता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप खाली समय का आनंद ले सकेंगे। आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफे में बदल सकते हैं। पुराने संपर्क और दोस्त मददगार रहेंगे। आपको अपनी तरफ़ से सबसे बेहतर तरीक़े से बर्ताव करने की ज़रूरत है – क्योंकि आज आपका प्रिय जल्दी ही नाराज़ हो सकता है। आज आपका कोई छुपा विरोधी आपको ग़लत साबित करने की पुरज़ोर कोशिश करेगा। आज आपके पास लोगों से मिलने–जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है। ज़्यादा ख़र्चे की वजह से जीवनसाथी से खट–पट हो सकती है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने नकारात्मक रवैये के चलते आप प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। यह इस बात को समझने का सही वक़्त है कि चिंता की आदत ने आपके सोचने की क्षमता को ख़त्म कर दिया है। हालात के उजले पहलू की ओर देखें और आप पाएंगे कि चीज़ें सुधर रही हैं। कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फ़ायदा दिलायेगा। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। यदि कोई समस्या है तो उसे टालें नहीं, बल्कि जल्दी–से–जल्दी उसका समाधान ढूंढने की कोशिश करें। आप–को ख़ुश करने के लिए आपका जीवनसाथी काफ़ी कोशिशें कर सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपनी शारीरिक चुस्ती–फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। पुराने निवेशों के चलते आय में बढ़ोत्तरी नज़र आ रही है। उन लोगों के साथ कुछ समय बिताएँ, जो आपको चाहते हैं और आपका ख़याल रखते हैं। अगर आप कई दिनों से कामकाज में दिक़्क़त महसूस कर रहे हैं, तो आज के दिन आपको राहत महसूस हो सकती है। किसी भी स्थिति में आपको अपने समय का ख्याल रखना चाहिए याद रखिये अगर समय की कद्र नहीं करेंगे तो इससे आपको ही नुक्सान होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

हाल की घटनाओं से आपका मन बेचैन हो सकता है। शारीरिक और मानसिक लाभ के लिए ध्यान व योग फ़ायदेमंद साबित होंगे। आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। घर को सजाने–संवारने के लिए अपने खाली समय का उपयोग करें। इसके लिए आप परिवार से सराहना पाएंगे। शाम के लिए कोई ख़ास योजना बनाएँ और कोशिश करें कि यह ज़्यादा–से–ज़्यादा रुमानी हो। कामकाज के मामलों को सुलझाने के लिए अपनी होशियारी और प्रभाव का इस्तेमाल करें। यह दिन शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपना मूड बदलने के लिए किसी सामाजिक आयोजन में शिरकत करें। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। अपने जीवनसाथी का बोझ दूर करने के लिए घरेलू कामकाज में हाथ बटाएँ। इससे आपको साथ में काम करने का आनंद मिलेगा और जुड़ाव महसूस होगा। आप किसी बड़े व्यावसायिक लेन–देन को अंजाम दे सकते हैं और मनोरंजन से जुड़ी किसी परियोजना में कई लोगों का संयोजन कर सकते हैं। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपका सबसे बड़ा सपना हक़ीक़त में बदल सकता है। लेकिन अपने उत्साह को क़ाबू में रखें, क्योंकि ज़्यादा ख़ुशी भी परेशानी का सबब बन सकती है। अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। किसी भी ख़र्चीले काम या योजना में हाथ डालने से पहले ठीक तरह से सोच–विचार कर लें। जीवनसंगी के साथ वक्त बिताने के लिए आज आप ऑफिस से जल्दी निकल सकते हैं सेहत के नज़रिये से दिन अच्छा हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। जिन लोगों ने अतीत में अपना धन निवेश किया था आज उस धन से लाभ होने की संभावना बन रही है। अगर आपका साथी अपना वादा न निभाए तो बुरा महसूस न करें– आपको बैठकर बातचीत के ज़रिए मामला सुलझाने की ज़रूरत है। हवन/पूजा–पाठ आदि का आयोजन घर मे होगा। आपके लिए यह ख़ूबसूरत दिन रहेगा, लेकिन सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है। आप घूमने–फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे– लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रवैये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफ़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। बड़े उद्योगपतियों के साथ साझीदारी का व्यवसाय फ़ायदेमंद रहेगा। आज आप हँसी–मजाक़ के बीच आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई पुराना मुद्दा उभर सकता है, जो फिर वाद–विवाद का रूप भी ले सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

मौज–मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। जिसपर आप यक़ीन करते हैं, मुमकिन है वह आपको पूरा सच न बता रहा हो। आपकी दूसरों को राज़ी करने की क्षमता आने वाली मुश्किल को हल करने में कारगर साबित होगी। यह दूसरे देशों में व्यावसायिक सम्पर्क बनाने का बेहतरीन समय है। आज आप ख़ुद को लोगों के ध्यान के केंद्र में पाएंगे, जब कोई आपके सहयोग की वजह से पुरस्कृत होगा या सराहा जाएगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 11 जून 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : पूर्णिमा दोपहर 01:15 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा रात्रि 08:11 तक
योग : साध्य दोपहर 02:02 तक
करण : बव दोपहर 01:15 तक
चन्द्र राशि : वृश्चिक रात्रि 08:11 तक
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:50 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:45 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:39 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 , सूर्यास्त 06:40 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : ज्येष्ठ पूर्णिमा पुण्य , गण्डमूल चालू है , मन्वादि तिथि , श्री कबीर जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 साल में राजस्थान को

केंद्र प्रवर्तित योजनाओं में दिए 2 लाख 11 हजार करोड़ : भजनलाल

जयपुर, 10 जून (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्षों की सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की अद्भुत यात्रा को भारत के लिए प्रगति और गौरव के कल्याणकारी वर्ष बताए। भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत न केवल एक उभरती हुई शक्ति बन रहा है, बल्कि हमारा देश दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर तेजी से अग्रसर है। 2014 से पूर्व भारत चुनौतियों से जूझ रहा था, लेकिन पथ प्रदर्शक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मजबूत संकल्प, अदम्य इच्छाशक्ति और जन–केंद्रित दृष्टिकोण के साथ भारत की तकदीर और तस्वीर बदल दी। प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल भारत को एक नई दिशा दी, बल्कि इसे वैश्विक मंच पर एक सम्मानजनक और शक्तिशाली पहचान भी दिलाई। आज भारत की आवाज विश्व मंच पर न केवल आदर से सुनी जाती है, बल्कि उसका सम्मान भी किया जाता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री का सपना है कि भारत पुनः विश्व गुरु बने, जैसा कि वह प्राचीन काल में था। उनके नेतृत्व में भारत ने न केवल आर्थिक और तकनीकी प्रगति की, बल्कि अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को पुन: स्थापित किया है। योग और आयुर्वेद को वैश्विक मंच पर सम्मान मिला और भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा आज विश्व को दिशा दिखा रही है। आज भारत एक ऐसी शक्ति है जो न केवल अपनी सीमाओं को सुरक्षित रखता है, बल्कि वैश्विक शांति और सहयोग के लिए भी काम करता है। आत्मनिर्भर भारत का उनका नारा केवल एक नारा नहीं, बल्कि भारत के हर नागरिक के लिए एक प्रेरणा है। हम सभी को मिलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करना चाहिए, जिन्होंने भारत को एक नई ऊंचाई पर पहुंचाया। विकसित भारत की यह यात्रा यहीं समाप्त नहीं होती। हमें उनके नेतृत्व में और अधिक मेहनत करनी होगी, ताकि भारत 2047 तक एक विकसित, समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र बने।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के समावेशी विकास पर विशेष जोर दिया। इसलिए उन्होंने GYAN यानि गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति पर ध्यान केंद्रीत किया। पीएम मोदी ने कमजोर वर्ग के सशक्तिकरण के लिए पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 81 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज वितरित किया, 15 करोड़ से अधिक घरों में नल से जल कनेक्शन प्रदान किए, पीएम आवास योजना के तहत 4 करोड़ से ज्यादा घरों का निर्माण किया गया, माताओं–बहनों के लिए 12 करोड़ शौचालयों का निर्माण कराकर उन्हें सम्मान से जीवन जीने का हक प्रदान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा प्रदान करने के साथ ही पहली बार केंद्र सरकार में 60 प्रतिशत मंत्री एससी, एसटी या ओबीसी वर्ग से शामिल किए।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 वर्षों के कार्यकाल में देशभर की 10 करोड़ से ज्यादा महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ते हुए 3 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का संकल्प लिया।

राजस्थान को 4 हजार मेगावाट आवर बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली का आवंटन

जयपुर, 10 जून (एजेंसियां)।

राजस्थान को केन्द्रीय बिजली मंत्रालय द्वारा वायबिलिटी गैप फंडिंग के अंतर्गत 4 हजार मेगावाट आवर की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली का आवंटन किया गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय विद्युत मंत्री मनोहरलाल का आभार प्रकट करते हुए कहा है कि यह आवंटन राज्य में ऊर्जा क्षेत्र को नई दिशा देने के साथ ग्रीन एनर्जी के लक्ष्यों की प्राप्ति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

वीजीएफ के अंतर्गत यह सहायता भारत सरकार के पावर सिस्टम डेवलपमेंट फंड से दी जाएगी। राजस्थान को 4 हजार मेगावाट आवर की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के लिए 18 लाख रुपए प्रति मेगावाट आवर की दर से 720 करोड़ रुपए की केन्द्रीय सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस आवंटन के फलस्वरूप राज्य में बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं के विकास को गति मिलेगी, जिससे सौर और पवन ऊर्जा जैसे अक्षय स्रोतों से उत्पन्न बिजली को संरक्षित कर आवश्यकता अनुसार उपयोग में लाया जा सकेगा। इससे ग्रिड स्थिरता में भी सुधार होगा और गैर–सौर घंटों एवं पीक लोड के दौरान बिजली की निर्बाध व सुलभ आपूर्ति में सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार प्रदेश को ग्रीन एनर्जी हब बनाने के लिए संकल्पबद्ध है और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार समयबद्ध प्रस्ताव प्रस्तुत कर बीईएसएस प्रणाली का विकास करने के लिए तत्पर है।मुख्यमंत्री ने केंद्रीय विद्युत मंत्री को पत्र लिखकर और व्यक्तिशः मुलाकात कर राजस्थान को अतिरिक्त बीईएसएस क्षमता आवंटित करने का आग्रह किया था।

किसानों के उत्थान के लिए मोदी सरकार में अभिनव काम किए गए। वर्ष 2013–14 की तुलना में वर्ष 2025–26 में कृषि बजट में 5 गुना की वृद्धि की गई है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के लाभार्थियों को 3 लाख 70 हजार करोड़ रूपए वितरित, 25 करोड़ मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित, 2021–26 के लिए पीएम कृषि सिंचाई योजना के लिए 93 हजार करोड़ रूपए आवंटित किए गए। इसी तरह महिलाओं के लिए 4 करोड़ 20 लाख सुकन्या समृद्धि खाते खोले गए, पीएम मातृ वंदना योजना के तहत लगभग 4 करोड़ गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को 18 हजार करोड़ से अधिक की राशि वितरित की गई। सवेतन मातृत्व अवकाश 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह किया गया।

टोंक के बनास नदी में 8 युवकों की डूबने से मौत

3 को सुरक्षित निकाला,सीएम भजनलाल ने जताया दु:ख

जयपुर, 10 जून (एजेंसियां)।

जयपुर घाट गेट से बनास नदी में नहाने गए 11 युवकों में से 8 की दुखद रूप से डूबने से मौत हो गई है। यह हृदय विदारक घटना टोंक जिले में बनास नदी के किनारे हुई, जहाँ खुशियों की तलाश में आए इन युवाओं को काल ने अपनी आगोश में ले लिया। हादसे में 3 युवक सुरक्षित बाहर निकाल लिए गए हैं।

यह खबर सुनते ही टोंक से लेकर जयपुर तक शोक की लहर दौड़ गई। जिन घरों से हँसते–खेलते युवा निकले थे, वहाँ अब चीख–पुकार और मातम का माहौल है। स्थानीय लोगों की मदद से सभी शवों को बनास नदी से बाहर निकाला गया। यह मंजर इतना दर्दनाक था कि देखने वालों की रूह काँप उठी।

सभी 8 शवों को सआदत अस्पताल लाया गया है, जहाँ उन्हें मोर्चरी में रखवाया गया है। अस्पताल परिसर में भारी भीड़ जमा है, जिनमें मृतकों के परिजन और परिचित शामिल हैं। हर आँख नम है और हर चेहरा इस असहनीय पीड़ा में डूबा है। टोंक के पुलिस अधीक्षक विकास सागवान और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजेंद्र भाटी सहित अन्य अधिकारी अस्पताल में मौजूद हैं, जो स्थिति का जायजा ले रहे हैं और परिजनों को ढाँढस बँधा रहे हैं।इस बीच, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने घटना पर दुख जताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, टोंक जिले में स्थित बनास नदी में युवकों की डूबने से हुई मृत्यु का समाचार अत्यंत दुःखद और पीड़ादायक है। घटना की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन के अधिकारियों को त्वरित रूप से रेस्क्यू एवं राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ : बागडे

डीडवाना, 10 जून (एजेंसियां)।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को केंद्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से मिले, ग्रामीण क्षेत्र में आमजन को योजनाओं की जानकारी देकर लाभांवित करे तथा विद्यार्थियों की शैक्षणिक अभिवृद्धि के लिए विशेष प्रयास किये जाए।

राज्यपाल बागड़े मंगलवार को नगर परिषद कुचामन के मीटिंग हॉल में डीडवाना–कुचामन जिले के जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे।

बागडे ने विभागवार योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए शिक्षा विभाग को नई शिक्षा नीति के अनुरूप शिक्षण – प्रशिक्षण कराते हुए विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने व उनके सर्वांगीण विकास के प्रयास करने के लिए निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि भारत के ऐतिहासिक एवं प्राचीन ग्रंथ ज्ञान के महत्वपूर्ण भंडार हैं। इससे विद्यार्थियों के बौद्धिक ज्ञान में वृद्धि हो ऐसे प्रयास हमारी शिक्षण व्यवस्था द्वारा किये जाए। उन्होंने जिले के ग्रामीण क्षेत्र में ड्रॉप–आउट विद्यार्थियों को पुन: शिक्षा से जोड़ने हेतु किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं लगाने के निर्देश दिए। बागडे ने पीएम आवास योजना की समीक्षा करते हुए पात्र व्यक्तियों को आवास उपलब्ध कराने, पीएम ग्राम सड़क योजना के तहत दूर–दराज तक के गांवों व ढाणियों को सड़कों से जोड़ने, जल जीवन मिशन के अन्तर्गत नल कनेक्शन से शेष रहे घरों तक शीघ्र नल द्वारा जल पहुंचाने के लिए निर्देश दिए।

उन्होंने जिले में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों की जानकारी लेकर बारिश के मौसम में अधिकाधिक वृक्षारोपण करने, ग्रामीण क्षेत्रों में तालाबों की सफाई कराने तथा वर्षा जल का संग्रहण के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन के कार्यों की समीक्षा करते हुए शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में कचरा संग्रहण व निस्तारण व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की और कचरे को उचित प्रकार से निस्तारित करने, जैविक खाद बनाने के लिए निर्देश दिए। ।

18 मई को हुई असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा रद्द हो : दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़, 10 जून (एजेंसियां)।

सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने ख्क्षडउ द्वारा बीते 18 मई को आयोजित लिखित परीक्षा में हुई गम्भीर अनियमितताओं का हवाला देते हुए मांग करी कि जो तथ्य सामने आये हैं उसके आधार पर केवल परीक्षा ही रद्द न हो बल्कि एचपीएससी पर कानूनी कार्रवाई करते हुए चैयरमैन को बर्खास्त किया जाए। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि जब अनियमितताओं की शिकायतों को लेकर अभ्यर्थी एचपीएससी चेयरमैन के पास गये तो उन्होंने हरियाणा के बच्चों को ही सनकी बता दिया। ऐसे एचपीएससी चेयरमैन को अपने पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है, वो स्वयं इस्तीफा दें। प्रदेश की बीजेपी सरकार हरियाणा के नौजवानों का भविष्य चौपट करने में लगी है, इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस मुद्दे पर सांसद जय प्रकाश ने कहा कि ख्क्षडउ चेयरमैन और सचिव की जिम्मेदारी तय हो और उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करके उनको गिरफ्तार किया जाए।

मीडिया से बात करते हुए दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में ऐसी कोई भर्ती नहीं हुई जिसका पेपर लीक या परीक्षा रद्द न हुई हो। इसके चलते हजारों युवा ओवरएज हो गए और सरकारी नौकरी पाने का उनका सपना पूरी तरह टूट गया। कभी परीक्षा रद्द, कभी पेपर लीक, कभी दफ्तर में घू–सखोरी तो कभी प्रश्न पत्र में सवाल ही कॉपी पेस्ट करके परीक्षा की शुचिता, मर्यादा तार–तार की गई।

सोनी समाज ने की स्वर्णकला बोर्ड के गठन की मांग

जींद, 10 जून (एजेंसियां)।

हरियाणा में सोनी समाज और अन्य वंचित वर्गों की राजनीतिक एवं सामाजिक भागीदारी सुनिश्चित करने की मांग तेज हो गई है। लोक संपर्क विभाग हरियाणा के रिटायर्ड डीआईपीआरओ सुरेन्द्र कुमार वर्मा कोथ ने हरियाणा स्वर्णकलां बोर्ड के गठन की वकालत की है, ताकि वर्षों से उपेक्षित इन समाजों के हितों का संरक्षण हो सके। वह जींद में सोनी समाज के प्रबुद्ध नागरिकों की एक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे, जिसमें अखिल भारतीय स्वर्णकार संघ जींद के जिला युवा प्रधान राजेन्द्र सोनी, मैढ क्षत्रिय सुनार धर्मशाला समिति रामराय के कार्यकारी प्रधान रविन्द्र आर्य सहित साधूराम, संजीव कुमार, विकास, सतीश, सुभाष वर्मा, शुभम और ताराचंद जैसे सक्रिय सदस्यों ने भाग लिया।सुरेन्द्र वर्मा ने इस अवसर पर कहा कि हरियाणा स्वर्णकला बोर्ड के गठन के साथ ही, विभिन्न सरकारी बोर्डों, निगमों, आयोगों, सामान्य बॉडी, न्यायिक, शिक्षण व अन्य समकक्ष संस्थाओं में चेयरमैन, सदस्य, कोआर्डिनेटर, वाइस चांसलर या अन्य सम्मानित पदों पर सोनी समाज के निस्वार्थ भाव से काम करने वाले, साफ छवि वाले और सुयोग्य व्यक्तियों को ही अवसर दिए जाने चाहिए।

जेजेपी ने 13 वरिष्ठ पदाधिकारियों की घोषणा की

चंडीगढ़, 10 जून (एजेंसियां)।

जननायक जनता पार्टी ने अपने संगठन नवनिर्माण के तहत कई वरिष्ठ पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण नियुक्तियां की है। जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला ने वरिष्ठ नेताओं से विचार–विमर्श करके 13 वरिष्ठ पदाधिकारियों की नियुक्तियों की सूची जारी की। जेजेपी ने पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला और डॉ. केसी बांगड़ को वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी हैं। राधेश्याम शर्मा को राष्ट्रीय प्रधान महासचिव, राजेंद्र लितानी को राष्ट्रीय संगठन सचिव, रणधीर सिंह झांझड़ा को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, धर्मबीर सिहाग को राष्ट्रीय कार्यालय सचिव और दलबीर धनखड़ को राष्ट्रीय प्रचार सचिव बनाया हैं। इनके अलावा जेजेपी ने अनुशासन समिति का भी गठन कर दिया हैं। इस कमेटी में पूर्व वीसी अजमेर सिंह मलिक को चेयरमैन के पद पर नियुक्त किया हैं। साथ ही एडवोकेट कलम सिंह, रिटायर्ड ईआईसी निहाल सिंह, एडवोकेट विजय बंसल, एडवोकेट अदरीश खान और पूर्व सूचना आयुक्त एडवोकेट पंकज मेहता अनुशासन समिति के सदस्य होंगे।

नायब सिंह सैनी के साथ विधायकों और स्टाफ ने किया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस प्रोटोकॉल का अभ्यास

चंडीगढ़, 10 जून (एजेंसियां)।

हरियाणा विधान सभा का परिसर मंगलवार को योगमय दिखाई दिया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश के विधायकों और विधान सभा के अधिकारी कर्मचारियों ने मनोयोगपूर्वक योग किया। हरियाणा योग आयोग और आयुष विभाग की समर्पित टीम ने यह योग प्रोटोकॉल करवाया। विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए सभी से 21 जून को होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में शामिल होने का आह्वान किया। यह योग अभ्यास सत्र सकारात्मक ऊर्जा, सहभागिता और स्वस्थ जीवनशैली के संदेश के साथ संपन्न हुआ।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने योग प्रोटोकॉल का पालन करते हुए विभिन्न आसन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास किया और सभी उपस्थित लोगों को भी नियमित योग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि योग भारत की अमूल्य धरोहर है, जो केवल शारीरिक स्वास्थ्य का साधन नहीं, बल्कि जीवन को पूर्ण रूप से संयमित और संतुलित बनाने का माध्यम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से पूरी दुनिया ने भारत की इस प्राचीन विद्या को अपनाया है। हम सबका दायित्व है कि योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं।

हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ जरूरी बैठक के कारण इस कार्यक्रम में सम्मिलित नहीं हो पाए। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि योग केवल शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि मन, आत्मा और शरीर के समन्वय का विज्ञान है। कल्याण ने सभी नागरिकों से अपील की कि 21 जून को आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में अधिक से अधिक भाग लें और योग को अपनी जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाएं।

कार्यक्रम में हरियाणा योग आयोग के रजिस्ट्रार डॉ. राजकुमार ने प्रोटोकॉल का अभ्यास करवाया। उन्होंने अपने प्रशिक्षकों के साथ मिलकर उपस्थित प्रतिभागियों को आयुष मंत्रालय द्वारा निर्धारित योग प्रोटोकॉल के अनुसार विभिन्न आसनों और प्राणायाम का अभ्यास करवाया। कार्यक्रम का संचालन हरियाणा विधान सभा के मीडिया एवं संचार अधिकारी दिनेश कुमार ने किया। योग आयोग के उपाध्यक्ष रोशन लाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।इस अवसर सहकारिता मंत्री अरविंद शर्मा, विस उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा, भाजपा विधायक दल के मुख्य सचेतक रामकुमार कश्यप समेत अनेक विधायक, आयुष विभाग के महानिदेशक संजीव वर्मा समेत अनेक अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

मोदी सरकार के 11 साल पर बोले योगी आदित्यनाथ

नया भारत शांति की रट नहीं लगाता, मुंहतोड़ जवाब देता है

लखनऊ, 10 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्ष का कार्यकाल भारत वर्ष के स्वर्णिम काल के रूप में जाना जाएगा। इस कार्यकाल में पीएम मोदी ने भारत को वैश्विक पहचान दी है। कांग्रेस समेत अन्य अस्थिर सरकारों से जो आम जन का विश्वास टूटा था। वैश्विक मंच पर जो भारत की छवि तार तार हुई थी उसे पीएम मोदी के नेतृत्व में भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और परिवारवाद से मुक्त नेतृत्व ने भारत को विकसित और आत्मनिर्भर बनाकर अगले 25 वर्ष की कार्ययोजना प्रस्तुत की है। इन 11 वर्षों ने सामाजिक और संस्कृतिक पक्ष के साथ ही सेवा, सुशासन के साथ आर्थिक मोर्चे पर देश को एक नई पहचान दी है।

शासन की नीति स्पष्टता, कार्य प्रणाली की पारदर्शिता और जनता के प्रति जवाबदेही शासन की नई पहचान बनी है। विकास केवल नारे नहीं हैं। इन वर्षों ने विरासत और विकास का समन्वय करते हुए हुए देश को दुनिया में नई पहचान दिलाई। अब चेहरा देख कर नहीं बल्कि जरूरत देख कर सरकारी योजनाओं का लाभ दिया जाता है। मुख्यमंत्री योगी मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर भाजपा मुख्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पिछले 11 साल में राष्ट्रीय एकता और अखंडता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस को हमने देखा है। यह 11 साल का समय उस वक्त पूरा हो रहा है जब भारत की सामरिक शक्ति को

पूरे विश्व ने देखा है। पाकिस्तान में टेस्टेड और दुनिया में ट्रस्टेड भारत की सैन्य शक्ति मानी गई है। कोई हम पर युद्ध थोपेगा तो उसका जवाब सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और आपरेशन सिंदूर से दिया जाएगा। अब भारत दुनिया में शांति की रट लगाने वाला देश नहीं है बल्कि युद्ध थोपने पर कड़ा जवाब देने वाला देश है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इन 11 वर्षों में भारत को एक भारत श्रेष्ठ भारत के रूप में प्रदर्शित किया गया है। विकसित भारत के लिए पंच प्रण और 11 संकल्प बताए गए हैं। 11 साल में भारत ने विकसित भारत की आधारशिला पंच प्रण के आधार पर रखी है। समावेशी विकास शुरू किए गए हैं। ढांचागत विकास का मॉडल बनाया है। तकनीक के उपयोग के माध्यम से भ्रष्टाचार पर काबू पाया गया। पिछले 11 साल में जितना कुछ तकनीक के माध्यम से किया गया पिछले 65 साल में नहीं हो सका था। वंशवाद और परिवारवाद की राजनीति जातिवाद को भी बढ़ावा देती है। ऐसी पुनरावृत्ति फिर ना हो जिसकी वजह से पहले देश को गुलाम होना पड़ा था।

मोदी सरकार के कार्यकाल में महिलाओं का नेतृत्व बढ़ाया गया है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में हर हाल में आरक्षण की सुरक्षा की गई है। सामाजिक न्याय को सुरक्षित किया गया है। पिछले 11 साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमने नए भारत का दर्शन किया। पिछले 11 वर्ष में भारत ने 11वीं से चौथी अर्थव्यवस्था बनने का गौरव प्राप्त किया। हमने उस ब्रिटेन को पछाड़ा जो हम पर 200 साल तक राज कर चुका है। भारत ने अपनी प्रति व्यक्ति आय को 11 साल में दोगुना किया है। भारत का निर्यात कई गुना बढ़ा है। भारत की विकास दर जिस तरह बढ़ रही है उससे 2027 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा।

मोदी सरकार के कार्यकाल में देश की सांस्कृतिक और धार्मिक नगरों को पहचान दी गई। अयोध्या में 500 साल के बाद राम मंदिर का निर्माण हुआ तो देश भर के प्रमुख तीर्थस्थानों का नया स्वरूप हमारे सामने आया है। अयोध्या को विश्वभर में धार्मिक नगरी के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है। इसके साथ ही सरकार पटेल की भव्य प्रतिमा की स्थापना और नेता जी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा स्थापित कर उन्हें सम्मान देना। मोदी सरकार ने देश की विरासत को विकास के साथ जोड़ा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार के 11 साल का कार्यकाल सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन को गति प्रदान करतीं प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, जन धन योजना और प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना जैसी अनेक लोक-कल्याणकारी पहलें आमजन के जीवन को सुगम, वंचित को सशक्त और व्यवस्था को परिणाम दायक बनाने के प्रति प्रधानमंत्री जी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं। विरासत से विकास तक, मेट्रो की रफ्तार से सस्ती-सुगम हवाई यात्रा तक, वंदे भारत ट्रेनों से नए राजमार्गों तक, इंफ्रास्ट्रक्चर से इंडस्ट्री तक, कृषि से कॉमर्स तक, राष्ट्रीय सुरक्षा से सामाजिक सुरक्षा तक, सामाजिक समृद्धि से सामाजिक न्याय तक, भारत विविध क्षेत्रों में विकास की एक नई गाथा लिख रहा है। आस्था, अस्मिता, आजीविका और अर्थव्यवस्था के उत्कर्ष को सुनिश्चित करते सेवा के 11 साल भारत को महाशक्ति बनाने का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

पुलिस भर्ती में चुने गए अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र देंगे अमित शाह

लखनऊ, 10 जून (एजेंसियां)। यूपी पुलिस के 60244 पदों पर सीधी भर्ती में चयनित अभ्यर्थियों को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह नियुक्ति पत्र देंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को दिल्ली में गृह मंत्री से भेंट कर उन्हें कार्यक्रम में आने के लिए आमंत्रित किया। कार्यक्रम में सभी चयनित अभ्यर्थियों को बुलाया गया है।

नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम वृंदावन योजना स्थित डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में होना प्रस्तावित है। इसके लिए सभी जिलों के कप्तानों से चयनित अभ्यर्थियों को राजधानी भेजने को कहा गया है। वहीं, लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट उनके रहने और खाने-पीने का बंदोबस्त करेगा। कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के सभी वरिष्ठ मंत्री, गृह विभाग और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे।

नवचयनित सिपाहियों में 12048 महिलाएं भी शामिल हैं। पहली बार किसी पुलिस बल में इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। कार्यक्रम में यूपी के अलावा अन्य प्रदेशों के चयनित अभ्यर्थी भी हिस्सा लेंगे। तत्पश्चात 22 जून से सभी जिलों में जनरल ट्रेनिंग कोर्स के लिए भेज दिए जाएंगे। वहीं जुलाई माह से नौ माह का आधारभूत प्रशिक्षण लेने रीजनल ट्रेनिंग सेंटर भेजे जाएंगे।

सीएम योगी के दौरे से पहले 500 किलो विस्फोटक का जखीरा मिला

सर्वे की आड़ में बहराइच में बिछाया जा रहा था विस्फोटक

बंगाल के 70 लोग गिरफ्तार, मजार को ध्वस्त किया गया

बहराइच, 10 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बहराइच दौरे के पहले पुलिस ने करीब 500 किलो विस्फोटक पकड़ा है, जिसे जमीन के अंदर बिछाया गया था। इस मामले में 70 बंगाली मुस्लिमों को गिरफ्तार किया गया है। बाहर से आकर यूपी में अशांति फैलाने की कोशिशों में लगे कट्टर इस्लामिक तत्वों ने एक मजार को अड्डा बना लिया था, उसे भी ध्वस्त कर दिया गया है।

पुलिस ने बताया कि हरदी इलाके के सिकंदरपुर गांव के पास करीब 200 लोग तीन गाड़ियों में आए और खुद को एक तेल कंपनी का सर्वे करने वाला मुलाजिम बताया। उन लोगों ने 20 किलोमीटर के इलाके में जमीन में छेद करके अमोनियम नाइट्रेट विस्फोटक बिछाना शुरू कर दिया। ये विस्फोटक बाल-ासराय, लखनापुर, सधुवापुर, सिकंदरपुर और औराही जैसे कई गांवों में बिछाए गए थे। गांव वालों ने तुरंत महसी के विधायक सुरेश्वर सिंह को इस मामले की जानकारी दी। विधायक तुरंत मौके पर पहुंचे और अधिकारियों को सूचना दी, लेकिन शुरुआत में कोई नहीं आया। जब इसकी जानकारी बड़े अधिकारियों को दी गई तब जाकर स्थानीय पुलिस सक्रिय हुई। तुरंत एसडीएम, एसपी और अन्य बड़े अधिकारी मौके पर पहुंचे। वहां गाड़ियों में भारी मात्रा में विस्फोटक लदा हुआ मिला। विधायक सुरेश्वर सिंह ने यह भी आरोप लगाया कि इतना विस्फोटक मिलने के बाद भी स्थानीय पुलिस अधिकारी गांव वालों पर गाड़ियों को छोड़ने का दबाव डाल रहे थे।

विधायक सुरेश्वर सिंह का कहना है कि मुख्यमंत्री के दौरे से ठीक एक दिन पहले इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक का मिलना किसी बड़ी साजिश की ओर इशारा करता है। बहराइच के ग्रामीण एएसपी डीपी तिवारी ने बताया कि अब तक 70 लोगों को पकड़ा गया है और इनमें से ज़्यादातर पश्चिम बंगाल के हैं। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने पहले ही पुलिस को अलर्ट किया था कि 37 बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठिए नेपाल की सीमा से होते हुए बहराइच में घुसपैठ कर सकते हैं। लेकिन बहराइच पुलिस पर इन सूचनाओं का कोई असर नहीं पड़ा।

केजीएमयू के अध्ययन में निकला निष्कर्ष, रिपोर्ट प्रकाशित

कोरोना से डरने की जरूरत नहीं, न लगवाएं बूस्टर डोज

लखनऊ, 10 जून (एजेंसियां)। कोरोना को लेकर आ रहे केस से घबराने की जरूरत नहीं है। न ही इसके लिए बूस्टर डोज लेने की जरूरत है। एक अध्ययन में यह खुलासा हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर आप वैक्सीन की दो खुराक ले चुके हैं तो घबराने की जरूरत नहीं है। आपको तीसरी खुराक लेने की जरूरत भी नहीं है। आपके शरीर में कोविड-19 वायरस के खिलाफ पर्याप्त एंटीबॉडी हैं। एल्सेवियर से प्रकाशित केजीएमयू के साझा अध्ययन में यह निष्कर्ष निकला है।

अप्रैल से सितंबर 2023 के बीच हुए इस अध्ययन में लखनऊ समेत आसपास के 10 जनपदों के 7643 निवासियों को शामिल किया गया। इनमें से 643 में सेलुलर एंटीबॉडी और 7000 में ह्यूमरल एंटीबॉडी की जांच की गई। सेलुलर एंटीबॉडी वालों में पांच से 12 वर्ष के 139 बच्चे, 13 से 17 वर्ष के 75 किशोर थे। बच्चों को वैक्सीन नहीं लगी थी। ह्यूमरल एंटीबॉडी वाले समूह में सभी शामिल थे। इनके खून के नमूने लेकर एंटीबॉडी जांची गई। इसमें देखा गया कि बच्चों में

एंटीबॉडी का स्तर कम था। पहली के बाद दूसरी डोज लेने के बाद एंटीबॉडी का स्तर बढ़ा था। दो डोज लेने वालों में एंटीबॉडी की मात्रा काफी ज्यादा थी। वहीं, दूसरी के बाद तीसरी खुराक लेने वालों में एंटीबॉडी की मात्रा में नाममात्र ही वृद्धि देखने को मिली। ऐसे में दो खुराक ले चुके लोगों को तीसरी खुराक लेने की जरूरत नहीं है।

केजीएमयू के संक्रामक रोग प्रभारी डॉ. डी हिमांशु ने बताया कि ह्यूमरल और सेलुलर प्रतिरक्षा (एंटीबॉडी) शरीर की दो मुख्य प्रतिरक्षा प्रणाली हैं। ये शरीर को रोगजनक और अन्य खतरों से बचाने के लिए एक साथ काम करती हैं। ह्यूमरल प्रतिरक्षा एंटीबॉडी का उत्पादन करने के लिए बी कोशिकाओं पर निर्भर करती है। सेलुलर प्रतिरक्षा वायरस और बैक्टीरिया को खत्म करने के लिए टी कोशिकाओं के माध्यम से एंटीबॉडी को सक्रिय करती हैं। वायरस को खत्म करने के लिए बी कोशिकाओं को उसके ऊपर चिपकना पड़ता है। वहीं, सी कोशिकाएं वायरस या बैक्टीरिया को लंबे समय तक उसके संपर्क में आते ही खत्म करती रहती हैं। अध्ययन में शामिल लोगों ने कोवीशील्ड और कोवॉक्सीन लगवाई थी। जांच करने पर दोनों में एंटीबॉडी का स्तर समान मिला। इससे साफ है कि इससे फर्क नहीं पड़ता कि आपने कौन सी वैक्सीन लगवाई थी।

अध्ययन में केजीएमयू की डॉ. गीता यादव, डॉ. डी हिमांशु, डॉ. हरदीप सिंह मल्होत्रा, डॉ. अमिता जैन, डॉ. श्रुति रडेरा, डॉ. अनिल कुमार वर्मा, डॉ. शैलेंद्र यादव, डॉ. नीरज कुमार शामिल थे। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग के राज्य सर्विलांस अधिकारी विकासेंदु अग्रवाल, कनाडा की मैनिटोबा यूनिवर्सिटी से रवि प्रकाश, उत्तर प्रदेश टेक्निकल सपोर्ट यूनिट से जॉन एंथोनी और परिवार कल्याण एवं स्वास्थ्य महानिदेशालय से अनुज त्रिपाठी शामिल थे।

प्राथमिक स्कूलों में हुए बड़े पैमाने पर तबादले, आदेश जारी

लखनऊ, 10 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में जिले के अंदर परस्पर तबादले की सूची सोमवार को जारी कर दी गई है। शिक्षकों को 10 से 15 जून के बीच कार्यमुक्त व कार्यभार ग्रहण कराया जाएगा।

इस स्कीम के तहत 4636 जोड़ों यानी कुल 9272 शिक्षकों को तबादले का लाभ मिला है। इन शिक्षकों को 10 से 15 जून के बीच कार्यमुक्त व कार्यभार ग्रहण कराया जाएगा।

प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में लगभग दो महीने से परस्पर तबादले की प्रक्रिया चल रही है। इसके तहत हाल ही में एक से दूसरे जिले में परस्पर तबादले की सूची जारी की गई थी। इसमें 7000 से ज्यादा शिक्षकों को तबादले का लाभ मिला था। वहीं सोमवार को जिले के अंदर परस्पर तबादले की सूची जारी की गई है। बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव सुरेंद्र कुमार तिवारी की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि जिले के अंदर परस्पर तबादले के लिए आवेदन लेकर, बीएसए से ऑनलाइन सत्यापन व शिक्षकों की ओर से बनाए गए जोड़े के क्रम में इन शिक्षकों को

परस्पर तबादला दिया गया है। इसकी सूची एनआईसी के पोर्टल पर अपलोड कर दी गई है। शिक्षक व बीएसए इसके अनुसार आगे की प्रक्रिया पूरी करेंगे। इसके लिए अभिलेखों का ठीक से सत्यापन भी करेंगे।

वहीं बेसिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल की ओर से सभी बीएसए को जारी आदेश में कहा गया है कि इन परस्पर तबादला पाने वाले शिक्षकों को गर्मी की छुट्टियों में ही 10 से 15 जून के बीच कार्यभार ग्रहण व कार्यमुक्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बीएसए इस प्रक्रिया को निर्धारित समय में पूरा करें, इसमें लापरवाही मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। इसकी भी समीक्षा की जा रही है कि एक से दूसरे जिले में हुए हुए परस्पर तबादले में अभी तक कितने शिक्षक कार्यमुक्त किए गए हैं। पिछली बार हुए जिले के अंदर परस्पर तबादले में लगभग 20 हजार शिक्षकों को इसका लाभ मिला था। किंतु इस बार अपेक्षाकृत तबादले का लाभ पाने वाले शिक्षकों की संख्या कम है। उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने कहा कि अपने घर व जिले के पास तबादला पाने वाले शिक्षकों को यह बड़ा तोहफा है। अब शिक्षक और बेहतर तरीके से मन लगाकर पठन-पाठन का काम करेंगे।

15 जिलों में तबादले का मौका, 60 में अब जगह नहीं

लखनऊ, 10 जून (एजेंसियां)। बेसिक शिक्षा विभाग ने जिलों में खाली स्थानों का विवरण जारी कर दिया है। इसके लिए आवेदन प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में शिक्षक-छात्र अनुपात सुधारने की कवायद शुरू हो गई है। बेसिक शिक्षा विभाग ने सोमवार को परिषदीय विद्यालयों में एक से दूसरे जिले में तबादले के लिए खाली जगह का विवरण जारी कर दिया। इसके अनुसार बलरामपुर, बहराइच, श्रावस्ती समेत 15 जिलों में ही तबादलों का मौका मिलेगा। बाकी 60 जिलों में जगह खाली नहीं है। बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से जारी पदों के विवरण के अनुसार 15 जिलों में ग्रामीण क्षेत्र में असिस्टेंट टीचर प्राइमरी स्कूल के लिए 13266, हेड मास्टर प्राइमरी स्कूल में 410, असिस्टेंट टीचर अपर प्राइमरी स्कूल (6 से 8 तक) में 16009 व हेड मास्टर अपर प्राइमरी में 3369 शिक्षकों को तबादला लेने का मौका है। इसके माध्यम से पिछड़े जिलों में शिक्षकों की कमी को पूरा करने की कवायद की जाएगी। बेसिक शिक्षा परिषद सचिव सुरेंद्र कुमार तिवारी के अनुसार बलरामपुर, बांदा, बहराइच, बदायूं, हमीरपुर, जालौन, लखीमपुर खीरी, ललितपुर, मिर्जापुर, पीलीभीत, संभल, शाहजहांपुर, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर व सोनभद्र में ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षक तबादला ले सकेंगे। इन रिक्तियों की सूची सोमवार को निर्धारित वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। उन्होंने बताया कि शिक्षक-छात्र अनुपात सुधारने के क्रम में व बच्चों की सुविधा को देखते हुए यह रिक्तियां जारी की गई हैं। इन जिलों से कोई शिक्षक दूसरे जिले में तबादला नहीं लेंगे। वहीं अन्य 60 जिलों में अभी तबादले के लिए रिक्ति नहीं है। उन्होंने बताया कि इन जिलों में तबादले के लिए ऑनलाइन आवेदन सोमवार से शुरू हो गए हैं जो 12 जून तक चलेंगे। शिक्षक ऑनलाइन आवेदन की प्रति बीएसए कार्यालय में 09 से 13 जून तक जमा करेंगे। बीएसए 14 जून तक ऑनलाइन सत्यापन कर डाटा लॉक करेंगे। वहीं एनआईसी 16 जून को तबादला सूची जारी करेगी। जबकि उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के निर्भय सिंह ने कहा कि एक से दूसरे जिले में सामान्य तबादले की प्रतीक्षा कर रहे शिक्षकों को इस बार कोई राहत नहीं मिलने वाली है। सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, प्रयागराज, लखनऊ, एनसीआर आदि जिलों में जाने के लिए आवेदन नहीं किए जा सकेंगे।

मथुरा निगम की बैठक : बांकेबिहारी मंदिर कॉरिडोर निर्माण का प्रस्ताव पास

मथुरा, 10 जून (एजेंसियां)। मथुरा नगर निगम की बैठक में श्रीबांकेबिहारी की जयघोष के साथ प्रस्तावित श्रीबांकेबिहारी कॉरिडोर निर्माण का मौखिक रूप से प्रस्ताव पास हो गया है। अधिकतर पार्षदों ने सरकार की इस योजना का समर्थन किया, जबकि श्रीबांकेबिहारी मंदिर क्षेत्र के पार्षद घनश्याम चौधरी ने पुरजोर इसका विरोध किया। फिर घनश्याम चौधरी और अन्य पार्षदों में नोकझोंक शुरू हो गई और हंगामा होने लगा। बैठक का माहौल बिगड़ता देख महापौर ने पार्षदों को शांत कराया। पार्षद बोले मथुरा-वृंदावन का बच्चा-बच्चा कॉरिडोर निर्माण चाहता है।

यह बैठक मसानी तिराहे के निकट एक निजी होटल में आयोजित की गई। इस दौरान में महापौर विनोद अग्रवाल, नगर आयुक्त जग प्रवेश समेत सभी वार्डों के पार्षद मौजूद रहे। इस दौरान महापौर विनोद अग्रवाल ने कहा है कि श्रीबांकेबिहारी जी के दर्शन के लिए हर साल श्रद्धालुओं की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। इसलिए सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर श्रीबांकेबिहारी कॉरिडोर निर्माण का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा है कि मथुरा-वृंदावन के लोगों को महीनों गुजर जाते हैं, लेकिन आराध्य के सुगमता से दर्शन नसीब नहीं होते हैं। इसका मुख्य कारण श्रीबांकेबिहारी मंदिर में भीड़ का दबाव है।

श्रद्धालुओं की भीड़ को देखकर

स्थानीय लोग मंदिर जाने में संकोच करते हैं। यहीं नहीं उन्होंने कई ऐसे उदाहरण दिए, जो मंदिर की अव्यवस्थाओं के चलते श्रद्धालुओं को परेशानी झेलनी पड़ी है। इससे मथुरा के लोगों को अधिक कष्ट होता है। साथ ही कहा है कि भीड़ के दबाव के कारण व्यापार को भी चपत लग रही है। भीड़ के दबाव के कारण श्रद्धालु दुकानों पर रुकने की वजह बाहर निकलने का प्रयास करते हैं। बिना कुछ खरीदारी किए श्रद्धालु चले जाते हैं। इसका खामियाजा व्यापारियों को भुगतना पड़ रहा है। इसलिए श्रीबांकेबिहारी कॉरिडोर का निर्माण समय की आवश्यकता है।

महापौर की इस बात पर सभी पार्षदों ने एक स्वर में बांकेबिहारी के जयकारे लगाए। साथ ही कहा कॉरिडोर निर्माण समय की आवश्यकता है। हालांकि श्रीबांकेबिहारी क्षेत्र के पार्षद घनश्याम चौधरी ने इसका विरोध जताया है। उनका कहना है कि कॉरिडोर निर्माण से वृंदावन की कुंज गलियां समेत पुरातन संस्कृति नष्ट हो जाएगी। साथ ही सैकड़ों लोग प्रभावित होंगे।

घनश्याम चौधरी के विरोध के बाद मौजूद अन्य पार्षदों ने हंगामा शुरू कर दिया और घनश्याम को चारों तरफ से घेर लिया। माहौल बिगड़ता देख महापौर ने पार्षदों का शांत कराया। इस दौरान पार्षद दल के नेता बालकिशन चतुर्वेदी, नीनू कुंजबिहारी भारद्वाज, नीरज वशिष्ट, ब्रजेश खरे, राजवीर सिंह, तेजवीर सिंह, संतोष पाठक, राकेश भाटिया और राकेश यादव समेत अन्य पार्षद मौजूद रहे।

महापौर विनोद अग्रवाल ने कहा है कि गोस्वामी समाज की मांगों के अनुरूप ही कॉरिडोर का निर्माण कराया जाएगा। इससे प्रभावित होने वाले किसी का भी अहित नहीं होगा। प्रशासन इसकी प्रक्रिया में लगा है।

साथ ही कहा कि गोस्वामी बिहारपुरा में आवास चाहते हैं तो इसका भी हल निकाला जाएगा। उन्होंने साफ-साफ कहा है कि गोस्वामी समाज के लोग किसी भी अफवाह पर ध्यान नहीं दें। पार्षद इसमें सहयोग करेंगे। महापौर ने कहा है कि कॉरिडोर निर्माण के अलावा श्रीबांकेबिहारी क्षेत्र में और विकास की आवश्यकता है।

इसमें उन्होंने सभी पार्षदों का सहयोग मांगा है। कहा है कि पिछले सात सालों में नगर निगम क्षेत्र में अधिक से अधिक विकास हुआ है। भले ही मथुरा-वृंदावन नगर निगम इंदौरा और बड़ौदा नहीं बन पाया हो, लेकिन विकास काफी हुआ है। आगे भी यह प्रयास जारी रहेगा। वहीं उन्होंने प्रस्तावित भूमिगत नाले का निर्माण कराने का जिक्र किया। कहा है कि 90 करोड़ रुपए से भूमिगत नाले का निर्माण कराया जाएगा। इससे जलभराव की समस्या से निदान मिलेगा।

जीवन बीमा कंपनियों का नए प्रीमियम संग्रह 11 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)।

चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों में जीवन बीमा कंपनियों ने नए व्यवसाय से प्रीमियम संग्रह में 10.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। जीवन बीमा परिषद ने हाल ही में जारी आंकड़ों में बताया कि मई 2025 में नए व्यवसाय से प्रीमियम संग्रह में 12.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

नए व्यवसाय से प्रीमियम आय मई 2025 में बढ़कर 30,463 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 27,034 करोड़ रुपये थी। आंकड़ों से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2025-26 के पहले दो महीनों में संग्रह सालाना आधार पर 47,293 करोड़ रुपये से बढ़कर 52,427 करोड़ रुपये हो गया। मई 2025 में संयुक्त व्यक्तिगत प्रीमियम संग्रह में 3.35 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बताया गया है कि जीवन बीमा उद्योग में व्यक्तिगत एकल प्रीमियम में सालाना आधार पर 5.21 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह मई 2025 में 3,525 करोड़ रुपये रहा। देश की प्रमुख जीवन बीमा कंपनी एलआईसी का नए व्यवसाय से प्रीमियम मई 2025 में 10.27 प्रतिशत बढ़कर 18,405.04 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले इसी महीने में 16,690.39 करोड़ रुपये था।

भारत बना साउथ ईस्ट एशिया का नया टूरिज्म हॉटस्पॉट

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्व एशियाई देश अब भारतीय पर्यटकों को लुभाने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं। थाईलैंड, सिंगापुर, मलेशिया, वियतनाम, इंडोनेशिया और म्यांमार जैसे देशों ने वीजा नियम आसान करने, प्रमोशनल कैंपेन चलाने और भारतीयों के लिए खास ट्रैवल पैकेज लॉन्च करने जैसे कई कदम उठाए हैं। एक वैश्विक यात्रा डाटा कंपनी के मुताबिक, मार्च 2025 तक की तय की गई उड़ानों के आंकड़े बताते हैं कि भारत और इन छह देशों के बीच सीटों की कुल उपलब्धता में 15.6 फीसदी की बढ़ोतरी होगी। साल 2025 में इन देशों और भारत के बीच कुल 10.8 मिलियन सीटें उपलब्ध होंगी, कई देशों ने वीजा नियम किए आसान जो 2024 में मौजूद 9.35 मिलियन सीटों की तुलना में बड़ी छलांग है। यह आंकड़ा न केवल एक नया रिकॉर्ड है, बल्कि यह कोविड-19 से पहले यानी 2019 की तुलना में भी 29 फीसदी अधिक है। थाईलैंड, सिंगापुर और मलेशिया जैसे देश अब भी हवाई यात्रा की सीट क्षमता के लिहाज से भारतीय यात्रियों की शीर्ष पसंद बने हुए हैं, लेकिन वियतनाम ने हाल के वर्षों में जबरदस्त बढ़त दर्ज की है।

न्यूज ब्रीफ

आगामी दिनों में 20 रुपए तक बढ़ सकते हैं सीमेंट के भाव

नई दिल्ली। आगामी दिनों में सीमेंट के दाम में बढ़ोतरी के आसार दिखाई दे रहे हैं। बाजार के जानकारों के मुताबिक आगामी दिनों में सीमेंट के दाम 5 से 6 प्रतिशत तक बढ़ सकते हैं। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि कंपनियां सीमेंट के दाम को लेकर जून के आखिरी तक फैसला ले सकती है। बाजार के जानकारों की मानें तो भारत में सीमेंट का कारोबार जनवरी से जून तक चरम में रहता है। इस दौरान मांग के अनुसार उत्पादन भी चरम पर रहता है। वहीं, जूलाई से लेकर दिसंबर तक बारिश के दिनों में भवन निर्माण का काम मंदा रहता है। ऐसे में अनुमान है कि पूर्वी और दक्षिणी भारत की सीमेंट कंपनियां कीमतों में इजाफा कर सकती है। हालांकि, अप्रैल और मई में की गई कीमत वृद्धि का कुछ हिस्सा जून में वापस लिया गया, लेकिन जून में एक और बढ़ोतरी की कोशिश हो सकती है।

पंजाब में बिजली की मांग 15,600 मैगावाट से अधिक पहुंची, इस बार बिजली की मांग जा सकती है 17,000 मैगावाट के पार

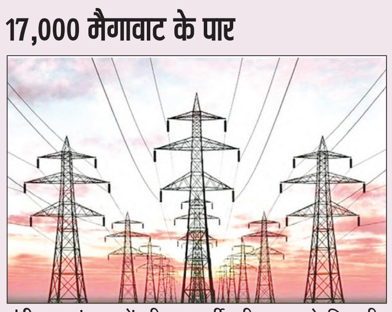

चंडीगढ़। पंजाब में भीषण गर्मी की वजह से बिजली की मांग 15,600 मैगावाट से ऊपर चली गई। इस बार धान की रोपाई का सीजन पिछले साल की तुलना में पहले शुरू हो गया है। तीसरे चक्र की धान की रोपाई शुरू हुई, इसके बाद चौथे चक्र की रोपाई शुरू होगी। देर शाम करीब पौने सात बजे तक पंजाब में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक रिकॉर्ड किया गया, जिससे एयर कंडीशनरों का उपयोग बहुत अधिक हो गया है। पिछले साल पंजाब में बिजली की सबसे अधिक मांग 16,069 मैगावाट दर्ज की गई थी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार यह मांग 17,000 मैगावाट से भी पार जा सकती है। इस समय राज्य में लहरा मोहब्बत स्थित गुरु हरगोबिंद थर्मल प्लांट का एक यूनिट बंद है, जबकि बाकी तीन यूनिट चालू हैं। इसी तरह रोपड़ स्थित गुरु गोबिंद सिंह सुपर थर्मल प्लांट के सभी चारों यूनिट, गोइंदवाल साहिब के दोनों यूनिट, राजपुरा प्लांट के दोनों यूनिट और तलवंडी प्लांट के तीनों यूनिट बिजली उत्पादन में लगे हुए हैं। इसके अतिरिक्त निजी बिजली परियोजनाओं से भी बिजली उत्पादन हो रहा है।

भारत में स्टारलिंक के डिवाइस की कीमत 33,000 रुपए तक संभव, स्टारलिंक की सेवा एक से दो महीने में शुरू होगी

नई दिल्ली। स्टारलिंक भारत में जल्दी ही सेवाओं की शुरुआत करने वाली है। भारत में स्टारलिंक के डिवाइस की कीमत 33,000 रुपये तक संभव है। सूत्रों के मुताबिक देश में स्टारलिंक की सेवाएं अगले 1-2 महीने में शुरू हो सकती हैं। इसका असीमित डाटा प्लान 3000 रुपए से शुरू होगा। यही नहीं डिवाइस के साथ एक महीने का मुफ्त ट्रायल भी उपलब्ध होगा। स्टारलिंक से दूरदराज के इलाकों में इंटरनेट की पहुंच संभव होगी। अन्य देशों की बात करें तो बांग्लादेश में स्टारलिंक का न्यूनतम प्लान 2900 रुपए का है। यहां कंपनी 3000 में असीमित डाटा दे रही है। वहीं बांग्लादेश में स्टारलिंक डिवाइस की कीमत 33,000 हजार रुपए है। इसी तरह भूटान में भी डिवाइस की कीमत 33,000 रुपए है। भूटान में असीमित डाटा पैक 3000 रुपए का है। स्टारलिंक को भारत में सेवा देने के लिए दूरसंचार विभाग का लाइसेंस मिल गया है। अब उसे सिर्फ इंडियन नेशनल स्पेस मोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर यानी, इन-स्पेस की स्वीकृति का इंतजार है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशियाई बाजार में तेजी का माहौल

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए थे। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजारों में आमतौर पर खरीदारी का जोर बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। हालांकि आखिरी वक्त में मुनाफा वसूली होने की वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स पूरे दिन के कारोबार के बाद मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। वहीं एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.09 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,005.88 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 0.31 प्रतिशत उछल कर 19,591.24 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 134.06 अंक यानी 0.31 प्रतिशत की तेजी के साथ 42,895.82 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.06 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,832.28 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,791.47 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 130.14 अंक यानी 0.54 प्रतिशत टूट कर 24,174.32 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आमतौर पर मजबूती नजर आ रही है। एशिया के 9 बाजार में से 8 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में से इकलौता स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,932.11 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.02 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 25,187 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,249.48 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 424.81 अंक यानी 1.95 प्रतिशत उछल कर 22,215.10 अंक के स्तर तक आ गया है।

इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 1.31 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,206.79 अंक के स्तर तक पहुंच गया है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 366.77 अंक यानी 0.96 प्रतिशत की बढ़त के साथ 38,455.34 अंक के स्तर पर, कोस्पी इंडेक्स 0.78 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,878.05 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.28 प्रतिशत उछल कर 1,138.42 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,403.52 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

सरकार ने कृषि वस्तुओं को तीन श्रेणियों में बांटा

नई दिल्ली। भारत ने अमेरिका के साथ प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत कृषि वस्तुओं पर अपनी बातचीत में लक्ष्मण रेखाएं खींच दी हैं। इसके तहत भारत ने अपने कृषि उत्पादों को तीन श्रेणियों में बांट दिया है। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि पहली श्रेणी में उन वस्तुओं को रखा गया है जिन पर कोई बातचीत नहीं हो सकती जबकि दूसरी श्रेणी में अत्यधिक संवेदनशील वस्तुओं को और तीसरी श्रेणी में उदारतापूर्वक विचार की जाने वाली वस्तुओं को रखा गया है। उन्होंने कहा कि यह वर्गीकरण वस्तुओं की आर्थिक एवं राजनीतिक संवेदनशीलता के आधार पर किया गया है। चावल और गेहूं जैसी मुख्य खाद्य वस्तुओं को पहली श्रेणी में रखा गया है जहां शुल्क में किसी भी तरह की रियायत पर विचार नहीं किया जा सकता है। काफी संवेदनशील वस्तुओं सेब आदि को रखा गया है जो हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों के किसानों के हितों से जुड़े हैं। इस श्रेणी की वस्तुओं पर न्यूनतम आयात मूल्य (एमआईपी) अथवा शुल्क दर कोटा के जरिये सीमित रियायतें दी जा सकती हैं। मगर भारत के अमीर लोगों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली महंगी वस्तुओं के आयात के मामले में सरकार उदार रुख अपना रही है जहां शुल्क में भारी छूट दी जा सकती है। इस श्रेणी में बादाम, पिस्ता, अखरोट, ब्लूबेरी आदि वस्तुएं शामिल हैं। दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर इस साल के आखिर तक हस्ताक्षर करने की प्रतिबद्धता जताई है। मगर भारत 9 जुलाई से लागू होने वाले अमेरिका के 26 फीसदी के जवाबी शुल्क से बचने के लिए जल्द से जल्द इस समझौते पर हस्ताक्षर करने पर जोर दे रहा है।

आरबीआई ने गोल्ड लोन नियमों में किया संशोधन

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गोल्ड लोन प्रक्रिया में महत्वपूर्ण बदलावों का ऐलान किया है, जिसमें सरलता, पारदर्शिता, और उपभोक्ता सुरक्षा को मजबूतियां मिलेंगी। नए नियमों के अनुसार, 1 अप्रैल 2026 से आगे गोल्ड लोन लेने वाले लोगों को बड़े पैमाने पर फायदा होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि 2.5 लाख रुपये तक के गोल्ड लोन के लिए अब ग्राहकों को अपने सोने की कीमत का 85 फीसदी तक कर्ज मिल सकेगा, जबकि पहले यह सीमा 75 फीसदी थी। इससे कम आय वर्ग के लोग भी अब अधिक लोन प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा 25 लाख रुपये तक के गोल्ड लोन के लिए आय प्रमाण पत्र और क्रेडिट स्कोर की आवश्यकता नहीं रहेगी। वहीं अगर ग्राहक 'बुलेट रीपेमेंट' विकल्प चुनते हैं, तो उन्हें अधिकतम 12 महीने में कर्ज लौटाना होगा। अब

1 अप्रैल 2026 से गोल्ड लोन लेने वाले लोगों को होगा फायदा

एक ग्राहक अधिकतम एक किलो सोने के गहने, 50 ग्राम सोने के सिक्के, 10 लो चांदी के गहने और 500 ग्राम चांदी के सिक्के ही गिरवी रख पाएगा। लोन चुकता होने के बाद बैंक या एनबीएफसी को अधिकतम सात कार्यदिवसों में गिरवी रखा गया सोना या चांदी लौटाना होगा, अन्यथा उन्हें प्रतिदिन 5,000 रुपये का मुआवजा देना होगा। चोरी या क्षति की स्थिति में ग्राहक को पूर्ण मुआवजा दिया जाएगा। नीलामी की स्थिति में ग्राहक को पहले नोटिस देना अनिवार्य होगा और नीलामी का न्यूनतम मूल्य बाजार मूल्य के 90 फीसदी से कम नहीं रखा जा सकेगा। ग्राहक को शेष राशि सात दिनों में लौटानी होगी।

टीवीएस मोटर ने टीवीएस अपाचे आरटीआर200 4वी की पेश

चेन्नई। दोपहिया एवं तिपहिया वाहन बनाने वाली टीवीएस मोटर कंपनी ने 2025 टीवीएस अपाचे आरटीआर 200 4वी मोटरसाइकिल श्रृंखला पेश की है। मोटरसाइकिल की नई श्रृंखला कंपनी की सभी डीलरशिप पर उपलब्ध है, जिसकी कीमत 1,53,990 रुपये (एक्स-शोरूम दिल्ली) से शुरू होती है। यह ओबीडी2बी के अनुरूप है और उन्नत प्रौद्योगिकी, बेहतर प्रदर्शन एवं बेहतर सुरक्षा सुविधाओं से लैस है। अपाचे मोटरसाइकिल श्रृंखला के 20 साल पूरे होने के मौके पर इसे पेश किया गया। टीवीएस मोटर कंपनी के प्रमुख ने कहा कि टीवीएस अपाचे ब्रांड सिर्फ एक मोटरसाइकिल के बारे में नहीं है, बल्कि यह एक वैश्विक अभियान है जिसने दो दशकों में 60 लाख से अधिक राइडर्स के जोशीले समुदाय को प्रेरित किया है।

एक्मे सोलर की राजस्थान में 75 मेगावाट सौर क्षमता शुरू

एक्मे सोलर होल्डिंग्स ने राजस्थान के सीकर में अपनी 300 मेगावाट की सौर परियोजना में से 75 मेगावाट क्षमता शुरू कर दी है। कंपनी ने बयान में कहा कि एक्मे सीकर सौर परियोजना में 165 मेगावाट क्षमता के चालू होने के बाद उक्त क्षमता को चालू किया गया। एक्मे सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड ने अपनी सीकर परियोजना में अतिरिक्त 75 मेगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता चालू की है, जिससे कुल चालू क्षमता नियोजित 300 मेगावाट में से 240 मेगावाट हो गई है। इसके साथ ही कंपनी की कुल परिचालन क्षमता बढ़कर 2,806.4 मेगावाट हो गई है।

पेंसिल्वेनिया में डेटा सेंटर पर 20 अरब डॉलर खर्च करेगी अमेजन

हैरिसबर्ग, 10 जून (एजेंसियां)।

अमेरिका की बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी अमेजन पेंसिल्वेनिया में दो डेटा सेंटर परिसरों पर 20 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च करने की योजना बना रही है। कंपनी ने कहा कि इसमें से एक परिसर को उस परमाणु ऊर्जा संयंत्र के साथ बनाया जा रहा है जो ऊर्जा संयंत्र से सीधे जुड़ने की व्यवस्था को लेकर संघीय जांच के घेरे में है।

अमेजन की क्लाउड कंप्यूटिंग अनुषंगी कंपनी अमेजन वेब सर्विसेज के वैश्विक डेटा सेंटर के उपाध्यक्ष केविन मिलर ने एसोसिएटेड प्रेस (एपी) को बताया कि कंपनी फिलाडेल्फिया के ठीक उत्तर में एक और डेटा सेंटर परिसर का निर्माण करेगी।

बयान में कहा गया है कि एक डेटा सेंटर उत्तरपूर्वी पेंसिल्वेनिया के सुस्केहाना परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास बनाया जा रहा है, जहां से इसे बिजली प्राप्त करने का इरादा है। दूसरा फेयरलेस हिल्स में एक लॉजिस्टिक्स कैंपस, कीस्टोन ट्रेड सेंटर में होगा जो कभी यूएस स्टील मिल हुआ करता था।

अमेजन ने कहा कि डेटा सेंटर को बिजली ग्रिड के माध्यम से बिजली मिलेगी। गौरतलब है कि कंपनी ने 2024 की शुरुआत से मिसिसिपी, इंडियाना, ओहियो और उत्तरी कैरोलिना में डेटा सेंटर परियोजनाओं के लिए लगभग 10-10 अरब डॉलर देने की प्रतिबद्धता जतायी है। कंपनी का लक्ष्य कृत्रिम मेधा उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अन्य प्रौद्योगिकी दिग्गजों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए अपनी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना है। वहीं बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने पेंसिल्वेनिया में बंद पड़े थ्री माइल आइलैंड परमाणु ऊर्जा संयंत्र के मालिक के साथ एक पहले ही समझौता किया है।

गोयल ने स्विट्जरलैंड में भारतीय व्यापार प्रतिनिधियों से मुलाकात की, नए निवेश अवसरों पर चर्चा

नई दिल्ली/बर्न, 20 जून (एजेंसियां)।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत और स्विट्जरलैंड के बीच व्यापार और निवेश के नए अवसरों, साझेदारियों और अवसरों पर चर्चा करने के लिए स्विट्जरलैंड में भारतीय व्यापार प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में लिखा है कि, भारतीय व्यापार प्रतिनिधियों के साथ एक आकर्षक शाम बिताई। भारत-ईएफटीए व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते से उभर रहे भारत और स्विट्जरलैंड के बीच व्यापार और निवेश के लिए रोमांचक अवसरों, साझेदारियों और नए अवसरों पर गहन चर्चा हुई। गोयल की यह बैठक उनकी दो दिवसीय स्विट्जरलैंड यात्रा का हिस्सा थी।

गोयल ने भारत-स्विट्जरलैंड आर्थिक साझेदारी मजबूत करने के लिए स्विस उद्योग के साथ बातचीत की

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को स्विट्जरलैंड के बर्न में स्विस उद्योग के नेताओं के साथ व्यापक बैठक की, जिसका उद्देश्य आर्थिक सहयोग को गहरा करना और भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के बीच हाल ही में हस्ताक्षरित व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) के तहत नए रास्ते तलाशना था।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने विविध क्षेत्रों की कई प्रमुख स्विस कंपनियों के नेतृत्व के साथ मुलाकात की, जिसमें भारतीय और स्विस उद्यमों के बीच तालमेल बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें नवाचार, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और टिकाऊ विनिर्माण पर विशेष जोर दिया गया। मंत्री ने स्विस कंपनियों को भारत में अपना विस्तार करने और देश के गतिशील और तेजी से बढ़ते बाजार का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में हस्ताक्षरित भारत-ईएफटीए (यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ) व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौते ने भारत-स्विट्जरलैंड सहित ईएफटीए सदस्य देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के नए द्वार खोले हैं। व्यापार प्रतिनिधियों के साथ पीयूष गोयल की चर्चा इस बात पर केंद्रित रही कि आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए समझौते का सर्वोत्तम लाभ कैसे उठाया जाए। वाणिज्य मंत्री गोयल 9 से 13 जून तक स्विट्जरलैंड और स्वीडन की आधिकारिक यात्रा पर हैं।

अर्जेंटीना ने मेसी के बिना खेलना सीख लिया :स्कैलोनी

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)।

अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कैलोनी ने बुधवार को कोलंबिया के खिलाफ होने वाले वर्ल्ड कप क्वालीफायर मुकाबले से पहले कहा कि उनकी टीम अब लियोनेल मेसी की अनुपस्थिति में भी बिना किसी समस्या के खेल सकती है और अब उन्हें लाइन-अप में बदलाव करने की जरूरत नहीं पड़ती।

मेसी ने 2005 में अर्जेंटीना के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की थी और अब तक 192 मैचों में 112 गोल किए हैं। उन्होंने 2022 में वर्ल्ड कप, दो कोपा अमेरिका खिताब और 2008 बीजिंग ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीता है।

37 वर्षीय मेसी मार्च में हुए उरुग्वे के खिलाफ 1-0 की जीत और ब्राजील के खिलाफ 4-1 की शानदार जीत में चोट के कारण नहीं खेले थे, लेकिन अर्जेंटीना ने उस अंतरराष्ट्रीय ब्रेक में 2026 वर्ल्ड कप के लिए अपनी जगह पक्की कर ली थी।

मेसी इस महीने के वर्ल्ड कप क्वालीफायर्स के लिए टीम में लौटे और चिली के खिलाफ 1-0 की जीत में उन्हें सब्स्टीट्यूट के तौर पर मैदान में उतारा गया।

स्कैलोनी ने ब्यूनस आयर्स में पत्रकारों से कहा, अब टीम इस स्थिति में है कि वह मेसी के साथ या बिना एक ही तरह से खेल सकती है, जो पहले ज्यादा जटिल हुआ करता था क्योंकि हमें कुछ खिलाड़ियों में बदलाव करना पड़ता था। लेकिन अब हमें इस जरूरत की आवश्यकता नहीं है, और टीम उसी तरह से काम करती है, यह अच्छा है।

स्कैलोनी ने कोलंबिया की टीम को लेकर कहा, यह एक बेहतरीन टीम है, और इसमें शानदार खिलाड़ी हैं, जिनका एक स्पष्ट खेल तरीका है जो आपको मुश्किल में डाल सकता है। हमने इसका विश्लेषण किया है, और खिलाड़ियों को इसके ताकतवर पहलुओं और उन पर हम किस तरह से फायदा उठा सकते हैं, यह बताया है।

यह एक शानदार मैच होने वाला है, खासकर क्योंकि हम अपने घर में खेल रहे हैं, तो हमारे लोग खिलाड़ियों को खेलते हुए देख सकेंगे।

अर्जेंटीना पहले ही 2026 वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई कर चुका है, जबकि कोलंबिया छठे और आखिरी स्वचालित क्वालीफिकेशन स्थान पर है और वे अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए इस मैच को जीतने की कोशिश करेंगे। कोलंबिया ने अर्जेंटीना को पिछले वर्ल्ड कप क्वालीफायर में 2-1 से हराया था।

न्यूज़ ब्रीफ

फीफा वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफायर: डी ब्रून ने बेल्जियम को वेल्स के खिलाफ दिलाई रोमांचक जीत

ब्रुसेल्स। केविन डी ब्रून ने अंतिम क्षणों में गोल कर बेल्जियम को वेल्स के खिलाफ 4-3 से रोमांचक जीत दिलाई। सोमवार को हुए फीफा वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफायर मुकाबले में बेल्जियम ने शुरुआती बढ़त गंवा दी थी, लेकिन डी ब्रून के 88वें मिनट में किए गए निर्णायक गोल ने मेजबान टीम को राहत की सांस दी। बेल्जियम ने पहले हाफ घंटे के भीतर ही 3-0 की मजबूत बढ़त बना ली थी। 15वें मिनट में रोमेलु लुकाकू ने पेनल्टी पर गोल करके खाता खोला, इसके बाद कप्तान यूरी टीलमैंस ने 19वें और जर्मी डोकू ने 27वें मिनट में गोल दागे। हालांकि, वेल्स ने शानदार वापसी की। हाफ टाइम से ठीक पहले हैरी विल्सन ने पेनल्टी के जरिए वेल्स का खाता खोला। इसके बाद दूसरे हाफ में सोरबा थॉमस और ब्रेनन जॉनसन ने गोल कर स्कोर 3-3 कर दिया। मैच में कई विवादास्पद पल देखने को मिले, जिसमें दो पेनल्टी, एक गोल रद्द, और वीएआर के कई लंबे हस्तक्षेप ने मुकाबले को और भी तनावपूर्ण बना दिया। अंततः केविन डी ब्रून ने 88वें मिनट में गोल कर बेल्जियम को तीन महत्वपूर्ण अंक दिलाए और टीम की क्वालिफिकेशन की संभावनाओं को मजबूत किया।

मैनचेस्टर सिटी ने वुल्व्स से डिफेंडर रयान एइत-नूरी को किया साइन

लंदन। मैनचेस्टर सिटी ने अल्जीरियाई लेफ्ट-बैक रयान एइत-नूरी को वुल्वरहैम्प्टन वांडरर्स से साइन कर लिया है। एइत-नूरी ने मेडिकल परीक्षण पास करने के बाद क्लब के साथ पांच साल का करार किया है। यह डील 3.1 करोड़ पाउंड (लगभग 42 मिलियन अमेरिकी डॉलर) में पूरी हुई है। मैनचेस्टर सिटी की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, क्लब को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि वुल्वरहैम्प्टन वांडरर्स से रयान एइत-नूरी को साइन कर लिया गया है। 24 वर्षीय लेफ्ट-बैक ने एतिहाद स्टेडियम में 2030 की गर्मियों तक के लिए पांच साल का अनुबंध किया है। एइत-नूरी ने अपने बयान में कहा, यह एक आसान फैसला था। शुरुआत से ही मेरी और मेरे परिवार की पसंद मैनचेस्टर सिटी थी। मुझे इस टीम का खेलने का तरीका बहुत पसंद है। यहां आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है - यह मेरे लिए एक बड़ा सम्मान है। उन्होंने आगे कहा, हम जानते हैं कि यह टीम बीते कुछ वर्षों से दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम रही है। खिलाड़ी शानदार हैं और कोच पेप गार्डियोला भी अद्भुत हैं - उनके साथ ट्रेनिंग करना मेरे लिए सौभाग्य की बात होगी।

विश्व रैपिड और ब्लिट्ज़ टीम चैम्पियनशिप में वापसी करेंगे विश्वनाथन आनंद

लंदन। पांच बार के विश्व शतरंज चैम्पियन विश्वनाथन आनंद एक बार फिर एक्शन में नजर आएंगे। वे विश्व रैपिड और ब्लिट्ज टीम चैम्पियनशिप में फ्रीडम टीम का हिस्सा होंगे, जिसका नेतृत्व खुद फिडे के सीईओ एमिल सुटोव्सकी कर रहे हैं। आनंद अपनी टीम में अकेले भारतीय खिलाड़ी हैं। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में सबसे बड़ी दावेदार मानी जा रही चेस टीम की कमान रूस के इयान नेपोम्नियाची के हाथों में होगी। यह टूर्नामेंट इस बार नॉर्वे के विश्व नंबर एक मैग्नस कार्लसन की अनुपस्थिति में हो रहा है, जिन्होंने फिडे के इस आयोजन में भाग लेने से इनकार कर दिया है। भारत की ओर से चेस टीम में अर्जुन एरिगैसी टॉप बोर्ड पर खेलते नजर आएंगे, जिनका साथ देंगे पी. हरिकृष्णा दूसरे बोर्ड पर। विश्व जूनियर चैम्पियन वी. प्रणव की उपस्थिति टीम को और मजबूती देती है। उनके साथ ल्यूक लियोन मेंडोंसा भी टीम में हैं, जिन्हें डी. गुकेश, अर्जुन, आर. प्रज्ञानानंद और अरविंद चितांबरम की चौकड़ी के बाद भारत का अगला बड़ा सितारा माना जा रहा है। वहीं, भारत के युवा ग्रैंडमास्टर निहाल सरीन इस बार एशडॉड एलीट चेस क्लब की ओर से खेलेंगे, जो इस प्रतियोगिता में पांचवीं वरीयता प्राप्त टीम है। निहाल और आनंद अपने-अपने बोर्ड पर टॉप सीड के रूप में खेलेंगे। हालांकि टूर्नामेंट में मैग्नस कार्लसन और डी. गुकेश जैसे दिग्गजों की अनुपस्थिति खलेगी, लेकिन इसके बावजूद प्रतिस्पर्धा जबरदस्त रहने की उम्मीद है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

लद्दाख को दूसरा कश्मीर ...

उन्होंने कहा, हमारी मांग है कि अगर कोई भी निवासी बनना चाहता है तो लद्दाख में रहने की अनिवार्य अवधि 15 साल के बजाय 30 साल होनी चाहिए। करगिली के अनुसार, लद्दाख नेतृत्व ने पहले ही केंद्र के समक्ष यह मामला उठाया है। उन्होंने हमें आश्वासन दिया है कि वे इस मांग पर विचार करेंगे।

2019 में अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35ए के तहत सुरक्षा समाप्त होने के बाद, इस क्षेत्र में अचल संपत्ति खरीदने पर कोई रोक नहीं है। अभी तक लद्दाख के लिए कोई भी कानून नहीं बना जो बाहरी लोगों को लद्दाख में जमीन खरीदने से रोके। यह लद्दाख के लिए निवासियों के लिए गंभीर चिंता का विषय है। लद्दाख के एक नेता ने कहा कि केंद्र की अधिसूचना में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि अधिवास केवल सरकारी नौकरियों के लिए मान्य है।

उन्होंने कहा कि 2019 से ही लद्दाख में सरकारी नौकरियों में भर्ती रुकी हुई है, क्योंकि यह स्पष्ट नहीं है कि अधिवास स्थिति के लिए कौन अर्हता प्राप्त करता है और कौन नहीं।जम्मू-कश्मीर और लद्दाख दोनों ने 31 अक्टूबर 2019 को केंद्र शासित प्रदेशों का औपचारिक रूप ले लिया। लेकिन केंद्र ने जम्मू-कश्मीर के लिए अधिवास नियमों को तैयार करने में स्पष्ट तत्-परता दिखाई। मार्च 2020 में, औपचारिक रूप से केंद्र शासित प्रदेश बनने के सिर्फ पांच महीने बाद और कोर-ोना वायरस से लड़ने के लिए देशव्यापी लॉकडाउन के बीच, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (राज्य कानूनों का अनुकूलन) आदेश 2020 जारी किया। इन नियमों के तहत, कोई भी व्यक्ति जो जम्मू-कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश में 15 साल की अवधि तक रहा हो या सात साल की अवधि तक पढ़ाई की हो और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में स्थित किसी शैक्षणिक संस्थान से कक्षा 10वीं/12वीं की परीक्षा में शामिल हुआ हो जम्मू-कश्मीर का निवासी होने के योग्य है।लद्दाख के विपरीत, जहां अधिवास नियम 31 अक्टूबर 2019 से लागू होता है, जम्मू और कश्मीर के मामले में अधिवास नियम पूर्वव्यापी रूप से लागू होते हैं। इसका मतलब है कि जो कोई भी व्यक्ति 2020 में अधिवास नियमों की अधिसूचना तक 15 साल की अवधि तक जम्मू और कश्मीर में रह रहा था, वह जम्मू और कश्मीर का निवासी होने के योग्य था। दूसरे शब्दों में, जबकि लद्दाख को 2034 के बाद ही नए अधिवास मिलेंगे, जम्मू और कश्मीर के मामले में, कई गैर-मूल निवासी, जो अधिवास नियमों के मानदंडों को पूरा करते हैं, पहले से ही जम्मू और कश्मीर की आबादी का हिस्सा बन चुके हैं। अप्रैल में, जम्मू-कश्मीर सरकार ने विधानसभा को सूचित किया कि पिछले दो वर्षों में 83,000 से अधिक ऐसे व्यक्तियों को अधिवास प्रमाण पत्र प्रदान किए गए हैं जो मूल रूप से जम्मू-कश्मीर के स्थायी निवासी नहीं थे। इस खुलासे ने लद्दाख की चिंता और बढ़ा दी है, जहां अगस्त 2019 से जनसांख्यिकी परिवर्तन का डर मुख्य चिंताओं में से एक बन गया है।लद्दाख के लिए अधिवास और आरक्षण नीति के अलावा, केंद्र ने अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू, भोटी और पुर्गी भाषाओं को लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश के सभी या किसी भी आधिकारिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल की जाने वाली आधिकारिक भाषाओं के रूप में मान्यता दी है। इसने लेह और करगिल की दो लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषदों में कुल सीटों में से एक तिहाई महिलाओं के लिए आरक्षित कर दी हैं। भले ही केंद्र सरकार इन कदमों को महत्वपूर्ण कदम मान रही हो, लेकिन लद्दाख के नेतृत्व का कहना है कि ये उनकी मांगों का हिस्सा नहीं थे। दोरजे ने कहा, हमारी मांगों में भाषा या महिलाओं के आरक्षण के बारे में कुछ नहीं था। हमारी मांगें लद्दाख के लोगों की समग्र सुरक्षा और संरक्षा से संबंधित हैं। केंद्र की उच्चाधिकार प्राप्त समिति और लद्दाख नेतृत्व के बीच अगली बैठक इस महीने के अंत में होने की संभावना है, ऐसे में राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची की स्थिति जैसे सवाल फिर से उठेंगे। दोरजे ने कहा, हम इन दो मांगों से पीछे नहीं हटेंगे।

आतंकियों के साथ...

यह भारतीय सुरक्षा से जुड़ा अहम मुद्दा है। अब जनता के स्तर पर भी सतर्क होने का समय आ गया है। आतंकवाद मानवता का सबसे बड़ा अभिशाप है।

उन्होंने कहा, मानवीय सभ्यता के सबसे अहम मूल्यों का यह दुश्मन है। आतंकवाद हमारे लोकतंत्र और सह-अस्तित्व के समक्ष बड़ा खतरा है। यह विकृत मानसिकता है। मानवता पर कलंक है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई मानवता के मूलभूत मूल्यों की रक्षा की लड़ाई है। मानवता के सामने जितनी भी भयावह बीमारियां आईं, वह देर-सवेर खत्म हुई। आतंकवाद भी महामारी है, उसे मरना ही है। लेकिन इसे अपनी मौत मरने को नहीं छोड़ा जा सकता। यह चुनौती देता रहेगा। इसलिए आतंकवाद की समस्या का अब स्थायी समाधान बहुत आवश्यक है।रक्षा मंत्री ने कहा, इतिहास ने यह बार-बार साबित किया है कि आतंकवाद का कितना भी बड़ा लक्ष्य हो, वह सफल नहीं हो सकता। यह सोचना भी कदापि उचित नहीं है कि कोई आतंकवादी किसी देश के लिए स्वतंत्रता सेनानी हो सकता है। 2016 में इस्लामाबाद में दक्षेस सम्मेलन में मैंने यही बात मजबूती से रखी थी। आतंकवाद की कोख से क्रांति नहीं, बर्बादी और नफरत ही पैदा होती है। हमने हमेशा देखा है कि पाकिस्तान जैसे देश आतंकवाद को समर्थन देते आए हैं। भारत की पहचान लोकतंत्र की जननी के रूप में, जबकि पाकिस्तान की पहचान आतंकवाद को जन्म देने वाले के रूप में हो रही है। राजनाथ सिंह ने कहा, कोई भी इंसान अपनी जड़ों को उजाड़ना नहीं चाहता। पाकिस्तान के पास स्पष्ट दिशा नहीं है, इसलिए वहां आतंकवाद धंधा बन चुका है। हमेशा किसी न किसी बाहरी शक्ति के दबाव में वह आता रहा है। पाकिस्तान की पीठ पर आज एक नहीं, कई बैताल बैठे हैं जो उसे प्रगति की राह पर नहीं जाने दे रहे। भारत चाहता है कि आतंकवाद पाकिस्तान से नहीं, बल्कि पूरी दुनिया से खत्म हो। पाकिस्तान को हमारी सलाह है कि अगर आपसे आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पा रही है तो हम आपकी मदद करने को भी तैयार हैं। भारत की सेनाएं सरहर के इस पार और उस पार कार्रवाई करने में सक्षम हैं। ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान ने भी यह देख लिया। पाकिस्तान जिद्दी बच्चे की तरह यह मानता नहीं। दुनिया पाकिस्तान पर कूटनीतिक, रणनीतिक और आर्थिक दबाव बनाए।राजनाथ सिंह ने कहा, कोई भी इंसान अपनी जड़ों को उजाड़ना नहीं चाहता। पाकिस्तान के पास स्पष्ट दिशा नहीं है, इसलिए वहां आतंकवाद धंधा बन चुका है। हमेशा किसी न किसी बाहरी शक्ति के दबाव में वह आता रहा है। पाकिस्तान की पीठ पर आज एक नहीं, कई बैताल बैठे हैं जो उसे प्रगति की राह पर नहीं जाने दे रहे। भारत चाहता है कि आतंकवाद पाकिस्तान से नहीं, बल्कि पूरी दुनिया से खत्म हो। पाकिस्तान को हमारी सलाह है कि अगर आपसे आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पा रही है तो हम आपकी मदद करने को भी तैयार हैं। भारत की सेनाएं सरहद के इस पार और उस पार कार्रवाई करने में सक्षम हैं। ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान ने भी यह देख लिया। पाकिस्तान जिद्दी बच्चे की तरह यह मानता नहीं। दुनिया पाकिस्तान पर कूटनीतिक, रणनीतिक और आर्थिक दबाव बनाए।उन्होंने कहा कि भारत आज सिर्फ सीमाओं की रक्षा नहीं कर रहा, बल्कि ऐसी व्यवस्था खड़ी रहा है जो हमें सामरिक, आर्थिक और तकनीकी रूप से मजबूत बना रही है। पहले हम रक्षा उपकरणों के लिए विदेशों पर निर्भर रहे थे। आज हम गौरव से कह सकते हैं कि हम आत्मनिर्भर बन रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर में बने बहुत से हथियार इस धरती पर भारतवासियों के हाथों से बने हैं। भारत के रक्षा क्षेत्र को मजबूती देना सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में रहा है। रक्षा मंत्री ने कहा कि रक्षा निर्माण के क्षेत्र में हमारे पास इंडिजनाइज्ड लिस्ट है। ऐसी चीजों की पहचान कर ली गई हैं, जो विदेशों में बनती हैं। इन चीजों को अब किसी भी सूरत में आयात नहीं करेंगे, इन्हें भारत में ही बनाएंगे। रक्षा क्षेत्र के हमारे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में भी लाइन रिप्लेसमेंट यूनिट्स में 5000 से ज्यादा चीजें भी भारत में ही बनेंगी। जब हम मेक इन इंडिया की तरफ बढ़ रहे हैं तो हमने स्वदेशी कंपनियों के हितों को भी ध्यान में रखा। सामान खरीदने के हमारे कुल बजट में से 75 फीसदी सामान हम स्वदेशी कंपनियों से ही खरीदेंगे। रियल टाइम डिफेंस एक्सपो हमने दुनिया को ऑपरेशन सिंदूर में दिखा दिया।

आत्मनिर्भर होकर...

भारत की रक्षा प्रणाली को सशक्त करने के लिए विख्यात डीआरडीओ की हालत कांग्रेस सरकार में बद से बदतर हो चुकी थी। डीआरडीओ के 6000 वैज्ञानिकों में से केवल 3 प्रतिशत वैज्ञानिक ही ऐसे थे जिन्होंने इंजीनियरिंग में पीएचडी कर रखी थी। यह बात खुद इस रिपोर्ट में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के पूर्व सचिव पी. रामा राव की अध्यक्षता वाली समीक्षा समिति ने कही है। अन्य कई देश अपनी सैन्य शक्ति को मजबूत करने के लिए अपने देश में उत्पादन और नौकरी को बढ़ावा दे रहे थे। उसी वक्त भारत एक खरीदार के रूप में फंसा हुआ था और आयात पर अरबों डॉलर खर्च कर रहा था।रक्षा निर्यात की रिपोर्ट में 2014 से पहले कांग्रेस की सरकार में हुई लूट और भ्रष्टाचार का पर्दाफाश किया गया है। रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि 1980 का बोफोर्स घोटाला में 64 करोड़ की रिश्वत का मामला सीधे राजीव गांधी से जाकर जुड़ता है। इसका खुलासा खुद स्वीडिश रेडियो कार्यक्रम में किया गया जिसमें खुद बोफोर्स के कर्मचारियों ने कहा कि इसके लिए भारी रिश्वत दी गई थी। बयान के अनुसार उस वक्त कांग्रेस के कई वरिष्ठ सदस्यों और राजनेताओं को 8.2 बिलियन की रिश्वत दी गई थी। इसके अलावा अगस्ता वेस्टलैंड घोटाले में भी कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के शामिल होने का दावा किया गया है। रिपोर्ट में शामिल टाट्रा ट्रक और बाराक मिसाइल स्कैम ने भी कांग्रेस की बखिया उधेड़ कर रख दी है। उस वक्त कांग्रेस द्वारा किए गए इस सुरक्षा खिलवाड़ के नतीजे ने भारत की सैन्य ताकत को भीतर से कमजोर कर दिया था।रक्षा निर्यात रिपोर्ट के अनुसार 2014 के बाद भारत सरकार ने आयात निर्भरता में लगातार कमी लाई। भारतीय कंपनियों को निर्माण के लिए प्रोत्साहित किया गया और उनका आत्मविश्वास बढ़ाया गया। 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा शुरू मेक इन इंडिया ने भारत में निर्मित डिजाइन को विकसित करने में काफी मदद पहुंचाई। इसके अलावा रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (डीएपी) के तहत खरीदी में भी बदलाव किया गया। 500 से अधिक हथियारों के आयात पर रोक दी लगा दी गई जिसमें टैंक, आर्टिलरी मशीन और रडार भी शामिल है। देश के रक्षा उत्पादन का मूल्य 174 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,27,434 करोड़ तक पहुंच गया जो 2014-15 में 46,429 करोड़ था। सरकार के द्वारा सैन्य प्लेटफार्म का विकास किया गया। नौसेना को सशक्त बनाने के लिए स्वदेशी विमान वाहक, पनडुब्बी और फास्ट अटैक क्राफ्ट आदि के निर्माण पर जोड़ दिया गया। यह सब मेक इन इंडिया की पहल के सकारात्मक परिणाम का स्वरूप है।कांग्रेस के कार्यकाल में हाशिये पर पहुंच चुकी निजी कंपनियां को मोदी सरकार में बल मिला। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के पूर्व सचिव पी. रामा राव के अध्यक्षता वाली समीक्षा समिति की रिपोर्ट में यह स्पष्ट रूप से बताया गया है कि कांग्रेस की सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण प्राइवेट कंपनियों को रक्षा तकनीक के उत्पादन से दूर रखा गया था। लेकिन अब ऐसा नहीं है। सैन्य सुरक्षा के विकास को देखते हुए सरकार ने निजी कंपनियों से सहयोग लिया ताकि देश की रक्षा प्रणाली को ज्यादा से ज्यादा मजबूत बनाया जा सके। सरकार के इस निर्णायक बदलाव के फलस्वरूप रक्षा क्षेत्र के जगत में कई बड़ी कंपनियों का प्रवेश हुआ। टाटा, एलएनटी डिफेंस, भारत फोर्ज, कल्याणी ग्रुप और महिंद्रा जैसी बड़ी कंपनियां आर्टिलरी सिस्टम, बख्तरबंद वाहन, रडार सिस्टम, पनडुब्बी विमान के पुर्जे और ड्रोन सहित कई रक्षा सामग्रियों का निर्माण कर रही हैं। इसका नतीजा यह हुआ कि वित्त वर्ष 2024-25 में निजी क्षेत्र में 15,233 करोड़ का रक्षा निर्यात किया जिसे किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने के लिए महत्व-पूर्ण कहा जाना गलत नहीं है।देश के रक्षा उत्पादन और तकनीक का सार्थक उदाहरण, स्व-निर्मित लड़ाकू विमान तेजस भारत की शान बना। विश्व के कई देशों से इसकी मांग और तेज हो गई। दरअसल तेजस एक भारतीय फाइटर जेट है जो सिंगल इंजन, डेल्टा विंग और मल्टी रोल लाइट फाइटर जेट है। सुपरसोनिक लड़ाकू विमानों की श्रेणी में सबसे यह छोटा और हल्का है। इसकी मारक क्षमता को देखते हुए विश्व के कई देश इसे खरीदने में अपनी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। आज भारतीय रक्षा प्रणाली और सैनिक उपकरणों का लोहा पूरी दुनिया मान रही है। यही कारण है कि आज भारत 100 से ज्यादा देशों को हथियार निर्यात करता है। इसी के साथ भारत विश्व के रक्षा निर्यातक देशों में 25वें स्थान पर पहुंच चुका है। म्यांमार गोला-बारूद, इसराइल ड्रोन और आर्मेनिया आर्टिलरी सिस्टम भारत से खरीद रहा है। भारत ने आर्मेनिया को 6 एडवांस्ड आर्टिलरी गन सिस्टम निर्यात किए हैं। रिपोर्ट से यह साफ है कि भारत का कद रक्षा निर्यातकों में विश्व के जाने-माने देशों तक बढ़ चुका है।ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने भारत के रक्षा निर्यात को और ज्यादा मजबूती दी है। भारत की लगभग 100 कंपनियां रक्षा उत्पादों का निर्यात कर रही हैं। मोदी सरकार 2019 तक रक्षा निर्यात को दुगना करके 6 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की तैयारी में है। केंद्र सरकार ने साल 2024-25 के रक्षा बजट के लिए 6.21 लाख करोड़ आवंटित किए हैं। यह पिछले वित्तीय वर्ष में आवंटित 5.94 लाख करोड़ रुपए से 4.3 प्रतिशत अधिक है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पिनाका, तेजस और ब्रह्मोस मिसाइल की मांग में काफी तेजी आई है। भारत अपने रक्षा उत्पादों का विस्तार अफ्रीका, दक्षिण पूर्व एशिया और लैटिन अमेरिका तक करने की तैयारी में है। यह मोदी सरकार की सफलता ही है कि विश्व गुरु बनने की राह में भारत अब वैश्विक हथियार के बाजार में भी एक भरोसेमंद निर्यातक बनकर उभरा है।अभी हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान को शांति बनाए रखने की सलाह देते हुए कहा था कि भारत को इस्लामिक आतंकवाद के विरुद्ध कड़े कदम उठाने चाहिए। भारत में इसका कई तरह से स्वागत हुआ और कई विश्-लेषकों ने इसे इस संदर्भ में देखा कि भारत अपनी रणनीतिक और सैन्य ताकत के कारण अब विश्व मंच पर एक निर्णायक शक्ति बन चुका है। भारत के रक्षा निर्यात में ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। यह सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल भारत और रूस के संयुक्त उद्यम के रूप में विकसित हुई है। इसकी मारक क्षमता, गति और लक्ष्य पर सटीकता ने इसे विश्व की श्रेष्ठतम क्रूज मिसाइलों में स्थान दिलवाया है। ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के नूरखान एयरबेस पर ब्रह्मोस द्वारा जिस सटीकता से निशाने लगाए गए, उसे पूरे विश्व ने देखा। ब्रह्मोस मात्र एक मिसाइल नहीं, भारत की रणनीतिक सोच और रक्षा तकनीकी क्षमता का परिचायक बन चुकी है। इससे जुड़े सौदे यह भी दर्शाते हैं कि भारत अब अपने रक्षा उत्पादों के साथ वैश्विक शक्ति संतुलन में अपनी स्थिति को परिभाषित कर रहा है।भारत के पास रक्षा निर्यात के लिए एक विविध उत्पाद श्रृंखला उपलब्ध है। भारत ने न केवल युद्धक विमानों, टैंकों और गोला-बारूद बल्कि अत्याधुनिक ड्रोन, सर्विलांस सिस्टम, एयर डिफेंस मिसाइलें, रडार, सोनार, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम व नाइट विजन उपकरण जैसी श्रेणियों में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस को कई देश अपनी वायु सेनाओं के लिए उपयुक्त मान रहे हैं। अर्जुन टैंक, पिनाका मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर, आकाश मिसाइल, असॉल्ट राइफल्स और एडवांस्ड टोही ड्रोन जैसे उपकरण भारत के रक्षा निर्यात में निरंतर वृद्धि कर रहे हैं। यह प्रगति बताती है कि भारत अब केवल आयात करने वाला देश नहीं, बल्कि वैश्विक रक्षा बाजार में हिस्सेदारी रखने वाला देश बन गया है।भारत का रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ), हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) जैसे संस्थान दशकों से भारतीय रक्षा जरूरतों की रीढ़ रहे हैं। अब इनकी भूमिका केवल घरेलू पूर्ति तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि ये संस्थान अब वैश्विक मानकों के अनुसार उत्पाद बना रहे हैं और उनका निर्यात कर रहे हैं। डीआरडीओ द्वारा विकसित कॉम्बैट एयर टीमिंग सिस्टम (कैट्स प्रणाली), स्वदेशी अर्ध-स्वायत्त युद्धक ड्रोन की एक आधुनिक मिसाल है। एचएएल द्वारा निर्मित तेजस, डॉर्नियर विमान, और एएलएच ध्रुव जैसे प्लेटफॉर्म निर्यात के लिए तैयार हैं। बीईएल की एंटी-ड्रोन तकनीक, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर और रडार प्रणाली आज कई देशों की जरूरतों को पूरा करने की स्थिति में है।भारत अब केवल हथियार निर्यातक नहीं, बल्कि वैश्विक रणनीतिक साझेदार भी बनता जा रहा है। ये साझेदारियां केवल व्यापारिक दृष्टि से नहीं, बल्कि सामरिक संतुलन के लिहाज से भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। फिलीपींस, वियतनाम, इंडोनेशिया जैसे देशों के साथ रक्षा सहयोग चीन के विस्तारवादी रवैये को सामरिक जवाब देने का संकेत है। अफ्रीकी देशों को भारत ने कम लागत पर उच्च गुणवत्ता वाले सैन्य उपकरण उपलब्ध कराए हैं। दक्षिण अमेरिका के कुछ देशों ने भी भारत के हेलीकॉप्टर और रडार सिस्टम में रुचि दिखाई है। भारत सरकार ने वर्ष 2024-25 तक रक्षा निर्यात को 5 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। आज भारत आत्मनिर्भरता की उस ऊंचाई की ओर बढ़ रहा है जहां वह न केवल अपनी रक्षा आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकता है, बल्कि अपने मित्र राष्ट्रों की भी सुरक्षा आवश्यकताओं में सहयोगी बन सकता है। भारत का रक्षा निर्यात बढ़ना केवल आर्थिक या तकनीकी उपलब्धि नहीं है।रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में रक्षा औद्योगिक गलियारे स्थापित किए गए हैं। मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत स्थापित इन गलियारों का उद्देश्य देश को रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाना है। इनमें 8,658 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश हो चुका है और फरवरी 2025 तक 53,439 करोड़ रुपए के संभावित निवेश के साथ 253 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। 24 मार्च, 2025 तक मेक इन इंडिया पहल के तहत 145 परियोजनाएं शुरू की गई हैं, जिनमें 171 उद्योग स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश के रक्षा गलियारे में 6 जिले (झांसी, अलीगढ़, लखनऊ, कानपुर, चित्रकूट व आगरा) आते हैं, जहां विशेष रूप से तोप, बख्तरबंद वाहन, ड्रोन, गोला, बारूद व रक्षा हार्डवेयर का निर्माण किया जाएगा। झांसी इसका मुख्य केंद्र है। वहीं तमिलनाडु रक्षा औद्योगिक गलियारा चेन्नई, त्रिची, कोयंबतूर, सलेम और होसुर में फैला है। इसमें एयरोस्पेस, मिसाइल प्रणाली और रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में काम किए जाने की योजना है।

वंदे भारत ट्रेन...

रेलवे पुल को पार करने के लिए गुजरी, तो उनकी आंखों में आंसू आ गए। अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू कश्मीर को पूरे देश से जोड़ने के लिए यह सबसे बड़ा तोहफा है। अब्दुल्ला ने कहा, जब हमने चेनाब पुल पार किया तो हमारी आंखों में आंसू आ गए। आखिरकार वह दिन आ ही गया जब हम कश्मीर से देश की यात्रा ट्रेन से कर सकेंगे। उन्होंने चेनाब पुल की प्रशंसा करते हुए कहा, क्या तकनीक है। वह इस पुल को बनाने वाले सभी श्रमिकों और इंजीनियरों को बधाई देना चाहते हैं। अब्दुल्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने इस परियोजना को पूरा किया। मैं दुनिया के सबसे ऊंचे पुल के पीछे काम करने वाले इंजीनियरों और श्रमिकों को धन्यवाद देना चाहता हूं।

लक्षद्वीप के स्कूलों ...

गौरतलब है कि 14 मई 2025 को लक्षद्वीप प्रशासन ने अरबी और मालदीव में बोली जाने वाली महल को स्कूली पाठ्यक्रम से हटा कर हिंदी को शामिल कर दिया था। इस निर्णय के बाद लक्षद्वीप के मुस्लिम समुदाय ने विरोध प्रदर्शन किया था।

अब कश्मीरियों ...

कार्गो ट्रेन संचालन सुनिश्चित करेगा कि ये सामान मुंबई, दिल्ली और कोलकाता के बाजारों में तेजी से, ताजा और कम लागत पर पहुंचें। यह स्थानीय उद्योगों के लिए कच्चे माल के आयात को और अधिक कुशल बना देगा। श्रीनगर-कटड़ा रेल लिंक का लंबे समय से प्रतीक्षित उद्घाटन जम्मू और कश्मीर के बुनियादी ढांचे के विकास के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। सही मायने में ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी के रूप में वर्णित, यह परियोजना अक्सर बंद रहने वाले श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग के विकल्प से कहीं अधिक प्रदान करती है। यह लगभग 8 मिलियन कश्मीरियों और लद्दाख में कई और लोगों के घर वाले क्षेत्र के लिए दैनिक जीवन के लिए महत्वपूर्ण है।कश्मीरी इस बात को लेकर खुश हैं कि नए रेलवे खंड से पूरे साल मौसम के अनुकूल परिवहन उपलब्ध होने की उम्मीद है, यह एक ऐसी उपलब्धि है जिसे अतिरंजित नहीं किया जा सकता है। किसान, व्यवसायी, छात्र और चिकित्सा रोगी सभी ने राजमार्ग पर भूस्खलन और मौसम के कारण बंद होने के कारण महंगी बाधाओं को सहन किया है। पर इसे भूला नहीं जा सकता कि जम्मू और कश्मीर लंबे समय से रसद संबंधी बाधाओं से जूझ रहा है। श्रीनगर तक सीधी रेल पहुंच एक विलासिता नहीं है, यह एक आवश्यकता है। कटड़ा-श्रीनगर लिंक के साथ इसकी नींव रखी गई है। कश्मीरी कहते थे कि अब बड़ा सोचने और तेजी से आगे बढ़ने का समय है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद का 90वां वार्षिकोत्सव मनाया गया

हैदराबाद, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद का 90वां वार्षिकोत्सव सभा के सभागृह में धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर सभा में पधारे मुख्य अतिथि तेलंगाना राज्यपाल जिष्णुदेव वर्मा ने विभिन्न प्रांतों से पधारे हिंदी सेवीयों का सम्मान किया तथा सभा द्वारा 90वें वार्षिकोत्सव के संदर्भ आयोजित प्रतियोगिताएँ विद्यालय स्तर तथा कॉलेज स्तर के विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किए। सभा के अध्यक्ष प्रो. चंद्रदेव ने अपने अध्यक्षीय भाषण में सभी का अभिवादन करते हुए कहा कि सभा कि स्थापना 1935 में युगादि पर्व के दिन हुई। प्रधानमंत्री एस. गैबुवली ने मुख्य अतिथि का परिचय देते हुए कहा कि वे बहुत ही विनम्र और बहुमुखी प्रतिभा सम्पन्न व्यक्ति हैं। मुख्य अतिथि राज्यपाल जिष्णुदेव वर्मा ने कहा कि उन्हें सभा में आकर बहुत अच्छा लगा। आप 90 वर्षों से हिंदी का प्रचार प्रसार कर रहे हैं। आप संपर्क भाषा का प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आप हिंदी के लिए बहुत कुछ कर रहे हैं। यह बहुत सराहनीय कार्य है। राज्यपाल ने पदाधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सभा और आगे भी इसी प्रकार हिंदी के प्रचार प्रसार में अग्रणीय रहेगी। महात्मा गाँधी ने संपर्क भाषा के लिए कृषि की है। उन्होंने बताया कि पूर्वांचल प्रदेशों में भी हिंदी का प्रचार हो रहा है। वहाँ बच्चे हिंदी बोल रहे हैं। आदिवासी परिवारों के बच्चे भी हिंदी बोल रहे हैं। सभा की स्थापना के समय तो प्रचार के इतने साधन नहीं थे। पर अब इस इंटरनेट के युग में सोशल मिडिया, सेल फोन आदि के रहते गाँव-गाँव तक हिंदी पहुँच रही है।

राज्यपाल ने कहा कि सभा अपना 90वाँ वार्षिकोत्सव मना रही है इसका अर्थ वह कार्यरत है। इसलिए सभा अभी तक टिकी है।

इस अवसर पर केंद्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली, केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा के निदेशक प्रो. सुनील बाबूराव कुलकर्णि ने कहा कि वे सभा में आकर बहुत प्रसन्न हुए । प्रो. कुलकर्णि ने कहा कि सभा नब्बे वर्षों से शताब्दी की ओर अग्रसर हो रही है। उन्होंने सभा के पदाधिकारियों को हृदयपर्वूक बधाई दी। उक्त कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुषमा देवी ने किया। कार्यक्रम में सैकडों की संख्या में हिंदी अध्यापक, प्राध्यापक, केंद्र व्यवस्थापक, प्रचारक, हिंदी प्रेमी आदि उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत मंगलवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर -सतीश गुप्ता आशा अग्रवाल, ई-जगन (चंपा पेट), महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, अशोक गुप्ता एस.जे, रोहित अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, गोपाल गोयल, नंदकिशोर अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, भगतराम गोयल एवं राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज दोमलगुड़ा शाखा का लोनावाला भ्रमण कार्यक्रम एक अगस्त से

हैदराबाद, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज, तेलंगाना की दोमलगुडा शाखा द्वारा इस वर्ष सावन की सैर कार्यक्रम के अंतर्गत लोनावाला भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

वर्ष 2023-25 और 2025-27 के पदाधिकारियों की शाखा द्वारा संचालित अग्रवाल हेल्थ क्लिनिक परिसर में सम्पन्न विचार विमर्श और निर्णय के उपरांत यह सुनिश्चित किया गया कि उक्त कार्यक्रम में शाखा के सदस्य और परिजन 01 अगस्त की रात्रि हैदराबाद से रवाना होकर 04 अगस्त की प्रातः वापस हैदराबाद पहुंचेंगे।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में भ्रमण कार्यक्रम के संयोजक रोशन लाल मित्तल ने बताया कि शाखा के गठन के पश्चात पहली बार सावन की सैर का कार्यक्रम शहर से बाहर सदस्यों की सदैव रुचि को ध्यान में रख कर रखा गया है। उक्त कार्यक्रम में लोनावाला के प्रसिद्ध नारायणी धाम मंदिर, विख्यात मोम संग्रहालय के साथ ही लोनावाला के मधुर मौसम का आनंद लिया जा सकेगा। अब तक 35 सदस्यों ने उक्त भ्रमण कार्यक्रम में अपना पंजीकृत कराया है। शाखा के सभी उपस्थित पदाधिकारीयों ने ट्रेन की टिकट और ठहरने हेतु स्थान की सीमितता को ध्यान में रखते हुए शाखा के सदस्यों को पहले आओ के आधार पर शीघ्र भ्रमण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अपना पंजीकरण करवाने का अनुरोध किया है। इस अवसर पर अनिल गर्ग, रोशनलाल मित्तल, डॉ दिलीप पंसारी, विजय कुंछल, प्रतीक अग्रवाल और रश्मि अग्रवाल उपस्थित थे।

गुरु नानक विश्वविद्यालय ने आईबीएम के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

हैदराबाद, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुरु नानक विश्वविद्यालय प्रौद्योगिकी दिग्गज आईबीएम के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वाला तेलंगाना का पहला विश्वविद्यालय बन गया है। आईबीएम के सहयोग से गुरु नानक विश्वविद्यालय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस/मशीन लर्निंग, डेटा साइंस और साइबर सुरक्षा में विशेषज्ञता के साथ कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में स्नातक कार्यक्रम प्रदान करेगा। मंगलवार को हैदराबाद में गुरु नानक विश्वविद्यालय, इब्राहिमपटनम में आईबीएम और गुरु नानक विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह में सरदार जी.एस. कोहली - चांसलर गुरु नानक विश्वविद्यालय, डॉ.एच.एस. सैनी - गुरु नानक विश्वविद्यालय और हरि रामसुब्रमण्यम-नेता - व्यवसाय विकास और अकादमिक संबंध, आईबीएम इनोवेशन सेंटर फॉर एजुकेशन, आईबीएम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड आदि उपस्थित थे।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरट गोल्ड)

सोना : 99,070/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,09,170/-
(प्रति किलोग्राम)

जगन्नाथ द्वारा खाकी अखाड़ा मठ मंदिर शंकर बाजार बेगम बाजार में बाल योगी महंत अमृत दास खाकी के नेतृत्व में सायं 6.00 बजे से भगवान श्री जगन्नाथ जी को स्नान कराया जाएगा। स्नान के पश्चात भगवान को 15दिनों तक काढ़ा पिलाया जाता है और भक्तों को भी प्रसाद के रूप में दिया जाता है। फिर पहला मुख दर्शन 26 एवं 27 जून को भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र, सुभद्रा जी की विशाल रथ यात्रा निकाली जाएगी। महराज जी ने अधिकाधिक संख्या में भक्तों से उक्त कार्यक्रमों में भाग लेने की अपील की है।

हैदराबाद मंडल दमरे में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद मंडल, दक्षिण मध्य रेलवे में मंगलवार दि.10.06.2025 को लोकेश विश्नोई, मंडल रेल प्रबंधक/हैदराबाद एवं अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 181वीं बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में समिति के उपाध्यक्ष व अपर मंडल रेल प्रबंधक के.मुत्याला नायुडु, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ सी.एच.पद्मा, सभी शाखा अधिकारी, राजभाषा अधिकारी आशा महेश कुमार और राजभाषा विभाग के कर्मचारियों ने भाग लिया।बैठक के आरंभ में राजभाषा अधिकारी ने अध्यक्ष महोदय, अपर मंडल रेल प्रबंधक तथा सभी सदस्यों का स्वागत किया. तत्पश्चात मंडल रेल प्रबंधक के

करकमलों से हैदराबाद मंडल की हिंदी ई-पत्रिका हैदराबाद दर्पण का विमोचन किया गया. इस अंक में हैदराबाद मंडल के विभिन्न गतिविधियों के साथ-साथ अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिजनों द्वारा लिखे गए कई लेख शामिल किए गए हैं. इस पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अध्यक्ष ने आशा व्यक्त की कि इसी प्रकार सभी विभागों के सहयोग से हिंदी ई-पत्रिका का अगला अंक अधिक रोचक तथा उपयोगी बनेगी। अध्यक्ष ने राजभाषा कार्यान्वयन हेतु वार्षिक कार्यक्रम 2025-26 के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों में वृद्धि पर विशेष ध्यान देने को कहा। अध्यक्ष महोदय ने धारा 3(3) के प्रलेखों को अंग्रेजी-हिंदी द्विभाषी रूप में जारी करने तथा हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में देने को कहा।

के.मुत्याला नायुडु, अपर मंडल रेल प्रबंधक ने हिंदी ई-पत्रिका के नियमित विमोचन पर राजभाषा विभाग की प्रशंसा की। उन्होंने शाखा अधिकारियों से अनुरोध किया कि ई-ऑफिस में यूजर डिफाइन्ड हिंदी क्विक नोटिंगों का अधिकाधिक प्रयोग करें।

राजभाषा अधिकारी ने राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम के आधार पर राजभाषा प्रगति से संबंधित विभिन्न मदों पर विस्तार से चर्चा की और पिछली तिमाही के दौरान किए गए विशेष कार्यों की जानकारी दी और अगली तिमाही की कार्ययोजना प्रस्तुत की. उन्होंने हिंदी में काम करने पर दिए जाने वाले विभिन्न प्रोत्साहनों और पुरस्कार योजनाओं के बारे में पावर पाइंट प्रस्तुति दी. राजभाषा अधिकारी ने दिनांक 26 और 27 जून, 2025 को मंडल कार्यालय में आयोजित किए जाने वाले हिंदी निबंध, वाक् और टिप्पण व प्रारूप लेखन प्रतियोगिताओं के बारे में भी सभी को जानकारी दी। श्रीमती एम.मंजुला, वरिष्ठ अनुवादक/हैदराबाद के धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक संपन्न हुई।

शेयर मार्केट

बीएसई : 82,391.72
-53.49 -0.06% ↓

एनएसई :25,104.25
1.05 (0.00%) ↑

तेलंगाना गतका संघ की टीम 12वीं राष्ट्रीय गतका चैम्पियनशिप ऑफ इंडिया में करेगी भागीदारी

हैदराबाद, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना गतका संघ आगामी 12वीं राष्ट्रीय गतका चैम्पियनशिप ऑफ इंडिया में भाग लेने जा रहा है, जो 12 से 14 जून 2025 तक टालकटोरा स्टेडियम, नई दिल्ली में आयोजित की जाएगी। इस बार तेलंगाना टीम का नेतृत्व स्वयं संघ के महासचिव श्री एस. विशाल सिंह कर रहे हैं। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता देश के विभिन्न हिस्सों से 18 से अधिक राज्यों की भागीदारी के साथ आयोजित होगी, जिसमें 900 से अधिक खिलाड़ी

पारंपरिक सिख युद्धकला गतका में अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। तेलंगाना की टीम अपनी तकनीक, अनुशासन और टीम भावना के लिए जानी जाती है और इस बार भी उत्कृष्ट प्रदर्शन की पूरी तैयारी में है।एस. विशाल सिंह ने कहा, यह हमारे लिए गर्व का क्षण है। यह प्रतियोगिता केवल जीतने के लिए नहीं, बल्कि हमारी पारंपरिक सांस्कृतिक विरासत - गतका - को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने का माध्यम है।

हम चाहते हैं कि आज की युवा पीढ़ी इस प्राचीन युद्धकला को अपनाए और आगे बढ़े।यह भागीदारी गतका जैसे पारंपरिक खेलों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। तेलंगाना गतका संघ निरंतर प्रयासरत है कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में युवाओं को प्रशिक्षण, अवसर और मंच प्रदान किया जाए ताकि वे खेल के क्षेत्र में अपना नाम रोशन कर सकें।

अ.भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा के महासचिव एडवोकेट महेश अवस्थी के नये ब्रांच शर्मा एसोसिएट का उद्घाटन तीर्थनगरी काशी के महंत निर्मल स्वरूप महाराज द्वारा किया गया। इस अवसर पर राजस्थानी ब्राह्मण सभा के महासचिव रामदेव नागला एवं विप्र सेवा संघ के अध्यक्ष ने महेश अवस्थी को शॉल, पुष्पमाला से सम्मानित कर उन्हें शुभकामनाएं प्रदान की। इस मौके परस हयोगी अधिवक्ता श्रृति बोहरा व हर्ष राजपुरोहित व अन्य उपस्थित थे।

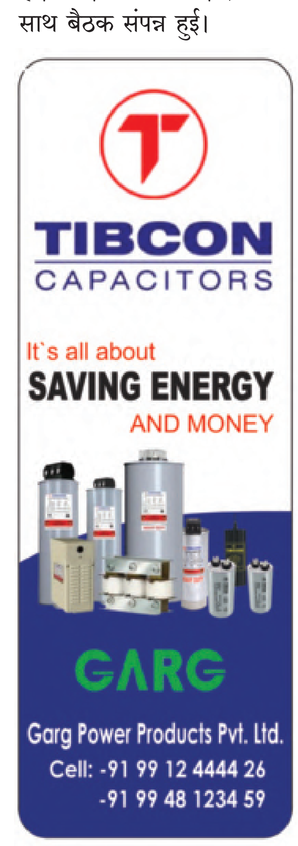

तेयुप हैदराबाद द्वारा व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। रविवार, 8 जून को आशीर्वाद वैली, ज्ञानबाग कॉलोनी हैदराबाद में साध्वी डॉ गवेषणाश्री आदि ठाना 4 के सान्निध्य में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद निर्देशित व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का आयोजन तेरापंथ युवक परिषद हैदराबाद द्वारा किया गया।

राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार कार्यशाला का मुख्य विषय कैसे करें वीतराग पथ की ओर प्रस्थान रहा। कार्यक्रम का कुशल संचालन साध्वी दक्षप्रज्ञा जी ने किया। गंगावती से ममुक्षु साधना जी विशेष रूप से इस कार्यक्रम में पधारे। सर्वप्रथम तेरापंथ युवक परिषद् के प्रकल्प भिक्षु प्रज्ञा मण्डली के माध्यम से समुपस्थित युवा साथियों ने सामूहिक विजय गीत का संगान किया। तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष श्री अभिनंदन नाहटा ने समुपस्थित श्रावक-श्राविकाओं का अभिवादन करते हुए, साध्वी डॉ गवेषणा श्री जी के हैदराबाद में पधारने के पश्चात पिछले 3 महीने से अनवरत चल रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला का उल्लेख करते हुए सभी चरित्रात्माओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की । उन्होंने मुमुक्षु साधना जी का सम्पूर्ण युवा शक्ति की ओर से स्वागत अभिवादन किया। बैद परिवार की ओर से श्रीमती ममता बैद ने चरित्रात्माओं, आंगतुक महानुभावों और मुमुक्षु बहन का अपने व्यतव्य के माध्यम से स्वागत किया। साध्वीश्री मयंकप्रभा जी ने अपने उद्बोधन में मानव जीवन को सार्थक बनाते हुए वीतराग पथ पर बढ़ने की प्रेरणा दी।सिकंदराबाद सभा अध्यक्ष सुशील संचेती ने सम्पूर्ण हैदराबाद समाज की ओर से मुमुक्षु बहन का सम्मान और अभिनन्दन किया । महिला मंडल मंत्री सुशीला मोदी ने तेयुप के कार्यों की प्रशंसा करते हुए बहिन साधना का नारी शक्ति की ओर से स्वागत किया। टीपीफ अध्यक्ष बीरेंद्र घोषल ने तेयुप हैदराबाद को कार्यशाला की शुभकामना दी। अणुव्रत समिति की ओर से विजय आंचलिया तथा प्रेक्षा वाहिनी की ओर से प्रेक्षा प्रक्षिशक रीता सुराणा और नविता नाहटा ने मुमुक्ष बहन का सम्मान किया। जैन तेरापंथ न्यूज़ प्रतिनिधि मीनाक्षी सुराणा ने भी मुमुक्षु बहन का सम्मान किया। साध्वीश्री मेरुप्रभाजी ने वीतराग प्रभु की स्तुति एक मधुर गीत के माध्यम से की। साध्वी डॉ गवेषणाश्री जी ने अपने पावन उद्बोधन ने अपने साध्वी जीवन के शुरुआती दिन के संस्मरण बताते हुए विनम्रता की महत्ता को दर्शाया। उन्होंने समस्त श्रावक श्राविका समाज को वीतराग पथ की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा देते हुए सबको मार्गदर्शन दिया। सहमंत्री जिनेन्द्र सेठिया ने विविध व्यवस्थाओं में अपना सहयोग दिया । संगठन मंत्री जिनेन्द्र बैद ने मुमुक्षु बहन का परिचय प्रस्तुत करते हुए धर्म के प्रति उनके अनुराग भाव का उदाहरण प्रस्तुत किया। मुमुक्षु साधना ने अपने जीवन में वीतराग पथ पर प्रारम्भ होने से अभी तक के जीवन क्रम की विविध घटनाओं को बताया और एक कहानी के दृष्टान्त के मद्धम से सांसारिक और साधु जीवन में भेद को बहुत सुन्दर तरीके से बताते हुए अपने जीवन में लिए महत्वपूर्ण निर्णय के बारे में बताया। सभा मंत्री हेमंत संचेती ने आभार ज्ञापन किया। सम्मान समारोह कार्यक्रम संचालन तेयुप मंत्री अनिल दुगड़ ने किया। तेयुप हैदराबाद ने मुमुक्षु बहन के परिवार को विशेष साधुवाद दिया और परिषद् की ओर से सुदीप नौलखा, प्रमोद भंडारी, प्रेम बेंगाणी और अजय चोपड़ा ने बांठिया परिवार का सम्मान किया।

डीजीएएफएमएस ने सिकंदराबाद के सैन्य अस्पताल में चिकित्सा प्रगति की समीक्षा की

हैदराबाद, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। सर्जन वाइस एडमिरल आरती सरीन, एवीएसएम, वीएसएम, सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा महानिदेशक (डीजीएएफएमएस) ने सैन्य अस्पताल सिकंदराबाद की व्यापक समीक्षा की, जिसमें सैन्य कर्मियों, दिग्गजों और उनके परिवारों को विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए सशस्त्र बलों की प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई।वह 9 जून को अस्पताल पहुंची और कमांडेंट और वरिष्ठ अस्पताल नेतृत्व द्वारा पूरे सैन्य प्रोटोकॉल के साथ उनका स्वागत किया गया। अपनी यात्रा के दौरान, उन्हें प्रयोगशाला निदान, डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड सिस्टम, उन्नत महत्वपूर्ण देखभाल बुनियादी ढांचे और सर्जरी, आर्थोपेडिक्स और निवारक चिकित्सा में विशेष सेवाओं के विस्तार में अत्याधुनिक उन्नयन सहित प्रमुख विकासों के बारे में जानकारी दी गई।

सर्जन वाइस एडमिरल आरती सरीन ने विभिन्न अस्पताल विभागों का दौरा किया और चिकित्सा, नर्सिंग और प्रशासनिक कर्मचारियों के साथ बातचीत की। उन्होंने उनके समर्पण, व्यावसायिकता और रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण की सराहना की।

उन्होंने कहा, मैं यहां की टीम द्वारा प्रदर्शित नैदानिक उत्कृष्टता के उच्च मानकों और सेवा की अटूट भावना से प्रभावित हूं। ये प्रगति सशस्त्र बल समुदाय को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के हमारे सामूहिक दृष्टिकोण को दर्शाती है।

डीजीएएफएमएस ने शांति और परिचालन दोनों संदर्भों में सैन्य अस्पतालों की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने रोगियों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए चिकित्सा प्रशिक्षण, उन्नत तकनीकों को अपनाने और दयालु देखभाल में निरंतर निवेश की वकालत की।

मंगलवार को एक रक्षा बयान में कहा गया कि उनकी यात्रा ने पूरे अस्पताल की टीम के लिए एक मजबूत मनोबल बढ़ाने का काम किया और उत्कृष्टता, नवाचार और समग्र स्वास्थ्य सेवा वितरण के लिए सशस्त्र बल चिकित्सा सेवाओं की प्रतिबद्धता को मजबूत किया।

सीडीएफडी में विशेष हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। डीएनए फिंगरप्रिंटिंग एवं निदान केंद्र (सीडीएफडी) में राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार हेतु एक विशेष हिन्दी कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य स्टाफ को राजभाषा हिन्दी के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करना तथा सरकारी कार्यों में उसकी प्रभावशीलता को बढ़ावा देना है।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. एस. आर. यादव, उप निदेशक (रा.भा.), भाकृअनुप - केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान (सी.आर.आई.डी.ए.) हैदराबाद ने तकनीकी कायाकल्प संग राजभाषा का कदमताल पर व्याख्यान दिया। राजभाषा सलाहकार सुश्री वी. संतोषी दीपिका ने कार्यशाला में उपस्थित सभी का स्वागत किया। कार्यशाला में प्रमुख, प्रशासन जी. रवीन्दर भी उपस्थित रहे।

हिन्दी संपर्क अधिकारी बी. येसुदासु ने अपने संबोधन में अनुसंधान संस्थानों में हिन्दी का महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विज्ञान और तकनीक में हिन्दी की भूमिका को संक्षिप्त रूप से समझाया। आज विज्ञान के क्षेत्र में भी हिन्दी में लेखन और संवाद के प्रयास हो रहे हैं। हाल ही में हमारे संस्थान में भी पिछले सप्ताह में हिन्दी में वैज्ञानिक निबंध लेखन का एक प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया है। इस कार्यशाला न केवल हिन्दी ज्ञान में वृद्धि करेगी, बल्कि हिन्दी में कार्य करने हेतु प्रेरित भी करेगी। उन्होंने सभी उपस्थित स्टाफ को क्विज़ प्रतियोगिता हेतु शुभकामनाएं दी है।

डॉ. एस. आर. यादव, मुख्य वक्ता ने राजभाषा के कार्यान्वयन में मुख्य कठिनाइयों को दूर करने के संबंध में स्टाफ को समझाया। राजभाषा संबंधी नियमों की जानकारी का अभाव पर प्रकाश डाला। उन्होंने कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करने में प्रमुख समस्याएं एवं समाधन पर विस्तृत जानकारी दी है। तकनीकी कायाकल्प मिशन संबंधी उद्देश्य भी अवगत कराए। उन्होंने कुछ व्यावहारिक अभ्यास भी करवाएं जैसा कि अंग्रेजी शब्द का हिंदी पर्याय, हिंदी शब्द का अंग्रेजी पर्याय, संगत जोड़े मिलाकर वाक्य प्रयोग एवं वाक्य प्रयोग में कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के अंतर्गत एक हिन्दी क्विज़ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें स्टाफ ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। क्विज़ में प्रतिभागियों की राजभाषा ज्ञान से जुड़ी समझ का परीक्षण किया गया। प्रतियोगिता के विजेताओं को कार्यशाला के समापन में पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। सभी प्रतिभागियों के उत्साह और सहभागिता के लिए आयोजकों ने आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की घोषणा की।यह कार्यशाला न केवल ज्ञानवर्धक रही, बल्कि हिन्दी के प्रति जागरूकता और प्रेम को भी बढ़ावा देने में सफल रही। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन राजभाषा सलाहकार सुश्री वी. संतोषी दीपिका ने किया।

ऑथर्स गिल्ड ऑफ इंडिया की बहुभाषी काव्य गोष्ठी सम्पन्न

हैदराबाद, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। ऑथर्स गिल्ड ऑफ इंडिया द्वारा आभासी बहुभाषी काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्षता करते हुए डॉ सरोजिनी प्रीतम की क्षणिकाएं आकर्षण का केंद्र रही वे बताते हैं / जब से गाय सी कन्या / घर में आई है/ सभी उसे नोच नोच कर खाते हैं।उन्होंने काव्य गोष्ठी को सफल बताया और कहा, संस्था के साथ जुड़े हुए दक्षिण से उत्तर तक के साहित्य कार अपनी - अपनी अंचल भाषाओं में काव्य प्रस्तुत कर एकात्मकता का दृश्य साकार किया। इस कार्यक्रम की प्रमुख अतिथि हैदराबाद चैप्टर की संयोजक डॉ अहिल्या मिश्रा ने इसे सफल निरूपित करते हुए भारत में फैलती अशांति पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कविता सुनाई। कार्यक्रम की प्रस्तावना संचालन व आभार संस्था के महासचिव डॉ शिव शंकर अवस्थी ने माना। कार्यक्रम में, हिंदी, पंजाबी, मलयालम, तमिल, गुजराती, कन्नड़ और अन्य भाषाओ में कवियों ने प्रस्तुति दी । कार्यक्रम की शुरुआत पंजाबी भाषा की कविता से डॉ सुदेश भाटिया विद्यासागर दिल्ली ने सिंदूर ऑपरेशन पर प्रहार किया।

गुरु प्रताप शर्मा उमरेड ने ईश्क मेरा आजाद, नेहा कौशिक ने एक छोटी सी चिड़िया, आर पार्वती चेन्नई ने हिंदी में दर्द, डॉ सी जे प्रसन्न कुमारी तिरुवंतपुरम ने मलयालम में बसंत के मौसम की बहार और फूलों का जिक्र किया।

डॉ आशा मिश्रा 'मुक्ता' हैदराबाद की 'सायकल दूर' गांव की सड़क पर चली, शिप्रा मिश्रा; चंपारण, ने स्त्रियों को प्रवासी बताते हुए पूछा उन्हें तथागत की उपाधि क्यों नहीं मिलती, युवा चंदा जी के बोल थे वक्त थोड़ा ही बचा हंसने हंसाने के लिए और ऋता शेखर मधु बंगलुरू ने वोटरों को जाग्रत करने का प्रयास किया।

उक्त कार्यक्रम में देश के अंचल से 63 कवियों ने नाम दर्ज किया। कई कवि जैसे समय मर्यादा के कारण सुना नहीं सके। हर दो महीने में आयोजन का वायदा कर सफल गोष्ठी का आभार डॉ अवस्थी ने माना और व्यवस्था के लिए बछौतिया संदीप शर्मा को बधाई दी।

संजीवय्या पार्क सिकंदराबाद के विकास के लिए बैठक आयोजित

हैदराबाद, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। संजीवय्या पार्क के विकास एवं स्वच्छता को लेकर अन्न-पूर्णा, सिकंदराबाद में मॉर्निंग वॉकर ग्रुप के सदस्यों की विशेष बैठक का आयोजन सोमवार दि. 9 जून, 2025 को सम्पन्न हुई। बैठक में पार्क की सफाई, नागरिकों की सुविधाओं, हरियाली और सौंदर्यीकरण को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में जैन रत्न रमेश पी. तातेड ने बताया कि इस पहल का नेतृत्व पी. डी. जकोटिया, शशि जैन, अरविंद जैन (सीए) एवं रमिला चौधरी ने संयुक्त रूप से किया। आयोजन की समस्त व्यवस्था पुष्पाबेन, जैन रत्न रमेश पी तातेड़, सिरोही निवासी द्वारा पूरे समर्पण के साथ संपन्न हुई। बैठक में सभी सदस्यों ने पार्क को और बेहतर, स्वच्छ व आकर्षक बनाने हेतु अपने विचार व योजनाएं प्रस्तुत किए।

इस बैठक मेंराजेंद्र नाहटा, सरदामल भोडतरिया, निरंजन गोयल, चंदन चंपालाल, कमलेश जैन, अशोक चौधरी, जीतूभाई सेठ, अरविंद कामदार, जगदीश लोया, बाबूलाल परमार, परविन पोरवाल, राजेश सिंघी, रितेश तातेड़, तपन तातेड़, रियान, जिन्ने, हरीथ की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। साथ ही सभी सदस्यों ने पी डी जाकोटिया व रमेश पी तातेड को धन्यवाद प्रकट किया।

तेलंगाना बौद्धिक मंच द्वारा प्रो पुरुषोत्तम और प्रो महमूद जिम ऑफ हायर एज्युकेशन पुरस्कार से सम्मानित

हैदराबाद, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना बौद्धिक मंच ने मंगलवार को राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा दिवस-2025 के अवसर पर प्रोफेसर इटिकला पुरुषोत्तम और प्रोफेसर एसके महमूद को जिमनैजियम ऑफ अय्यर एजुकेशन अवार्ड 2025 से सम्मानित किया। मसाब टैंक के पास स्थित तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद सम्मेलन हॉल में तेलंगाना बौद्धिक मंच तेलंगाना परिचय मंच राज्य शाखा द्वारा आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में परिषद के उपाध्यक्ष द्वितीय प्रोफेसर एसके महमूद ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और संबोधित किया।

उन्होंने आगे कहा कि आज हमें उच्च शिक्षा के माध्यम से दुनिया में सभी क्षेत्रों में शांति, विकास और समानता लाने में उच्च शिक्षा के महत्व की याद दिलाई जाती है। उन्होंने यह भी बताया कि 2020 21 में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, हमारे देश में 18-23 आयु वर्ग के 28.4% लोग उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जिनमें से केवल 28.3 प्रतिशत पुरुष और 28.5 प्रतिशत महिलाएं उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही हैं।उच्च शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष द्वितीय प्रोफेसर एसके महमूद ने कहा कि मौलाना अब्दुल कलाम आजाद की दूरदर्शिता के कारण देश में आईआईटी, यूनिवर्सिटी ग्रैंड कमीशन, विश्वविद्यालयों और भारतीय विज्ञान संस्थान की स्थापना ने उच्च शिक्षा का मार्ग प्रशस्त किया है।अमेरिका की यात्रा पर गए तेलंगाना इंटेलेक्चुअल फोरम के प्रदेश अध्यक्ष डॉ राज नारायण मुदिराज ने इस अवसर पर एक संदेश भेजकर प्रोफेसर पुरुषोत्तम और प्रोफेसर एसके महमूद को बधाई दी।इस अवसर पर प्रोफेसर पुरुषोत्तम और प्रोफेसर एसके महमूद को पिछले 35 वर्षों से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षा के विकास के लिए उनकी अथक सेवाओं के लिए शॉल, स्मृति चिन्ह और माला पहनाकर जिम ऑफ हायर एजुकेशन अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया।इस अवसर पर तेलंगाना बुद्धिजीवी मंच के राज्य सचिव डॉ. मोहम्मद अख्तर अली, उस्मानिया विश्वविद्यालय एनएसएस प्रशिक्षक डॉ. रवि तेजा चौहान, मोहम्मद सलीम, कुमारी फातिमा, काशमुनि सैम राव मुदिराज, जी वेणुगोपाल, अरीकाटिका बी सूर्या, एम. गण सैम और अन्य ने भाग लिया और प्रोफेसरों को पुष्प शॉल और मालाओं से सम्मानित किया।

तेलंगाना में अगले 72 घंटों में भारी बारिश के आसार

हैदराबाद, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के कई जिलों में अलग-अलग स्थानों पर अगले 72 घंटों के दौरान भारी बारिश होने का अनुमान है।मौसम विज्ञान केंद्र ने मंगलवार को राज्य के महबूबनगर, नागरकुर्नूल, वानापर्थी, नारायणपेट, जोगुलम्बा गडवाल जिलों में अगले 24 घंटों के दौरान भारी बारिश होने का अनुमान जताया है।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, No.JC 733159X Sub Jharmal Singh of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my Daughter Name is changed from RUBAL CHAUDHARY to RUBAL CHOUDHARY

CHANGE OF NAME
I, No.JC 732567W SUB Pradhuman Prasad of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my daughter Name is changed from PALLBI to PALLBI KUMARI

CHANGE OF NAME
I, No.JC 731762F SUB/H/LT Mahendra Nayak of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my Son Name is changed from KAMALESH NAYAK to KAMLESH NAYAK

CHANGE OF NAME & DOB
I, LALITHA Spouse of Service No.JC 281070A Sub (AIG) DHANUNJAYARAO AGATHAMUDI, R/o.Vill and P.O:Pathapatnam, Teh:Pathapatnam, Dist:Srikakulam, Andhra Pradesh-532213 have changed my name and DOB from LALITHA, DOB:07-04-1987 to LALITHA AGATHAMUDI, DOB: 06-06-1988 vide affidavit dt: 10-06-2025 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, GITA DEVI Mother of Service No. 15185638H Nk (SHGD) ABHAY KUMAR SINGH, R/o.Vill and P.O:Babura, Teh:Ara, Dist:Bhojpur, Bihar-802163 have changed my name and DOB from GITA DEVI, DOB:22-04-1962 to GEETA DEVI, DOB:04-01-1960 vide affidavit dt:10-06-2025 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, N PADMA VALLI Daughter of Service No.219102G Hony FLT LT Late VENKATA RANGANAYAKULU NADIMPALLI, R/o.16-11-511, D-57, 2nd Floor, Street No.3, Shalivahana Nagar, Dilsukhnagar, Hyderabad - 500036, Telangana have changed my name from N PADMA VALLI to PADMA VALLY NADIMPALLY vide affidavit dt:10-06-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No. 2617678N Hav DEVENDRA VEERNALA, R/o. Vill and P.O:Kasukarru, Mandal, Tq and PS:Ponnur, Dist:Guntur, Andhra Pradesh-522124 hereby declare that my mother name and DOB is to be changed from BASAUA PURNA V, DOB:17-06-1959 to VEERNALA BASAVAPURNA, DOB:17-6-1949 vide affidavit dt:10-6-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, TEEJA DEVI is mother of army No.15151502M Rank Havaldar, Name: SURESH CHAND YADAV, residing at Paota Tehsil, Kotputli, Jaipur, Rajasthan. presently residing at Building No.159/19, Near MH, Langer House, Golconda, Hyd, TS -500008, I have changed my name from TEEJA DEVI to TIJA DEVI and Date of Birth 01-07-1951 to 01-01-1944, due to Wrongly recorded in service documents vide Affidavit date.09-06-2025 before Mohd Muzibulla Baig Advocate and Notary High Court of Telangana, Hyd

CHANGE OF NAME & DOB
I, KRISHNA YADAV is wife of army No. 15151502M, Rank Havaldar Name SURESH CHAND YADAV, residing at Paota Tehsil, Kotputli, Jaipur, Rajasthan, presently residing at Building No.159/19, Near MH, Langer House, Golconda, Hyd, Telangana - 500008, I have Changed my name from KRISHNA YADAV to KRISHANA YADAV and Date of Birth From 15-05-1983 to 01-01-1983, due to Wrongly recorded in service documents. Vide Affidavit date. 09-06-2025 , before Mohd Muzibulla Baig Advocate and Notary High Court of Telangana Hyd

CHANGE OF NAME
I, Service No.15414666-K, Rank : Hav, P V BHASKAR, S/o. P Sriramulu, Unit MH Secunderabad, resident of H.No.1-225, U Kothapalli, Dhone -Mandal, Ungaranigundla Dhone Kurnool -518222, Andhra Pradesh India, Hence Changed My Mother Name From P. EERAMMA to PALA ERAMMA W/o. P SRIRAMULU as Per Adhar Card due to wrongly Mentioned in My Army service records.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No-14653511Y, Rank-HAV, Name-Kapil Dev Yadav Residing at H.No-68, Ahalade, Jagdishpur, Muslimpur, Ambedkar Nagar, Akbarpur, PIN-224122, State-Uttar Pradesh. I have changed my Father name from- DANBAHADUR YADAV to DAN BAHADUR and Date of Birth from 01/07/1962 to 01/01/1954 Affidavit dated 09 June 2025 before Notary G Ramchander Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No-14686819M, Rank-HAV, Name-Krishna Pal Gangwar Residing at H.No-47, Vill-Bhavr Khera J.Jiginia, PO- Devkali, Dist- Shahjahanpur,PIN-242042,State-Uttar Pradesh. I have changed my Father name from RADHEY SHYAM GANGWAR to RADHEY SHYAM and DOB also changed from 01/07/1958 to 07/12/1957 Affidavit dated 09 June 2025 before Notary G Ramchander Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Faizah Lubna, W/o Sri Junaid Ahmed, D/o Syed Asad Rahmani, R/o H. No. 16-6-276, Osmanpura, Saidabad, Sahifa, Hyderabad., do hereby declare that I have changed my daughter's name from IQRA KHAN D/o HAFIZ HUSAMA to FALISHA PARI She shall henceforth be known as FALISHA PARI for all purposes

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No-14686819M, Rank-HAV, Name-Krishna Pal Gangwar Residing at H.No-47, Vill-Bhavr Khera J.Jiginia, PO- Devkali, Dist- Shahjahanpur,PIN-242042,State-Uttar Pradesh. I have changed my Mother name from URMILA GANGWAR to URMILA DEVI and DOB also changed from 01/07/1962 to 10/01/1962 Affidavit dated 09 June 2025 before Notary G Ramchander Secunderabad.

प्रेमसागर राव ने कैबिनेट में गिरावट पर निराशा व्यक्त की

मंचेरियाल,10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

मंचेरियाल विधायक के प्रेमसागर राव हुए बहुप्रतीक्षित मंत्रिमंडल विस्तार में जगह न मिलने से निराश है राव को मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने की बहुत उम्मीदें थी लेकिन उन्होंने आदिलाबाद जिले में कांग्रेस पार्टी की किस्मत को फिर से खड़ा करने में अपनी अहम भूमिका को देखते हुए विस्तार पर अपनी उम्मीदें टिकाई थी उन्हें लगभग दो दशकों के बाद इस क्षेत्र में पार्टी के पिछले गौरव को बहाल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का श्रेय दिया जाता है पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार राव ने उस समय कांग्रेस में नई जान फूंकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी जब पार्टी ने समग्र आदिलाबाद जिले में अपनी उपस्थिति लगभग खो दी थी कहा जाता है कि 2021 में इंदरवेल्ली में पार्टी की सफल बैठक के पीछे उनकी अहम भूमिका थी नेतृत्व और कैडर के लिए मनोबल बढ़ाने वाला जिसके बारे में कई लोगों का मानना है कि इसने 2023 के विधानसभा चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन की नींव रखी अपनी वफ़ादारी और योगदान के बावजूद राव का नाम नए नियुक्त मंत्रियों की सूची में नहीं आया निजी बातचीत में अपनी निराशा व्यक्त करते हुए उन्होंने कथित तौर पर अपने समर्थकों से कहा इस क्षेत्र में पार्टी को पुनर्जीवित करने के बावजूद मुझे न्याय नहीं मिला है दलबदलुओं को मंत्री पद की पेशकश करना कैडर को गलत संदेश देता है अगर मुझे मंत्री पद दिया जाता तो इससे कई वफ़ादार प्रेरित होते शांत करने के प्रयास में एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ और मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कथित तौर पर हैदराबाद में राव से मुलाकात की और उन्हें मंत्रिमंडल विस्तार के अगले चरण में प्रमुख भूमिका देने का आश्वासन दिया इन प्रयासों के बावजूद राव इस उपेक्षा से नाखुश हैं मंचेरियाल जिले में पार्टी कार्यकर्ताओं में भी विभाजन के संकेत मिल रहे है राव के समर्थक मंत्री जी विवेक से जुड़े कार्यक्रमों में भाग लेने से कतरा रहे हैं दोनों खेमों के बीच तनाव पहले से ही दिखाई दे रहा है ।

खड़गे से मिले मंत्री विवेक

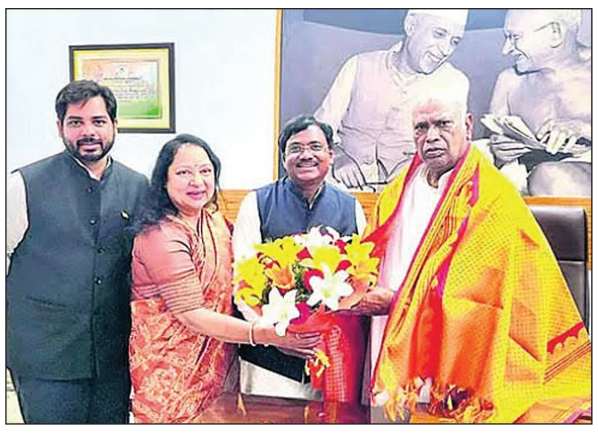

चेन्नूर,10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
राज्य मंत्री गड्डम विवेक वेंकटस्वामी अपनी पत्नी सरोजा और पेड्डापल्ली के सांसद गड्डम वामसी कृष्णा के साथ एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और महासचिव केसी वेणुगोपाल से मिले। उन्होंने दिल्ली में उन से मुलाकात की और राज्य मंत्रिमंडल के विस्तार में उन्हें जगह देने के लिए उनका आभार जताया।

इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री विवेक ने कहा कि खड़गे ने सुझाव दिया था कि उन्हें राज्य में पार्टी को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए और आगामी निगम और नगर पालिका चुनावों में कांग्रेस पार्टी की जीत की दिशा में काम करना चाहिए।

कपास किसानों को बुवाई शुरू होने के बाद बारिश का इंतजार

मंचेरियाल,10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
जिले के कपास किसान उत्सुकता से बारिश का इंतजार कर रहे है उन्होंने अपने खेत तैयार कर लिए हैं और कुछ मामलों में तो भारतीय मौसम विभाग के शीघ्र मानसून के पूर्वानुमान के आधार पर समय से पहले ही बीज बो दिए है लगातार प्री-सीजन बारिश और पिछले साल की शुरुआती बुवाई से उच्च पैदावार से उत्साहित कई किसानों ने कपास की खेती काफी पहले ही शुरू कर दी थी इस सीजन में कपास के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (चडझ) में 489 रुपये की वृद्धि की केंद्र सरकार की घोषणा ने उनके उत्साह को और बढ़ा दिया जिससे अधिक किसान इस फसल को चुनने के लिए प्रेरित हुए।हालांकि हाल ही में हुई सूखे की वजह से उनकी उम्मीदें धूमिल हो गई है पिछले हफ़्ते बारिश नहीं होने की वजह से अगर आने वाले दिनों में बारिश नहीं हुई तो जल्दी बोए गए कपास के बीज मुरझाने का खतरा है कई किसान अब अगले चार दिनों में होने वाली बारिश के पूर्वानुमान पर अपनी उम्मीदें टिकाए हुए है इस बीच कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों को सूखे की स्थिति में बुवाई न करने की चेतावनी दी है उन्होंने पर्याप्त बारिश होने तक खेती टालने की सलाह दी है कृषि विभाग के अनुसार इस वनकालम के लिए लक्षित 48,000 एकड़ में से अब तक लगभग 28,000 एकड़ में कपास की खेती की जा चुकी है धान प्रमुख फसल बनी हुई है और इस मौसम में सभी फसलों के तहत कुल अनुमानित 3.43 लाख एकड़ में से 2.76 लाख एकड़ में इसकी खेती होने की उम्मीद है ।

सुहागन महिलाओं ने भक्ति भाव से वट पूर्णिमा मनाया

मदनूर, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
वट सावित्री पूर्णिमा हिंदू पंचानगण के अनुसार यह व्रत हिंदू धर्म में शुभ माना ज्याता है इस दिन सुहागिन महिलाएं व्रत रख कर और अपने पति की लंबी उम्र की कामना करती है यह व्रत हर साल की ज्येष्ठ महीने की पूर्णिमा तिथि पर रहती है वट पूर्णिमा के अवसर पर सुहागन महिलाएं मंगलवार के दिन उपवास रहते हुए नए वस्त्र सोलहा शृंगार करने के बाद नजदीक के वट वृक्ष के पास ज्याकर पुरोहित के मंत्र उपचार के साथ पूज्या

अर्चना आरती भोग चढ़ाया गया सुहागन महिलाओं का कहना है कि जेष्ठ पूर्णिमा के दिन वट वृक्ष की पूजा अर्चना करने से परिवार में सुख शांति के सात पति की लंबी आयु मिलती है उन्होंने वट वृक्ष को कच्चे धागा बांधकर सात बार परिक्रमा की व इस समय पुरोहित को प्रसाद व दक्षिणा देकर दीर्घ सौभाग्यवती भव का आशीर्वाद प्राप्त किया महिलाएं आपने अपने घर आकर घर के बड़ो के चरण छुए व उनसे दीर्घ सौभाग्यवती का आशीर्वाद प्राप्त किया परिवार के साथ मिलकर सुरुचि भोजन किया गया

राष्ट्र सेवा दल का उद्देश बच्चों में राष्ट्रप्रेम, लोकतांत्रिक मूल्य, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सामाजिक समता की प्रेरणा जगना है : सदाशिव

किनवट ,10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
राष्ट्र सेवा दल के वरिष्ठ तथा प्रशिक्षक सदाशिव मकदुम ने कहा की यह शिबीर राष्ट्र निर्माण की प्रयोगशाला है इसमे राष्ट्र सेवा दल का उद्देश बच्चों में राष्ट्रप्रेम, लोकतांत्रिक मुल्य, वैज्ञानिक दृष्टिकोन और सामाजिक समता का प्रेरणा मिलता है इस शिबीर के माध्यम से सच्चे अर्थो मे देशभक्त तैय्यार करना है भारत जोडो युवा अकादमी, साने गुरुजी अस्पताल परिवार, राष्ट्र सेवा दल शाखा किनवट के तत्वावधान से विज्ञान,साहस और छंद का शिबीर समापन साने गुरुजी एमर्जनसी व मल्टी स्पेशालिस्ट अस्पताल एम आई डी सी कोठारी स्थित आयोजित शिबीर का समापन पर मकदुम संबोधित कर रहे थे कार्यक्रम की अध्यक्षता वर्धा के वरिष्ठ पर्यावरण तज्ञ,वृक्षमित्र मुरलीधर बेलखोडे ने की गत 22 वर्ष से लगातार शिबीर आयोजित किया जा रहा है इस वर्ष 125 विद्यार्थी यो ने भाग लिए है इस समय पुर्व नगराध्यक्ष इसाखान, योगगुरू अखिल खान,पुर्व नगराध्यक्ष के मूर्ती अण्णा, डॉ अशोक बेलखोडे ने शिबीर का महत्व बताया और कहा

शिबीर मे बालसंस्कार और अनुशासन से ही सुसंस्कृरित पीढी निर्माण करने में शिबीर प्रभावशाली भुमिका निभा रहा है अपने अध्यक्षीय भाषण मे मुरलीधर बेलखोडे ने वृक्षारोपण को लेकरकहा पेड ही है जिसका हर हिस्सा हमारे दैनंदिन जीवन मे काम आता है पेड ऑक्सिजन, ईधन आदि मनुष्य को प्रदान करता है शिबीरार्थीयोने एक एक पेड घर पर लगाने की अपील की शिबीरार्थी विशाखा होलंबे ने शिबीर का अनुभव बताया साथ ही उनके अभिभावक सुनील खामकर, जाधव मैडम ने मनोगत व्यक्त किए कार्यक्रम का संचालन तेजस्वीनी उईके ने आभार डॉ शिवाजी गायकवाड ने माना इस शिबीर मे ओरोबिकस, लेझीम, कवायत, और झांज प्रात्यक्षिक सादर किया गया इस पाच दिवसीय शिबीर मे 22 गावो से 125 विद्यार्थी भाग लिए थे उन सब को मान्यवरोके हाथो प्रमाण पत्र वितरण किया गया शिबीर सफलता के लिए राष्ट्र सेवा दल शाखा किनवट,साने गुरुजी अस्पताल परिवार के सभी ने परिश्रम लिए थे।

पुजारियों ने किया मुख्यमंत्री के चित्र का दुग्धाभिषेक किया गया

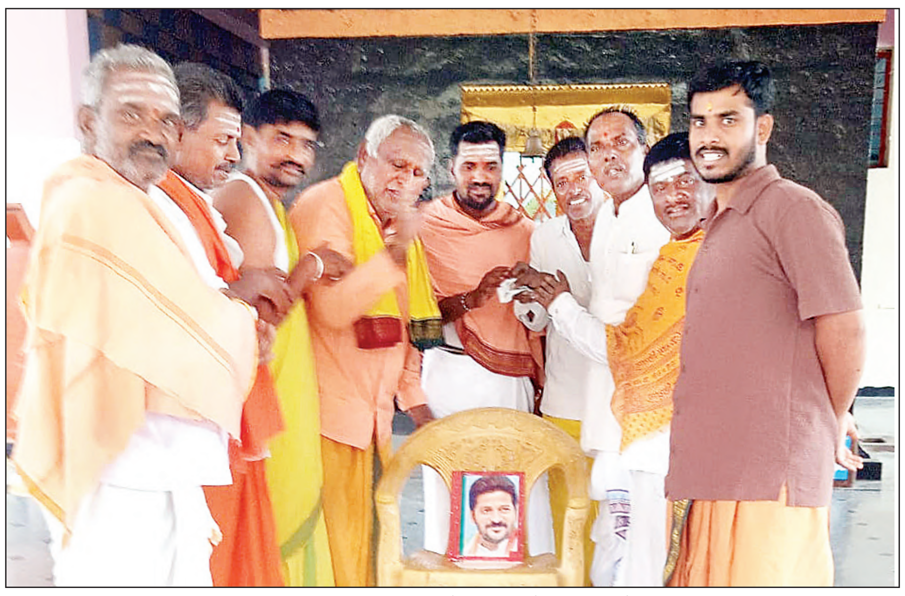

मदनूर,10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
धूप, दीप, अर्पण, पुजारी संघ, कामारेड्डी जिला, मदनूर के नेतृत्व में मंगलवार के दिन कामारेड्डी जिले के मदनूर मंडल केंद्र में राज्य के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, माननीय कोंडा सुरेखा, धर्मादाय मंत्री और मंदिरों के आयुक्त माननीय वेंकट राव, माननीय शैलजा रामैया ने सरकारी अर्चक संगम के कल्याण के लिए अर्चक कल्याण ट्रस्ट से यह अनुदान जारी किया। उन्होंने इस संबंध में उनके प्रयासों के लिए राज्य अध्यक्ष वासुदेव शर्मा को धन्यवाद दिया। की अर्चक को अर्चक व कर्मचारियों के समान आधार पर अनुदान दिया जाता है, इसलिए राज्य के मुख्यमंत्री माननीय एनुमुला रेवंत रेड्डी , देवदया मंत्री कोंडा सुरेखा को दूध आभीषक किया गया जिला अध्यक्ष स्वामी अंजनप्पा, मंडल अध्यक्ष वेंकट महाराज और रामदेव तिवारी, अक्षय महाराज, संगमेश्वर स्वामी के साथ सभी पुजारि उपस्थित थे।

इंदिराम्मा आवास बांध काम के लिए रेती की कामत्रता

मदनूर,10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
इंद्रमा आवास योजना लाभार्थियों ने बताए की तेलंगाना सरकार ने गरीबों को घर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इंदिराम्मा आवास योजना शुरू की गई थी। राज्य सरकार ने 26 जनवरी को इस योजना की धमाकेदार शुरुआत की । शुरुआत में प्रत्येक मंडल के हर एक गांव में इंद्रमा आवास कमिटी द्वारा लाभार्थियों का चयन किया गया और मदनूर मंडल में घरों का निर्माण शुरू किया गया। हाल ही में पूरे मंडल में लाभार्थियों का चयन किया गया है। इसके लिए अधिकारी लाभार्थियों को घर की रंगोली डालकर मंजूरी के दस्तावेज उपलब्ध करा रहे हैं। कई गांवों में घर का निर्माण भी शुरू हो गया है लेकिन घर का बांध काम करने के लिए रेती नहीं मिलने से कही समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

भूमि संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए भूभारती राजस्व सम्मेलन : डेविड

कुमरमभीम/आसिफाबाद ,10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
जिला अपर कलेक्टर (राजस्व) एम. डेविड ने कहा कि सरकार भूमि संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए भूभारती राजस्व सम्मेलनों के माध्यम से आवेदन प्राप्त करेगी। मंगलवार को उन्होंने जिले के कागजनगर मंडल के गन्नाराम गांव में रायथु वेदिका में आयोजित भूभारती राजस्व सम्मेलन का दौरा किया और आवेदन प्रक्रिया का निरीक्षण किया। इस अवसर पर जिला अपर कलेक्टर ने कहा कि भूमि संबंधी समस्याओं के समाधान की दिशा में भूभारती अधिनियम के माध्यम से कदम उठाए जाएंगे और लोगों को इसके तहत आयोजित किए जा रहे राजस्व सम्मेलनों का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजस्व सम्मेलनों में प्राप्त आ-वेदनों की जांच कर अभिलेखों से सत्यापन किया जाएगा और समस्या का स्थायी समाधान करने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि उपनाम, नाम, पिता का नाम, भूमि क्षेत्र में उतार-चढ़ाव और अन्य विवरणों के पंजीकरण पर प्राप्त आवेदनों का शीघ्र समाधान किया जाएगा। बाद में उन्होंने दुर्गानगर में चल रहे भूभारती सम्मेलन का दौरा किया और अधिकारियों को कई सुझाव दिए।इस कार्यक्रम में तहसीलदार मधुकर, उपतहसीलदार सरिता, राजस्व कर्मचारी और किसानों ने भाग लिया।

खेल विद्यालय में प्रवेश के लिए चयन कार्यक्रम आयोजित

कुमरमभीम/आसिफाबाद ,10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
तेलंगाना सरकारी खेल विद्यालय निदेशक ए. सोनीबाला देवी ने एक बयान में कहा कि वर्ष 2025-26 में राज्य के हकीमपेट में तेलंगाना सरकारी खेल विद्यालय में कक्षा 4 में प्रवेश के लिए चयन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य के हकीमपेट और आदिलाबाद में जिला और क्षेत्रीय खेल विद्यालयों में छात्रों के चयन के लिए मंडल, जिला और राज्य स्तर पर चयन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस महीने की 16 से 19 तारीख तक मंडल स्तर पर, 23 से 26 तारीख तक जिला स्तर पर और 1 से 5 जुलाई तक राज्य स्तर पर चयन होगा, 18 और 19 जुलाई को काउंसलिंग होगी और 22 तारीख तक संबंधित स्कूलों में प्रवेश होंगे। उम्मीदवारों का जन्म 1 सितम्बर 2016 से 31 अगस्त 2017 के बीच हुआ होना चाहिए। उन्होंने बताया कि उम्मीदवारों का चयन ऊंचाई, वजन, 30 मीटर फ्लाइंग

स्टार्ट, स्टैडिंग ब्रॉड जंप, 800 मीटर दौड़, 610 मीटर शटल रन, मेडिसिन बॉल पुट, वर्टिकल जंप, लचीलापन-मेडिकल टेस्ट के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि चयन कार्यक्रम मंडल शिक्षा अधिकारी की देखरेख में मंडल स्तर पर आयोजित किया जाएगा तथा चयन कमेटी की देखरेख में श्रेष्ठ प्रतिभा वाले 10 लड़के व 10 लड़कियों की सूची तैयार कर जिला स्तरीय चयन कार्यक्रम में भेजी जाए तथा उम्मीदवारों का पूरा विवरण जिला युवा सेवाएं विभाग अधिकारी को उपलब्ध करवाया जाए। उन्होंने बताया कि जिला स्तर पर चयनित उम्मीदवारों की सिफारिश राज्य स्तर पर की जाएगी। उन्होंने बताया कि मंडल स्तर पर कम से कम 10 अंक वाले उम्मीदवारों का चयन जिला स्तर के लिए किया जाएगा तथा जिला स्तर पर 10 अंक वाले उम्मीदवारों का चयन राज्य स्तर के लिए किया जाएगा। जिला युवा खेल सेवा अधिकारी चयन समिति के साथ मिलकर श्रेष्ठ प्रतिभा वाले 10 बालक + 10 बालिकाओं को राज्य स्तर पर भेजेंगे। अभ्यर्थियों को मूल आधार कार्ड, चतुर्थ श्रेणी का प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, तृतीय श्रेणी की प्रगति रिपोर्ट, जाति प्रमाण पत्र, 5 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ उपस्थित होना चाहिए। इच्छुक एवं योग्य अभ्यर्थी इस अवसर का लाभ उठाएं।

किनवट स्थित अतिरिक्त जिला व सत्र न्यायालय में आसन व्यवस्था करने की मांग

किनवट ,10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
अतिरिक्त जिला व सत्र न्यायालय किनवट को मंजुरी मिलने के बाद किनवट न्यायालय में आसन व्यवस्था को लेकर किनवट वकील संघ का शिष्टमंडल जिले जिलाधिकारी राहुल कर्डिले से नांदेड

जिलाधिकारी कार्यालय में मिलकर उनसे किनवट स्थित अतिरिक्त जिला व सत्र न्यायालय में आसन व्यवस्था करने की मांग रखी थी इसे लेकर जिलाधिकारी राहुल कर्डिले ने सकारात्मक दिखाई और आसन व्यवस्था काम तत्काल कराए जाने की आश्वासन दि इस अवसरपर किनवट वकील संघ के अध्यक्ष एड किशोर मुनेश्वर, उपाध्यक्ष एड टेकसिग चव्हाण, सचिव एड माज बडगुजर, कोषाध्यक्ष एड सम्राट सरपे, वरिष्ठ वकील आकाश कोमरवार,एड पंकज गावंडे,एड सचिन तलाडे आदि उपस्थित थे।

प्रधान ने युवा वैज्ञानिकों की बैठक में मानव-केंद्रित, समतामूलक विज्ञान पर जोर दिया

हैदराबाद, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस बात पर जोर दिया है कि भारत ऐसे विज्ञान में विश्वास करता है जो सहानुभूतिपूर्ण, नैतिक और समतामूलक हो।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) हैदराबाद में मंगलवार को ग्लोबल यंग साइंटिस्ट कॉन्फ्रेंस और ग्लोबल यंग एकेडमी (जीवाईए) की वार्षिक आम बैठक में बोलते हुए प्रधान ने वैज्ञानिकों से उद्देश्य और करुणा के साथ मिलकर काम करने और सहयोग करने का आग्रह किया, ताकि विकसित भारत के सपने को साकार किया जा सके और मानव-केंद्रित विकास को आगे बढ़ाया जा सके।जीवाईए के 30 नए सदस्यों को बधाई देते हुए प्रधान ने कहा, यह सम्मेलन केवल वैज्ञानिक सभा नहीं है, बल्कि आशा, उद्देश्य और साझा नियति का प्रतिनिधित्व करने वाला एक मंच है। उन्होंने भारत और आईआईटी हैदराबाद को मेजबान के रूप में चुनने के लिए अकादमी की सराहना की, जो वैश्विक विज्ञान और नवाचार में देश के बढ़ते कद को दर्शाता है।

वैश्विक वैज्ञानिक सहयोग के लिए भारत की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन, आपदा रोधी अवसंरचना के लिए गठबंधन, मिशन लाइफ़ और भारत विज्ञान एवं अनुसंधान फेलोशिप जैसी प्रमुख पहलों का हवाला देते हुए कहा कि ये विश्व बंधुत्व - विज्ञान के माध्यम से वैश्विक मैत्री के भारत के दृष्टिकोण का प्रतिबिंब हैं।

वर्तमान समय को वैज्ञानिक समुदाय के लिए एक उपयुक्त क्षण बताते हुए, प्रधान ने पारिस्थितिकी तंत्र और नवाचारों को विकसित करने के महत्व पर जोर दिया जो सबसे कमज़ोर लोगों को सशक्त बनाते हैं। उन्होंने दोहराया कि पेटेंट नहीं, साझेदारी को विज्ञान के भविष्य को आकार देना चाहिए।

एक प्रतीकात्मक हरित पहल के हिस्से के रूप में, मंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने आईआईटी हैदराबाद परिसर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधे लगाए। छात्रों को पर्यावरण आंदोलन का नेतृत्व करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए, प्रधान ने कहा, माँ के नाम पर एक पेड़ एक छोटा सा कार्य है जो एक गहरा संदेश और बड़ा प्रभाव देता है।

सप्ताह भर चलने वाला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, दूरदर्शी लोगों का संगम: वैश्विक परिवर्तन के लिए विज्ञान को सशक्त बनाना, 8 से 14 जून तक आईआईटी हैदराबाद, ग्लोबल यंग एकेडमी (जीवाईए), भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी (आईएनवाईएएस) और भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है। इसमें पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी); स्वास्थ्य और पोषण; उद्योग 5.0; और नवाचार और उद्यमिता पर विषयगत सत्र शामिल हैं।

60 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 135 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों और 65 राष्ट्रीय प्रतिभागियों के साथ, यह आयोजन एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है क्योंकि भारत पहली बार अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है।

एनडीए का 11 साल का शासन पारदर्शी और परिवर्तनकारी : धर्मेंद्र प्रधान

हैदराबाद, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने पारदर्शी, निर्णायक और भरोसेमंद शासन मॉडल की शुरुआत की है, जिसने भारत की वैश्विक स्थिति को महत्वपूर्ण रूप से बदल दिया है।एनडीए सरकार के 11 साल पूरे होने के अवसर पर नामपल्ली में भाजपा के राज्य कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए प्रधान ने याद दिलाया कि 2014 से पहले, भारत को आर्थिक रूप से कमजोर और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वसनीयता की कमी वाला माना जाता था। उन्होंने कहा कि इस छवि में उल्लेखनीय बदलाव आया है, और अब भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जताया गया भरोसा लगातार प्रदर्शन और परिवर्तनकारी पहलों के माध्यम से मान्य हुआ है।

प्रधान ने सरकार द्वारा हासिल की गई प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला, जिसमें विभिन्न आवास योजनाओं के तहत चार करोड़ घरों का निर्माण और अतिरिक्त दो करोड़ घर देने की प्रतिबद्धता शामिल है।

उन्होंने आयुष्मान भारत जैसी पहलों और जन औषधि केंद्रों के माध्यम से सस्ती दवाओं की व्यापक उपलब्धता को सुलभ स्वास्थ्य सेवा पर सरकार के जोर के उदाहरण के रूप में बताया।

तेलंगाना सरकार ने वार्षिक बोनालू उत्सव के लिए 20 करोड़ आवंटित किए

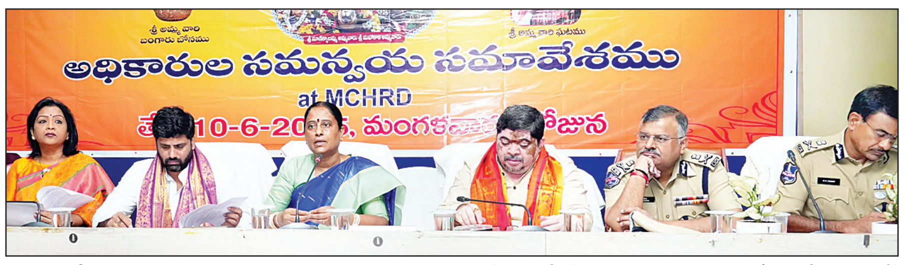

हैदराबाद, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने 26 जून से मनाए जाने वाले वार्षिक बोनालू उत्सव के लिए 20 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

बोनालू तेलंगाना की देवी महाकाली पर केंद्रित एक पारंपरिक हिंदू त्योहार है। यह त्योहार हैदराबाद और सिकंदराबाद के जुड़वां शहरों के साथ-साथ राज्य के अन्य हिस्सों में भी प्रतिवर्ष मनाया जाता है।

मंगलवार को यहां बोनालू उत्सव के सफल आयोजन के लिए किए जाने वाले प्रबंधों पर संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करने वाले बंदोबस्ती मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि सरकार से उत्सव के लिए 30 करोड़ रुपये मांगे गए थे, लेकिन 20 करोड़ रुपये आवंटित किए गए।बोनालू उत्सव के दौरान मंदिरों को सुंदर रूप देने के लिए इस धन का उपयोग किया जाएगा, उन्होंने कहा कि हम मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से उत्सव के लिए धन बढ़ाने का अनुरोध करेंगे।

मंत्री ने संबंधित अधिकारियों से उत्सव के दौरान भगदड़ जैसी स्थिति को रोकने को सर्वोच्च प्राथमिकता देने को कहा, क्योंकि वीआईपी की आवाजाही के दौरान भगदड़ की घटनाएं हो रही हैं। पिछले साल एक-दो स्थानों को छोड़कर उत्सव बिना किसी बड़ी समस्या के मनाया गया था। उन्होंने कहा कि इस बार राज्य सरकार उत्सव के लिए व्यापक व्यवस्था कर रही है। मंत्री ने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा कि मंदिरों में आने वाली 'जोगिनियों' को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े और बोनालू उत्सव को पहले से भी बेहतर तरीके से मनाया जाए। उन्होंने कहा कि हाल ही में आयोजित सरस्वती पुष्करम का भी शानदार आयोजन किया गया था और पड़ोसी राज्यों से आए श्रद्धालुओं ने भी इसकी काफी सराहना की। उन्होंने कहा कि उत्सव के दौरान अनावश्यक समस्याओं से बचने के लिए अधिकारियों को समन्वय के साथ काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को देवी के दर्शन के लिए मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए समस्या पैदा नहीं करनी चाहिए। कोंडा सुरेखा ने आगे कहा कि पिछले साल पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर को एक समस्या का सामना करने का वीडियो वायरल हुआ था। उन्होंने कहा, यह सुनिश्चित करना अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि इस बार ऐसी घटनाएं न हों। बैठक के दौरान पुलिस महानिदेशक पोन्नम प्रभाकर, डॉ. जितेन्द्र, हैदराबाद पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद, धर्मस्व विभाग की प्रमुख सचिव शैलजा रामाय्यर और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री सीताक्का ने सदाराम प्रमाण-पत्रों के लिए विकलांगता पहचान पर डॉक्टरों के लिए ऐतिहासिक कार्यशाला का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य में अपनी तरह की पहली पहल में, सदाराम प्रमाण-पत्रों के लिए विकलांगता पहचान पर डॉक्टरों के लिए एक व्यापक अभिविन्यास कार्यशाला मंगलवार को बेगमपेट के पर्यटन प्लाजा में आयोजित की गई।कार्यशाला का उद्घाटन पंचायत राज, ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री डॉ. धनसारी अनसूया सीताक्का ने किया।कार्यक्रम में एसईआरपी की सीईओ दिव्या देवराजन, सदाराम के निदेशक साई किशोर और एम्स नई दिल्ली, गांधी अस्पताल, उस्मानिया अस्पताल और एनआईएमएस सहित प्रमुख संस्थानों के कई विभाग प्रमुख और चिकित्सा विशेषज्ञ शामिल हुए।इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री सीताक्का ने सटीक और दयालु विकलांगता मूल्यांकन सुनिश्चित करके विकलांग व्यक्तियों को सशक्त बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।उन्होंने कहा, राज्य के इतिहास में पहली बार, हम विकलांगता के प्रकार और प्रतिशत को ठीक से पहचानने के लिए डॉक्टरों को संवेदनशील बनाने और मार्गदर्शन करने के लिए ऐसी कार्यशाला आयोजित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि राज्य भर के 38 अस्पतालों में सदाराम प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए विकलांगता परीक्षण किए जा रहे हैं, जिसके लिए 3.8 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं - प्रत्येक अस्पताल के लिए 10 लाख रुपये। पिछली सरकार की लापरवाही की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि कई योग्य व्यक्तियों को सदाराम प्रमाण-पत्र नहीं दिए गए, जिससे वे महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजनाओं से वंचित रह गए। उन्होंने जोर देकर कहा, सदाराम प्रमाण-पत्र आसरा पेंशन, नौकरी में आरक्षण, इंदिराम्मा इंदलू आवास और राजीव विकास योजना जैसे विभिन्न कल्याणकारी लाभों का आधार हैं। इन प्रमाण-पत्रों को नकारना विकलांगों के साथ अन्याय है। मंत्री ने डॉक्टरों से सहानुभूति, कौशल और ईमानदारी के साथ विकलांगता मूल्यांकन करने का आग्रह किया। चिकित्सा पेशेवरों को यह समझना चाहिए कि वे जो प्रमाण-पत्र जारी करते हैं, वे जीवन बदलने वाले होते हैं। उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी योग्य व्यक्ति वंचित न रहे। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार विकलांगों के लिए सहायक उपकरणों की खरीद के लिए सालाना 50 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देशानुसार, 21 प्रकार की विकलांगताओं को आधिकारिक रूप से मान्यता दी जाएगी और तदनुसार प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। सटीक प्रमाणन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित इस ओरिएंटेशन कार्यक्रम में 2,000 से अधिक डॉक्टरों ने भाग लिया। मंत्री सीताक्का ने डॉक्टरों को समाज में विकलांगों की गरिमा, आत्म-सम्मान और उचित स्थान को बनाए रखने के लिए पवित्र मिशन में भागीदार कहा।

तेलंगाना मंत्रिमंडल में फेरबदल की चर्चा : उत्तम कुमार रेड्डी को तत्काल दिल्ली बुलाए जाने से रहस्य गहराया

हैदराबाद, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। गांधी भवन में अचानक हुए घटनाक्रम के बाद तेलंगाना के राजनीतिक हलकों में अटकलों का बाजार गर्म है। सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी को आज एआईसीसी (अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी) ने अप्रत्याशित रूप से नई दिल्ली बुलाया, जबकि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी सोमवार से ही हाईकमान के साथ अहम बैठकें कर रहे हैं।

सिंचाई मंत्री अपनी पत्नी और कोडाद विधायक एन. पद्मावती रेड्डी के साथ पहले ही राष्ट्रीय राजधानी के लिए रवाना हो चुके हैं, जिससे अफ़वाहें तेज़ हो गई हैं। इस समन का समय विशेष रूप से दिलचस्प है, क्योंकि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी तीन नए मंत्रियों को विभागों के आवंटन को अंतिम रूप देने के लिए सोमवार से ही नई दिल्ली में हैं।

उत्तम कुमार रेड्डी के अचानक राजधानी बुलाए जाने के साथ ही, नए मंत्रिमंडल सदस्यों को विभागों के आवंटन के अलावा, मौजूदा विभागों में संभावित व्यापक फेरबदल पर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

सोमवार रात को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल से मुलाकात की। इसके बाद इंदिरा भवन में एआईसीसी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे और विपक्ष के नेता राहुल गांधी के साथ एक और महत्वपूर्ण बैठक हुई, जो कथित तौर पर एक घंटे से अधिक समय तक चली।

इन उच्चस्तरीय चर्चाओं के बीच, सिंचाई मंत्री को तुरंत नई दिल्ली जाने के लिए हाईकमान के निर्देश ने पार्टी के भीतर कई लोगों को असली मकसद का अंदाजा लगाने पर मजबूर कर दिया है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने खुलासा किया कि उत्तम कुमार रेड्डी को बुधवार को विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों और अधिकारियों के साथ लंबित आधिकारिक मुद्दों को संबोधित करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी के लिए उड़ान भरने का कार्यक्रम था।नेता ने कहा, सिंचाई मंत्री को हाईकमान द्वारा अचानक दिए गए आदेश पर कोई स्पष्टता नहीं है।हाल ही में हुए मंत्रिमंडल विस्तार में तीन नए मंत्रियों को शामिल किया गया है, लेकिन इससे पहले ही कई ऐसे लोगों में असंतोष फैल चुका है जो मंत्री बनने की उम्मीद लगाए बैठे थे। इब्राहिमपट्टनम के विधायक मालरेड्डी रंगारेड्डी ने सार्वजनिक रूप से जोर देकर कहा है कि पूर्ववर्ती रंगारेड्डी जिले से एक विधायक को मंत्री बनाया जाना चाहिए और उन्होंने अपनी पिछली प्रतिज्ञा दोहराई है कि अगर पार्टी उनकी याचिका पर विचार नहीं करती है तो वह विधायक पद से इस्तीफा दे देंगे।

इसी तरह, बोधन विधायक सुदर्शन रेड्डी के समर्थकों ने एक अल्टीमेटम जारी कर मांग की है कि उनके नेता को आगामी स्थानीय निकाय चुनावों से पहले मंत्रिमंडल में शामिल किया जाए।

तीन कैबिनेट रिक्तियों के साथ, अटकलें भी लगाई जा रही हैं कि हाईकमान के रणनीतिक कदमों में इन असंतुष्ट विधायकों को मंत्री पद देकर शांत करना शामिल हो सकता है ताकि आगे की आंतरिक बगावत को रोका जा सके और पार्टी की एकता बनी रहे। तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी की रणनीति के आगे के संकेतों के लिए दिल्ली में चल रहे घटनाक्रम पर उत्सुकता से नज़र रखी जा रही है।

शुभ लाभ
का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/-
Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive..........
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj,
Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10X10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Hyderabad Balanagar

माओवादियों का भारत बंद : तेलंगाना छत्तीसगढ़ सीमा पर हाई अलर्ट

हैदराबाद, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। माओवादियों द्वारा मंगलवार को आहूत 'भारत बंद' के बाद तेलंगाना-छत्तीसगढ़ की सीमाओं पर सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

नक्सल प्रभावित मुलुगु जिले के वेंकटपुरम और वाजेदु मंडलों तथा तेलंगाना के भद्राद्री-कोठागुडेम जिले में घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

पुलिस ने लोगों को माओवादियों का सहयोग न करने की चेतावनी जारी की है।

सुरक्षा बल माओवादियों द्वारा हमले किए जाने की खुफिया सूचना के बाद व्यापक तलाशी अभियान चला रहे हैं।

सीपीआई (माओवादी) पार्टी केंद्रीय समिति के प्रवक्ता अभय ने 21 मई को छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ में पार्टी की केंद्रीय समिति के महासचिव नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू की हत्या की निंदा करते हुए 'भारत बंद' का आह्वान किया है।

माओवादी पार्टी ने 21 मई को भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन के इतिहास में 'काला दिन' घोषित किया है। पार्टी ने मुठभेड़ की निंदा करने और 'ऑपरेशन कगार' के खिलाफ विरोध जताने के लिए 11 जून से 3 अगस्त तक पूरे देश में मारे गए माओवादियों के सम्मान में स्मृति सभाएं आयोजित करने का फैसला किया है। इससे पहले पांच वामपंथी दलों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संयुक्त अपील में उनसे आग्रह किया था कि वे ऑपरेशन कगार के तहत छत्तीसगढ़ के आसपास के क्षेत्र में 'न्यायिक' हत्याओं पर तत्काल रोक लगाएं। उन्होंने केंद्र से माओवादियों की एकतरफा युद्धविराम घोषणा पर प्रतिक्रिया देने और सभी मुद्दों को हल करने के लिए बातचीत शुरू करने का भी आग्रह किया।

।। विश्व शांति, लोक कल्याणार्थ, सर्व कामना हेतु ।।
एक वर्षीय अखंड श्री रामचरितमानस पारायण
कार्यक्रम स्थल : श्री रंगनाथ मंदिर, नैमिषारण्य धाम, सीतापुर (उ.प्र.)
मंगला शासन
ऑनलाइन संकल्प रामायण एक दिवस ब्राह्मण भोज रु.1500/-
अष्ट बैकुंठ श्री नैमिषारण्य धाम में शुक्रवार दि. 30 अगस्त 2024 को प्रारंभ कर अगस्त 2025 तक समापन में यज्ञ किया जाएगा।
ऑनलाइन संकल्प एक दिवसीय सहयोगी : एक यजमान न्योछावर राशि रु. 3100/-
अप्रत्यक्ष पूज्य वैकुंठवासी श्री अनंत विभूषित श्रीश्रीश्री त्रिदंडी श्रीनिवास व्रतधर नारायण रामानुज जीयर स्वामीजी के आशीर्वाद से
11-06-2025
अतिविशिष्ट यजमान : श्रीमती अरुणा किशोर अग्रवाल
विशिष्ट यजमान : तिरुमला वेंकटाचार्य कांति रेखा
तपोभूमि अष्ट बैकुंठधाम श्री नैमिषारण्य धाम में करने का अवसर प्राप्त करें एवं संकल्प प्रति दिवस लिया जाएगा। जन्म दिवस एवं विवाह की वर्षगांठ के दिन बुक करने के लिए शीघ्र अतिशीघ्र संपर्क करें। ऑनलाइन वीडियो कॉल द्वारा संकल्प लिया जाएगा।
संकल्पकर्ता : श्री जगन्नाथ मठ एवं श्री रंगनाथ मंदिर नैमिष धाम
मठाधिपति अच्युत रामानुजाचार्य स्वामी (मो. 8099563154)
श्री जगन्नाथ मठ द्वारा संचालित : श्री जगन्नाथ स्वामी वृद्ध आश्रम, श्री जगन्नाथ गुरुकुल विद्यालय, श्री जगन्नाथ गौ सेवा संस्थान, श्रीमन नारायण शरणागति सेवा ट्रस्ट, श्री रंगनाथ मंदिर भैरमपुर रोड नैमिषारण्य, श्री लक्ष्मी नारायण यज्ञ समिति, श्री जगन्नाथ सेवा ट्रिप्स
वरिष्ठ मार्गदर्शक सहित : अमित अग्रवाल, गजानंद अग्रवाल, जगदीश प्रसाद लोया, वीणा काबरा, मेघराज अग्रवाल, चकिलम रामनया, हरि भाई चांडक, गोविंद राठी, कमल काकानी, बद्रीप्रसाद सारदा, गुलाबचंद देवड़ा, पुरषोतम लाहोठी, अरुण ज्योति, शोभा रानी, रूपेश काकड़ा, विष्णु कडेल, आलोक शुक्ला, विनोद बंग एवं जगन्नाथ मठ परिवार
9963910401 | 9440061537 | 9908222206

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.